हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

रांची, शनिवार, 05 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 143

www.koylanchalsamvad.com

केजरीवाल ने 9 साल बाद सीएम आवास छोड़ा:आप सांसद के बंगले में... | भारत की जेलों में 76 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी वर्षों से बंद | ब्रोकली की उन्नत खेती कैसे करें

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

भवन निर्माण की लागत पर भी मिलेगा जीएसटी का इनपुट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक बड़ा फैसला दिया है। उस फैसले के अनुसार रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, वाणिज्य,लीजिंग जैसे व्यवसाय मालिकों को बहुत बड़ी राहत मिली है। सफारी रिट्रीटस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है,जीएसटी कानून के तहत इसे प्लांट माना जा सकता है। व्यवसाय के द्वारा भवन निर्माण में की गई निर्माण सामग्री की खरीद पर इनपुट का दावा किया जा सकता है। कोई भी कंपनी माल, गोदाम,रियल एस्टेट,हॉस्पिटल तथा व्यवसाय गतिविधियों के लिए निर्माण कार्य करता है। तो जीएसटी के रूप में का गए कर पर उसे जीएसटी का इनपुट अब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल सकता है। अभी तक इस तरह के निर्माण पर जीएसटी का इनपुट नहीं मिलता था। इस फैसले के बाद अब सभी होटल हॉस्पिटल वेयर हाउस और किराए की गतिविधियां चलाने वाले सभी फर्म को जीएसटी का इनपुट निर्माण कार्य की सामग्री में चुकाये गए,जीएसटी का इनपुट मिल सकेगा।

भारत में अगले पांच साल में आम आदमी की आय दोगुनी होगी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण को यहां संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा कि जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) के अनुमानों के अनुसार हमें 2,730 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 75 साल लगे, लेकिन इसमें 2,000 अमेरिकी डॉलर और जोड़ने में केवल पांच साल लगेंगे। आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि देखी जाएगी, जो वास्तव में भारतीयों का एक युग होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक खंडित दुनिया में जहां लगातार कई संघर्ष बदतर हो सकते हैं जिससे वैश्विक शांति के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है।

बाढ़-बारिश से जूझ रहा नेपाल.....पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का पडोसी देश नेपाल इन दिनों भारी बारिश और बाढ़ से परेशान है। अब तक नेपाल में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 29 लोग लापता है। इस संकट में भारत ने नेपाल को मदद की पेशकश की है। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल को राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों में सहायता देने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश देकर आश्वासन दिया कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी (शर्मा) ओली को लिखे पत्र में लिखा है, भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है, हम नेपाल सरकार द्वारा राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए आवश्यक हर संभव सहायता देने के लिए भी तैयार हैं।

कांटाटोली फ्लाईओवर आम लोगों के लिए खुला, धनबाद मटकुरिया फ्लाईओवर का भी शिलान्यास

नवरात्रि में सीएम हेमंत सोरेन की रांची को कांटाटोली फ्लाईओवर की सौगात, 31 परियोजनाओं का भी तोहफा

कांको चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग आठ लेन पथ धनबाद भी आम लोगों के लिए खुला

रांची: नवरात्रि में सीएम हेमंत सोरेन ने राजधानी रांची को कांटाटोली फ्लाईओवर की सौगात दी. सीएम हेमंत सोरेन ने बहुप्रतीक्षित कांटाटोली ओवरब्रिज का उद्घाटन किया. कांटाटोली फ्लाईओवर के उद्घाटन के साथ ही इस पर वाहनों का आवागमन भी शुरू हो गया. लोगों को यह फ्लाईओवर खूब भा रहा है. इससे जाम से कराहती रांची को बड़ी राहत मिलेगी. मुख्यमंत्री ने रांची के 4 लेन स्मार्ट पथ और धनबाद के 8 लेन पथ का भी उद्घाटन किया. इस खास मौके पर सीएम ने कांके रोड फ्लाईओवर की आधारशिला समेत 31 परियोजनाओं का तोहफा दिया.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के संत पॉल्स कैथेड्रल मैदान में आयोजित समारोह में कांटाटोली फ्लाईओवर, बिरसा चौक-धुर्वा गोल चक्कर 4 लेन स्मार्ट पथ (रांची) और धनबाद में कांको चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग-8 लेन पथ का उद्घाटन किया. सीएम हेमंत सोरेन ने राजधानी रांची में सिरमटोली-कांटाटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर एवं सहजानंद चौक-जज कॉलोनी, कांके रोड फ्लाईओवर की आधारशिला रखने समेत 31 परियोजनाओं की सौगात दी. झारखंड की राजधानी रांची लंबे समय से जाम से कराह रही है. कांटाटोली फ्लाईओवर से लोगों को जाम से राहत मिलेगी. अब ट्रैफिक जाम की समस्या राजधानी में काफी हद तक कम हो जाएगी.

225 करोड़ से बना है फ्लाईओवर

रांची का कांटाटोली फ्लाईओवर 224.94 करोड़ रुपए की लागत से बना है. यह फ्लाईओवर 2240 मीटर यानी 2 किलोमीटर 240 मीटर लंबा है. इसकी चौड़ाई 16.6 मीटर है. नवरात्रि में उद्घाटन कर सीएम हेमंत सोरेन ने बड़ा तोहफा दिया है. उद्घाटन समारोह में सीएम हेमंत सोरेन के अलावा राज्यसभा सांसद महुआ माजी, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन समेत अन्य मौजूद थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन परियोजना का भी दिया तोहफा

रांची के सहजानंद चौक के पास से जज कॉलोनी के करीब 4 लेन एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इसकी लागत 430.75 करोड़ रुपए होगी. गोला-मुरी 4 लेन रोड का शिलान्यास किया. इस पर 333.17 करोड़ रुपए खर्च होंगे. धनबाद में मटकुरिया फ्लाईओवर की आधारशिला रखी. इसकी लागत 256.54 करोड़ रुपए होगी. सिरमटोली-कांटाटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर एवं सहजानंद चौक-कांके रोड फ्लाईओवर का शिलान्यास किया. 1.25 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर की लागत 213.35 करोड़ रुपए है. 77 करोड़ रुपए की लागत से भुईयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी रोड पर स्वर्णरेखा नदी पर 4 लेन पुल बनेगा. इसका भी शिलान्यास किया गया. सीएम ने 713.49 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 19 सड़कों एवं ओवरब्रिज के निर्माण का शिलान्यास किया.

हमारी सरकार लंबी सोच के तहत कर रही है काम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रांची शहर में जमीन अधिग्रहण कठिन कार्य है. जब तक सभी का सहयोग नहीं मिलेगा, यह काम पूरा नहीं हो सकता है. लेकिन कांटाटोली फ्लाईओवर के जमीन लेने में लोगों ने काफी सहयोग दिया. फ्लाईओवर बनाने में योगदा सत्संग की जमीन चली गयी. बहुत सारे कार्य पहले ही शुरू हो जाने चाहिए थे, मगर देर से शुरू हो रहा है. उन्होंने कहा कि विकास में यह देखना होगा कि कानून हम ही बनाते हैं और तोड़ते भी हम ही हैं. कहा कि हमारी सरकार लंबी सोच के तहत काम कर रही है.

-पेज 3 पर भी पढ़े...

सीएम ने इनका किया उद्घाटन

- कांटा टोली फ्लाईओवर
- बिरसा चौक-धुर्वा गोल चक्कर फोन लेन स्मार्ट पथ
- कांको चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग आठ लेन पथ धनबाद
- अनगड़ा-हाहे, राहे पथ का पुनर्निर्माण

बड़े-बड़े सोसायटी में लगाया जायेगा सोलिड बेस्ड मैनेजमेंट

सीएम हेंमत सोरेन ने कहा कि गांव वाले लोग शहर के कचड़े को फेंकने के लिए जमीन नहीं देंगे. बड़े-बड़े सोसायटी में सोलिड बेस्ड मैनेजमेंट लगाया जायेगा. हमें खुद में कड़ा होना होगा. कहा कि सोनम वांचुग पर्यावरण को लेकर यात्रा पर निकले, मगर गिरफ्तार कर लिया गया. अगर हम नहीं चेते तो खुद झेलेंगे. हम विकास के नाम पर पर्यावरण का ध्यान रखें. विभाग भी इसका ख्याल रखें. सीएम ने कहा कि एक समय रांची में रात को एसी और पंखा चलाने की जरूरत नहीं पड़ती थी. आज स्थिति बिल्कुल अलग है. पेड़ों की कटाई कर शहर में बड़े-बड़े भवन बन रहे हैं. पेड़ लगाने के नाम पर भी खाना पूर्ति हो रही है. लोग गेंदा और गुलाब के पौधे लगा रहे हैं. लेकिन इसको लगाने से पर्यावरण नहीं सुधरेगा. पर्यावरण को बचाना है तो पीपल और नीम के पेड़ लगाने होंगे.

बंगाल और तमिलनाडु के अफसरों ने झारखंड के पुलिस अधिकारियों को दी ट्रेनिंग

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 से पहले पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के निर्वाचन पदाधिकारियों ने झारखंड के पुलिस अफसरों को विशेष ट्रेनिंग दी. इस अवसर पर झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने कहा कि चुनाव से जुड़े सभी पुलिस पदाधिकारियों के लिए इलेक्शन संबंधी ट्रेनिंग जरूरी है.

चुनाव से पहले सभी पदाधिकारियों को दी जाती है ट्रेनिंग

झारखंड के सीईओ के रवि कुमार ने कहा कि स्वच्छ निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन जुड़े सभी स्तर के पुलिस के पदाधिकारी अपनी महती भूमिका निभाते हैं. प्रेजाइडिंग ऑफिसर्स, पोलिंग ऑफिसर्स को निर्वाचन संबंधी ट्रेनिंग दी जाती है. उसी तरह निर्वाचन कार्य से जुड़े पुलिस के हरे स्तर के पदाधिकारियों के लिए ट्रेनिंग मैन्युअल तैयार किया गया है.

सभी पुलिस अधिकारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में भूमिका निभाने वाले झारखंड के सभी पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग सुनिश्चित करना है. इससे ड्यूटी पर लगे पदाधिकारियों को उनके कर्तव्य के निर्वहन में स्पष्टता आएगी. साथ ही वे अपनी जिम्मेवारियों को तत्परता से निभा सकेंगे. उन्हें मालूम रहेगा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें क्या करना है, क्या नहीं करना है.

निर्वाचन सदन में पुलिस वालों ने क्या सीखा

के रवि कुमार झारखंड के सभी सीनियर पुलिस ऑफिसर्स के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र को निर्वाचन सदन के सभागार में संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ, पश्चिम बंगाल) आरिज आफताब ने पदाधिकारियों को चुनाव की घोषणा से पूर्व प्रारंभिक कार्य एवं मतदान केंद्रों के वर्गीकरण, वल्नरेबिलिटी के मूल्यांकन और क्रिटिकल विश्लेषण के विषयों एवं मतदान पूर्व, मतदान दिवस और मतदान के बाद सुरक्षा व्यवस्था के विषयों पर विस्तृत जानकारी दी.

तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताई ये बातें

तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सत्यव्रत साहू ने केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों की तैनाती की जरूरतों का आकलन करने, स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों से उनके समन्वयन स्थापित करने एवं राज्य के पुलिस बल के साथ उनकी तैनाती से संबंधित विषयों को रेखांकित किया. स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों की इसमें क्या भूमिका होती है, उसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी. निर्वाचन के दौरान कानून–व्यवस्था, जिसमें आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) एवं व्यय निगरानी, नवाचार एवं सुधार से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई.

चुनाव आयोग का सीएस को पत्र, कहा-भजंत्री को रांची डीसी बनाना हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन

रांची : चुनाव आयोग ने मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी बनाये जाने को लेकर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है. आयोग ने मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी बनाये जाने के फैसले को हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताया है. भारतीय निर्वाचन आयोग ने अपने पत्र में मुख्य सचिव को छह दिसंबर 2021 के आदेश का अनुपालन करने का कहा है, जिसमें उसने देवघर के तत्कालीन डीसी मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने, विभागीय कार्यवाही करने और आयोग की अनुमति के बिना चुनाव कार्य से जुड़े पद पर पदस्थापित नहीं करने का आदेश दिया था. साथ ही आयोग ने मुख्य सचिव को 15 दिनों में कार्रवाई रिपोर्ट आयोग को भेजने का आदेश दिया है.

हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को सही करार दिया था

दरअसल मधुपुर उपचुनाव में तत्कालीन डीसी ने आयोग के वोटर टर्न आउट एप और प्रेस कांफ्रेंस में अलग-अलग आंकड़ा पेश करने को लेकर चुनाव आयोग ने छह दिसंबर 2021 को मंजूनाथ भजंत्री को उपायुक्त के पद से हटाने का आदेश दिया था. मंजूनाथ भजंत्री ने आयोग के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका (5716/22) दायर की थी. मंजूनाथ भजंत्री ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग के आदेश को नियम के विरुद्ध बताया था. सिंगल बेंच ने भजंत्री की याचिका को स्वीकार कर ली. इसके बाद आयोग ने सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में एलपीए (244/24) दायर की. हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद 30 सितंबर 2024 को अपना फैसला सुनाया और चुनाव आयोग के आदेश को सही करार दिया. न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि आयोग का आदेश नहीं मानना संविधान के मूल ढांचे पर प्रहार करने जैसा है. उसका निर्देश मानना राज्य के लिए बाध्यकारी है.

प्रेम प्रकाश को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अवैध खनन घोटाला मामले में मिली बेल

रांची : अवैध खनन घोटाला केस में जेल में बंद प्रेम प्रकाश को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सर्वोच्च न्यायालय ने प्रेम प्रकाश को सशर्त जमानत दे दी है. मामले की सुनवाई न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की खंडपीठ कर रही थी. बता दें कि इससे पहले हाईकोर्ट से भी उन्हें जमीन घोटाला मामले में बेल मिल चुकी है. अदालत के इस आदेश के बाद वह लंबे समय बाद जेल से बाहर आ सकेंगे.

सुप्रीम कोर्ट ने प्रेम प्रकाश को बीते 25 माह से जेल में बंद रहने के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया. कोर्ट ने अवैध खनन घोटाला के अभियुक्त को सशर्त जमानत देते हुए अपना नंबर ईडी अधिकारी को देने के साथ साथ ट्रायल कोर्ट में अपना पासपोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया. इससे पहले हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने देश की सर्वोच्च अदालत में दरवाजा खटखटाया था. सोमवार को अदालत ने उनकी याचिका पर आंशिक सुनवाई करने के बाद 4 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की.

भाजपा के हुए एनसीपी वाले कमलेश सिंह, बोले: सत्तारुढ़ दल के संरक्षण में हो रहा राज्य में घुसपैठ

रांची : एनसीपी से पलामू के हुसैनाबाद सीट से विधायक कमलेश सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। रांची के पार्टी कार्यालय में उन्होंने बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हेमंत बिस्वा सरमा की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनके बेटे और एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूर्य सोनम ने भी सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में उनके कई समर्थक मौजूद थे।

सत्तारुढ़ दल करा रहा घुसपैठ

बीजेपी में शामिल होते ही कमलेश सिंह ने घुसपैठ को लेकर अपना बयान दिया। कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रहा है। यह घुसपैठ सत्तारुढ़ दल के संरक्षण में हो रहा है। उन्होंने पार्टी के प्रति वफादारी दिखाते हुए खुल कर कहा कि जनता वर्तमान सरकार से ऊब चुकी है। अब राज्य की जनता भी बदलाव चाहती है। उन्होंने वर्तमान सरकार को घेरे में लेते हुए कहा कि राज्य में 5 वर्षों से सरकार चल रही है। इस दौरान भ्रष्टाचार चरम पर रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि आने वाले समय में योजनाओं का कोई असर नहीं पड़ने वाला।

एनसीपी से सहमति के बाद दिलाई सदस्यता

कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद अपने संबोधन में चुनाव सह प्रभारी हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उन्हें पार्टी में ज्वाइनिंग कराने से पहले एनसीपी की सहमति ले ली गई थी। एनसीपी एनडीए का सहयोगी दल है, ऐसे में सहमति जरूरी थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बीते एक महीने से एनसीपी से हमारी बातचीत हो रही थी। अब किसी तरह की अड़चनें नहीं हैं। कमलेश सिंह के पार्टी में आने को लेकर हो रहे विरोध के सवाल पर कहा कि कमलेश सिंह के आने से किसी को नाराजगी नहीं होनी चाहिए, बल्कि पार्टी में सदस्यों की संख्या बढ़ने से खुशी होनी चाहिए। कमलेश सिंह पर भी जिम्मेदारी होगी कि पुराने और नए कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

कमलेश सिंह ने 2005 में बचाई थी सरकार

कमलेश सिंह के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन के दौरान कमलेश सिंह की काफी तारीफ की। कहा कि उन्होंने पार्टी के साथ लंबे समय से सहयोग दिया है। उन्होंने साल 2005 का उदाहरण देते हुए कहा कि 2005 में कमलेश सिंह के द्वारा दिए गए समर्थन के बल पर ही भाजपा की सरकार बची थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब कमलेश सिंह भाजपा का सदस्य होने के नाते न केवल हुसैनाबाद बल्कि पूरे झारखंड में काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करेंगे।

छत्तीसगढ़ में पुलिस के साथ मुठभेड़ में अब तक 36 नक्सली ढेर, कई घायल

दंतेवाड़ा (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में समाचार लिखे जाने तक 36 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इनमें से 14 के शव बरामद हो गए हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में ऑटोमेटेड हथियार बरामद किए गए हैं। यह मुठभेड़ जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में हुई। नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर माड़ इलाके में नक्सलियों का सर्च ऑपरेशन चल रहा है। पुलिस को शुक्रवार को एक मुखबिर से सूचना मिली थी की जंगल में नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फ़िराक में हैं। सूचना मिलने के बाद फोर्स को मौके के लिए रवाना किया गया। जवानों को आता देख नक्सलियों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। जवानों को भारी पड़ता देख मौके से नक्सली पीछे हट गए। 36 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। कई जख्मी भी हुए हैं। इस मुठभेड़ में कई इनामी नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। नक्सलियों की कंपनी नंबर 6 को भी पुलिस ने ध्वस्त कर दिया है।यह मुठभेड़ नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा में अबूझमाड़ के थुलथुली गांव के जंगल में हुई है।

सुरक्षाबल के दल में जिला रिजर्व गार्ड और विशेष कार्य बलके जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ से पहले आज सुबह ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा का दौरा किया था। यहां शुक्रवार को उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह के साथ 167।21 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मुठभेड़ के साथ ही इस वर्ष अब तक दंतेवाड़ा और नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में 171 माओवादियों को मार गिराया है।सरकार ने साल 2026 कर छत्तीसगढ़ के बस्तर में माओवादियों के खात्मे के लिए नई स्ट्रैटजी बनाई है। इसके तहत सीआरपीएफ की और 4 बटालियन को बस्तर में तैनात किया जा रहा है। करीब 4 हजार जवान बस्तर के अलग-अलग जिलों में नक्सल मोर्चे पर तैनात होंगे। इनमें झारखंड से 3 और बिहार से 1 बटालियन को भेजा जा रहा है। कुछ जवान बस्तर पहुंचे हैं। बाकियों की ट्रेनिंग चल रही है। सरकार का दावा है कि नक्सलियों के साथ अब यह निर्णायक लड़ाई है। नक्सलियों से लड़ने के लिए फोर्स को और मजबूत किया जा रहा है।

बरकनगांगो में सास-बहू,पति सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरकनगांगो पंचायत भवन में सास-बहू, पति सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहिया साथी बसंती देवी ने कि व संचालन सहिया दीदी हेमंती देवी ने किया। कार्यक्रम बीटीटी प्रकाश पंडित के देखरेख में हुआ। सहिया साथी बसंती देवी ने कार्यक्रम में परिवार नियोजन से संबंधित जानकारी लोगों को दी।बताया कि चार गाठ लड़का हो या लड़की 21 वर्ष में शादी करना चाहिए।शादी के दो साल बाद पहला बच्चा एवं दो बच्चे के बीच तीन साल का अंतराल होना चाहिए।दो बच्चे के बाद स्थाई विधि अपनाने की सलाह दी गई। बीटीटी प्रकाश पंडित ने परिवार नियोजन का अस्थाई विधि के बारे में जानकारी दी।साथ ही गुब्बारा का खेल खेला कर कम परिवार सुखी परिवार के बारे में बताया। मौके पर योग दंपति को चार गाठ अपनाने वाले 20 लाभार्थियों को स्टील का बर्तन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्याम सुंदर यादव, सहिया दीदी उषा देवी, सुषमा देवी, संगीता देवी, काजल कुमारी, रेखा देवी, नीतू देवी, प्रियंका देवी, रानी देवी, प्रिया देवी समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

युवा नेता गौतम कुमार ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोरहर में अनियमितता का लगाया आरोप

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर उत्क्रमित उच्च विद्यालय में युवा नेता गौतम कुमार ने सुंदरीकरण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया है।गौतम कुमार ने कहा कि विधायक मद से लगभग एक करोड़ कि लागत से कराया जा रहा सुंदरीकरण निर्माण कार्य मनमाने ढंग से हो रहा है।जिसमें बालू के स्थान पर चिप्स के डस्ट से पूरा काम किया गया है।जमीन कि ढलाई भी जैसे तैसे किया जा रहा है।पिलर में भी कम मात्रा का छड़ का उपयोग हो रहा।जिसकी शिकायत ग्रामीणों से मिलने पर स्थल जाकर निरीक्षण किया। कहा कि यह शिक्षा का मंदिर है और इसमें बच्चों का भविष्य बनता है। उक्त कार्य को विधायक के ठीकेदार द्वारा कर पैसे का बंदरबाट किया जा रहा है।गौतम कुमार ने कहा कि इसकी शिकायत हजारीबाग उपायुक्त को लिखित में किया जाएगा।मौके पर जेबीकेएसएस जेलकेम के केंद्रीय संगठन मंत्री महेंद्र प्रसाद, पंसस लखन महतो, देवचंद महतो, प्रदीप पासवान, छोटेलाल मुर्मू,महेश पासवान, किसुन हांसदा, रामकुमार मुर्मू समेत अन्य लोग मौजूद थे। जानकारी हो कि सुंदरीकरण निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।जिसमें शेड लगाना और नाली का काम किया जा रहा है।

इग्नू अध्ययन केंद्र चतरा कॉलेज में अब 15 अक्टूबर तक होगा इग्नू में नामांकन

कोयलाचल संवाद संवाददाता

चतरा : इग्नू अध्ययन केंद्र चतरा कॉलेज चतरा में सत्र जुलाई 2024 हेतु नामांकन जारी है I विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय के माध्यम से स्नातकोत्तर ,स्नातक ,पीजी डिप्लोमा, व अन्य रोजगार परक कार्यक्रम में नामांकन ले सकते हैं ।नामांकन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2024 तक निर्धारित है I इस विश्वविद्यालय में वैसे विद्यार्थी भी नामांकन ले सकते हैं जो रेगुलर माध्यम से कक्षाएं कर रहे हैं। एसटी, एससी समुदाय के विद्यार्थियों के लिए स्नातक जनरल कार्यक्रम में निशुल्क नामांकन का प्रावधान है I इसके माध्यम से कामकाजी महिलाएं ,नौकरी पैसा कर्मी, योग्यता वर्धन हेतु नामांकन ले सकते हैं I नामांकन के लिए लिंक https, / ignouadmission.samarth.edu.in पर जाकर अपने अनुकूल विषयों का चयन एवं नामांकन से संबंधित समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस आशय की जानकारी इग्नू के समन्वयक डॉक्टर मुकेश कुमार झा ने दी.

प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने पकड़ कर मंदिर में कराई शादी

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : सदर प्रखंड के सिकिद पंचायत के शेरपुर गांव में प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने पकड़ा। स्थानीय मंदिर में करायी गई शादी। बताते चलें कि गांव के पप्पू कुमार यादव पिता बुट्टा यादव का प्रेम प्रसंग सुमित्रा कुमारी पिता ललन यादव की बेटी से करीब 6 माह से चल रहा था। इस दौरान एक दो बार पूर्व में भी ग्रामीणों ने पकड़ा था और समझा बुझाकर छोड़ दिया था। जब आज तीसरी बार दोनों प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने लड़की के घर में ही पकड़ा तो गांव में पंचायत कर दोनों की शादी करा दी गई। इधर गांव में चल रहे पंचायत के दौरान लडका पक्ष को ग्रामीणों द्वारा मार पीट किये जाने का भय हुआ तो उनके द्वारा सदर थाना पुलिस को फोन कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर विवाह संपन्न होने के बाद लड़का लड़की को अपने साथ थाना ले गई। प्रेमी युगल की शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाया

तमाड - अड़की प्रखंड के पुरनानगर पंचायत एवं सोसोकुटी पंचायत के युवाओं ने शुक्रवार को तमाड़ विधानसभा के पूर्व विधायक सह मंत्री श्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ (राजा पीटर) के विचारधाराओं से प्रेरित होकर बिरसा विकास समिति का दमन थामा एवं आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाया। और आने वाली समय में तमाड़ विधानसभा के विकास हेतु योजनाओं पर चर्चा की। बैठक में निम्न लोग शामिल थे। छोटन लोहार, अशोक प्रमाणिक, पवन प्रमाणिक, बबलू ठाकुर, निकट मुंडा, सोहराय मुंडा, घसीराय अहीर, कालो लोहार, चितरंजन सिंह, राजेंद्र मुंडा, मुकुल मछुआ, बुद्ध मछुआ, गुरु मिर्धा, शिव मिर्धा, सोमा मछुआ, कला चंद ओझा, भूषण हाजम, छोटू मुंडा, आदि शामिल थे।

6 अक्टूबर को वैश्य मोर्चा करेगी चेतावनी महाधरना

रांचीः झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा अपनी मांगों को लेकर 6 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय चेतावनी महाधरना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. इसकी विधिवत सूचना आज अनुमंडलाधिकारी (सदर) को दे दी गई है. इस चेतावनी धरना कार्यक्रम में वैश्य मोर्चा के केंद्रीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और प्रमुख सदस्य शामिल होंगे.

नारायणा हॉस्पिटल में 13 दिन के शिशु की मस्तिष्क रक्तस्राव और हाइड्रोसेफलस की सफल सर्जरी

जमशेदपुर। नारायणा हॉस्पिटल, तामोलिया, जमशेदपुर में 13 दिन के शिशु की मस्तिष्क रक्तस्राव (इंट्राक्रेनियल हेमरेज-आईसीएच) और विशाल हाइड्रोसेफलस की सफल सर्जरी की गयी। इस जटिल सर्जरी को न्यूरोसर्जन डॉ. राजीव महर्षि ने अंजाम दिया, जिनका साथ सीनियर एनेस्थीसियोलॉजिस्ट डॉ. उमेश प्रसाद और पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अन्वेषा मुखर्जी ने दिया। शिशु गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचा था। सर्जरी के बाद अब वह स्थिर स्थिति में है। विशेषज्ञों की टीम शिशु की रिकवरी पर नजर रखे हुए है, और परिवार ने अस्पताल के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। इस संबंध में शुक्रवार को साकची स्थित एक होटल में डॉ. राजीव महर्षि ने कहा कि हम इस ऑपरेशन के परिणाम से बहुत खुश हैं। इतने छोटे रोगी पर सर्जरी करना सटीकता और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, और हम उस टीम वर्क और देखभाल पर गर्व करते हैं जिसने इस सफल परिणाम को संभव बनाया। शिशु अब स्थिर स्थिति में है, और हम शिशु के स्वस्थ होने और भविष्य के विकास के बारे में आशावान हैं।

डॉ. उमेश प्रसाद ने कहा कि इतने छोटे शिशु के लिए न्यूरोसर्जरी में एनेस्थीसिया देना बहुत महत्वपूर्ण होता है और इसके लिए विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। सर्जरी के बाद, शिशु को नवजात गहन चिकित्सा इकाई में डॉ. अन्वेषा मुखर्जी के अध्यक्षता में रखा गया ताकि किसी भी जटिलता के संकेतों की जांच की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि मस्तिष्क की ठीक से रिकवरी हो रही है।

फैसिल्टी डायरेक्टर विनीत राज ने कहा कि पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी में इस मील के पत्थर को हासिल करना हमारे हॉस्पिटल की उत्कृष्टता की संस्कृति और हमारी टीम की पेशेंट केयर के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने डॉ. महर्षि और उनकी सहयोगी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दिया। बच्चे के परिवार वालों ने बताया की हम डॉक्टरों और स्टाफ का शिशु की जान बचाने के लिए जितना धन्यवाद करें कम है। उनकी कौशल और दयालुता ने हमें हमारे बच्चे के भविष्य के लिए आशा दी है। मालूम हो कि बच्चा, हॉस्पिटल में बहुत ही कमजोर स्थिति में आया था, जिसमें मस्तिष्क में बढ़ते दाब के गंभीर लक्षण थे। तत्काल जांच के बाद, चिकित्सा टीम ने बच्चे को वेंटिलेशन पर रखने और तुरंत सर्जरी करने का निर्णय लिया ताकि बच्चे का जीवन बचाया जा सके और न्यूरोलॉजिकल क्षति को रोका जा सके।

अनुसूचित जनजाति आयोग की हुई बैठक

रांचीः शुक्रवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की बैठक होटल बीएनआर चाणक्य में आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा और निरुपम चाकमा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें मुख्य रूप से बोकारो स्टील प्लांट से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। 22 अगस्त को एससी/एसटी एमलोईज एसोसिएशन ने आयोग के समक्ष बोकारो स्टील प्लांट से संबंधित कई विषयों पर आपत्ति जताई थी। इस बैठक में बोकारो स्टील प्लांट के चेयरमैन व निदेशक उपस्थित नहीं हुए थे। एनसीएसटी की ओर से उन्हें समन जारी किया गया था। इसके बाद उन्होंने दिल्ली स्थित आयोग के कार्यालय में उपस्थित होकर माफी मांगी थी। शुक्रवार को आयोग की बैठक में बोकारो स्टील प्लांट से संबंधित इन विषयों पर चर्चा की गई और बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों से जवाब मांगा गया।

बोकारो स्टील प्लांट के लिए 26,908.56 एकड़ जमीन अधिग्रहण किया गया था, जिससे 49 गांव प्रभावित हुए थे। इन विस्थापितों को मुआवजा मिला या नहीं, इसकी जानकारी भी बोकारो स्टील प्लांट के पास नहीं है। प्लांट के अधिकारी ने बताया कि 17844 लोगों को नौकरी दी गई है। आयोग की ओर से एसटी कर्मियों की सूची व विस्तृत रिपोर्ट की मांग की गई।

बोकारो स्टील प्लांट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में एक भी एसटी अधिकारी नहीं हैं।

बोकारो स्टील प्लांट स्थापित करने के बाद शेष खाली जमीन पर 18 स्कूल व दुकान चलाए जा रहे हैं। प्लांट के कर्मियों को भी लीज पर जमीन दे दी गई है। प्लांट स्थापित करने के लिए जिन लोगों से जमीन ली गई, उन्हें 1956 से 1981 तक मुआवजा मिला। जिनकी जमीन ली गई उन्हें कुछ नहीं मिला। ठेका करने वाले भी स्थानीय लोगों को काम पर नहीं रखते हैं।

बैकलॉग में एसटी की रिक्ति नहीं है। एसटी कर्मियों को प्रोमोशन भी नहीं मिला है। डिप्लोमा डिग्री वाले अभ्यर्थियों का कंबाइंड एक्जाम लिया जाता है। रोस्टर ऑनलाइन नहीं है। डीपीसी चयन प्रक्रिया के लिए लाइजनिंग ऑफिसर के पास कोई जानकारी नहीं है।

बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन के पास विदेश प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। कौशल प्रशिक्षण के नाम पर मात्र एक आइटीआइ है, जिसमें 300 विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों में एसटी की संख्या क्या है, इसकी जानकारी उनके पास नहीं है। आयोग की ओर से उन्हें निर्देश दिया गया है कि संस्थान में पढ़ रहे विद्यार्थियों का 50 प्रतिशत का प्लेसमेंट होना चाहिए।

सीएसआर के नाम पर बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारी ने आयोग के समक्ष गोलमोल जवाब दिया। आयोग की ओर से उन्हें निर्देश दिया गया कि सीएसआर के तहत विस्थापितों के बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्किल डेवलमेंट व पोषण से संबंधित लाभ उपलब्ध कराएं। बोकारो स्टील प्लांट के जिस खाली जमीन पर स्कूलों का संचालन किया जा रहा है, उसमें विस्थापितों के बच्चों को भी लाभ मिले। उन्हें स्कूल फीस में छूट मिलना चाहिए।

कांडी प्रखंड में चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन

रांचीः कांडी प्रखंड में ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष और बिश्रामपुर-मंझिआंव विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी ब्रह्मदेव बी.डी. प्रसाद के नेतृत्व में चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन हुआ, हालांकि वह स्वयं इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं थे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनके बड़े भाई और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेंद्र प्रसाद ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की उपस्थिति में यह आयोजन मंच के प्रति अटूट समर्थन का प्रमाण बना।

महेंद्र प्रसाद ने अपने उत्साहपूर्ण संबोधन में कहा, "हमारा उद्देश्य क्षेत्र के हर नागरिक को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, और शिक्षा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, विकास की गति को दोगुना किया जाएगा ताकि क्षेत्र के हर नागरिक को इसका लाभ मिल सके। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे क्षेत्र की महिलाएं और बेटियां अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और उन्हें सम्मान और अवसर मिलें। साथ ही, आधारभूत सुविधाओं की कमी को दूर करना हमारी प्राथमिकता होगी, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं मिल सकें।"

विकास का संकल्पः सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकता समारोह में शिव प्रसाद गुप्ता, गोरखनाथ चौधरी, मानिक राय, संजय गुप्ता, चंदन गुप्ता, अमर प्रसाद, और हिमालय प्रसाद जैसे प्रमुख नेता भी उपस्थित थे। उन्होंने क्षेत्र के विकास और जनता के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर अपने विचार साझा किए।

गोरखनाथ चौधरी ने कहा, "नावा, पांडू, मंझिआंव, कांडी, बिश्रामपुर जैसे क्षेत्रों में चले जाइये सड़कों की स्थिति चिंताजनक है। कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन मौजूदा विधायक इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने विकास के नाम पर सिर्फ अपने परिवार और संबंधियों के लिए बड़े-बड़े कॉलेज बनाए हैं, ग्रामीणों के लिए कुछ भी नहीं किया। यदि इन कॉलेजों को अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित किया जाता, तो न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ता, बल्कि क्षेत्र का समग्र विकास भी होता।"

साथ ही कहा कि "पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र को एक चारागाह के रूप में देखा। दोनों ही मंत्री बने, लेकिन लूटने के अलावा कुछ नहीं किया। अगर सही कदम उठाए गए होते, तो आज क्षेत्र की महिलाएं और बहनें गढ़वा, डाल्टनगंज, रांची या राज्य से बाहर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नहीं जातीं।"

इस भव्य आयोजन में क्षेत्रीय नागरिकों की भी भागीदारी उल्लेखनीय रही। कई स्थानीय नागरिकों ने इस सफल आयोजन में सहयोग दिया, जिससे यह दिन एक ऐतिहासिक क्षण बन गया।

मासिपीड़ी बंडासिंघा पथ में बरसोती नदी पर किया जाएगा पुल का निर्माण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मासिपीड़ी बंडासिंघा पथ में बरसोती नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा। ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल हजारीबाग ने पुल निर्माण कार्य की योजना को तैयार किया है। लगभग तीन करोड़ 88 लाख खर्च होंगे। विभागीय कार्यालय अनुसार निविदा प्रक्रिया चार अक्टूबर से शुरू है। 14 अक्टूबर 2024 तक निविदा प्रक्रिया पूरा होगा।निविदा खोलने की तिथि 15 अक्टूबर शाम पांच बजे तक है। संवेदक को कार्य आंबटित होने के बाद उसे 18 महीने में पुल निर्माण कार्य को पूरा करना है। पुल निर्माण कार्य होने से आस-पास गांव के ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा।लंबे समय से ग्रामीण पुल निर्माण कार्य की मांग कर रहे थे। इसको लेकर बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव व सांसद को आवेदन दिया गया था।

चोरदाहा पंचायत की मुखिया अर्चना हेंब्रम ने पति को पाने के लिए विधायक आवास में जड़ा ताला

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण : प्रखण्ड के चोरदाहा पंचायत की मुखिया अर्चना हेंब्रम कोर्ट मैरेज करने के बाद भी पति को पाने के लिए दर दर भटक रही है।न्याय की गुहार लगा रही है। पर अबतक न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसे देखकर अब आदिवासी समाज भी अर्चना हेंब्रम के पक्ष में उतर कर सैकड़ो की संख्या में चौपारण पहुंच कर विधायक आवास में ताला बन्दी कर धरने पर बैठ गए।

यह खबर सुनते ही आनन फानन में नए डीएसपी अजित कुमार विमल प्रभार लेने के तुरंत बाद ही विधायक आवास पहुंचे। साथ में थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश भी पहुंचे और मुखिया को न्याय के प्रति आश्वसत किया।

डीएसपी श्री विमल ने 15 दिनों के अंदर आरोपी पति सहित अन्य की गिरफ्तारी की बात कही। साथ ही कहा कि यदि वो फिर भी गिरफ्त से बाहर रहता है तो ढोल नगाड़े के साथ इश्तेहार चिपकाया जाएगा और अग्रेतर कारवाई होगी। उसके बाद आदिवासी समाज के लोग धरने से उठे और ताला खोला।

मौके पर विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला ने भी अधिकारीयों

से उक्त कांड पर प्राथमिकता के तौर पर कार्य करने को कहा। जानकारी हो कि मुखिया अर्चना हेम्ब्रम ने पति रवि यादव,ससुर ,सास,फुवा,ननद देवर, दामाद सहित अन्य के विरूद्ध मुकदमा दायर की है।पर अब तक न ही गिरफ्तारी हुई और न ही न्याय मिला।

मुखिया अर्चना हेमरोम ने बताया कि 22 दिसम्बर 2022 को रवि यादव के सहमति से कोर्ट मैरिज किए थे। उसके बाद मुझे घर नहीं ले गया। जिसके बाद 19/2/2024 को रवि के घर के पास धरने पर बैठी थी। तीन दिन तक धरने पर बैठने के बाद कुछ शर्तों के साथ मैं और मेरे पति रवि यादव राँची रहने चले गए। जहां से पति रवि यादव मुझे छोड़कर घर भाग गया और अपनाने से पति सास ससुर सभी इनकार कर रहे हैं।

मोदी कल्याण समिति की एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।बरकट्ठा बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को मोदी कल्याण समिति की एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। शुभारंभ महाराजा अहिवरन एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष शिव शंकर मोदी ने कि व संचालन निलकंठ मोदी ने किया।मुख्य अतिथि सुरेन्द्र भाई मोदी ने कहा कि हम सभी महराज अहिवरन के वंशज हैं इसे पहचाने की जरूरत है।उन्होंने समाज को संगठित होकर सामाजिक कार्यों में भाग लेने की अपील किया।कहा आज हमारे समाज के सैकड़ों लोग प्रशासनिक नौकरी में है लेकिन राजनीतिक पकड़ नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले कई सालों से भाजपा का झंडा ढोने का काम किया। बरकट्ठा विधानसभा में भाजपा हमें उम्मीदवार घोषित करें ताकि बरकट्ठा विधानसभा की सीट भाजपा की झोली में जाए। आज हमारा समाज राजनीतिक चर्चाओं में ज्यादा एक्टिव हैं लेकिन हमें पहले धरातल पर उतर कर काम करना है। मौके पर उपस्थित समाज के लोगों ने एक स्वर में सुरेन्द्र मोदी को भाजपा से बरकट्ठा विधानसभा का टिकट देने कि मांग किया।अगर भाजपा टिकट नहीं देती है तो मोदी वर्णवाल समाज इस पर आगे विचार करेगी। इस मौके पर चंदवारा प्रमुख मंजु देवी, संतोष कुमार रंजन, डॉ शालिनी, प्रेमलाल बर्णवाल, लखन लाल, लखन बर्णवाल, सूर्यदेव मोदी, ईश्वर मोदी, महेन्द्र मोदी, नंदलाल मोदी, बिरेंद्र मोदी, अजय कृष्ण, मनोहर मोदी, शंकर मोदी, सुरेन्द्र मोदी, केडी मोदी, रामकुमार मोदी, सुरज मोदी, अरूण मोदी, उमेश मोदी, महेश मोदी, बिमलेश मोदी, प्रदीप मोदी, अनील मोदी, कुमार मोदी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गैर सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक व अल्पसंख्यक विद्यालयों का आवंटन दुर्गा पूजा से पहले दे सरकार : अमीन अहमद

रांचीः झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने मांग करते हुए कहा है कि झारखंड राज्य के गैर सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक व अल्पसंख्यक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान के लिए आवंटन उपलब्ध कराया जाए। वर्ष का एक बड़ा त्योहार दुर्गा पूजा काफी निकट है, लेकिन महीनों से इन शिक्षकों व कर्मियों को वेतन नहीं मिला है। वेतन के अभाव में शिक्षकों, कर्मियों और उनके परिवार के महिलाओं और बच्चों में त्योहार की उमंग फीकी पड़ गई है। राज्य सरकार को इस ओर त्वरित ध्यान देने की आवश्यकता है।

संघ की ओर से अमीन अहमद ने इस संदर्भ में निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, झारखंड सरकार को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि राज्य के गैर सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों (अल्पसंख्यक सहित) के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए राज्य के कुल 13 जिलों को वेतन भुगतान के लिए आवंटन निर्गत की गई है, जबकि राज्य के अन्य 11 जिलों को वेतन भुगतान के लिए आवंटन अब तक अप्राप्त है। पश्चिमी सिंहभूम समेत कई जिलों से आवंटन की मांग प्रतिवेदन दिया गया है, लेकिन अब तक आवंटन जारी नहीं किया गया है।

केंद्रीय प्रवक्ता शहजाद अनवर ने कहा कि इसी माह से राज्य में कई महत्वपूर्ण त्योहारों का सिलसिला भी शुरू हो रहा है। कई एक जिलों में विगत तीन माह से वेतन भुगतान आवंटन के अनुपलब्धता के कारण नहीं हो सका है। इसलिए जल्द से जल्द विभिन्न जिलों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आवंटन उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।

नवपदस्थापित एसडीपीओ अजीत कुमार ने किया पदभार ग्रहण

संवाददाता सहबाज़ खान

हज़ारीबाग। बरही में नवपदस्थापित एसडीपीओ अजीत कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने स्थांतरित एसडीपीओ सुरजीत कुमार से प्रभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कि उनका प्रयास रहता है कि अपनी ड्यूटी के प्रति बेहतर कार्य करने के साथ - साथ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए। ताकि क्राइम के ग्राफ को गिराने में आमलोगों का सहयोग मिल सकें। ऐसा तभी हो सकता है जब हम सभी मिलजुल कर काम करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में विधि - व्यवस्था को चुस्त - दुरुस्त रखने के साथ शांति बनाए रखना उनकी प्राथमिकता के साथ आगामी विधानसभा चुनाव व दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना भी उनकी प्राथमिकता होगी। विदित हो कि नवपदस्थापित एसडीपीओ अजीत कुमार जमशेदपुर के मुसाबनी, रांची के कोतवाली एवं पाकुड़ में बतौर एसडीपीओ एवं सीआईडी में अपनी सेवा दे चुके है।

शहिद जीतराम बेदिया सेड निर्माण एवं चबूतरा का हुआ शिलन्यास

ओरमांझी(मोहसीन आलम):शहिद जीतराम बेदिया सेड निर्माण एवं चबूतरा का शिलान्यास सांसद मद से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने संयुक्त रूप से किया इस मौके पर रक्षा राज मंत्री ने कहा कि इस स्थल को खूबसूरत बनाना है ताकि राहगीर के साथ-साथ आम लोग भी यहां पर आराम कर सके इस अवसर पर जीत नाथ बेदिया,धनराज बेदिया,रामधन बेदिया,विनोद बेदिया,रमेश बेदिया,साईनाथ वेदिया रामविलास वेदिया शंभु वेदिया वुधराम वेदिया शंकर वेदिया कामेश्वर वेदिया अर्जुन वेदिया जितेन्द्र वेदियां महेश वेदियां चतुर साहू पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता अजय साहू प्रवेश भोक्ता तेजू प्रजापति राजकिशोर साहू रोहित साहू अमरनाथ भोक्ता बालकिशोर मुडा रविन्द्र मुंडा संतोष गुप्ता शशि मेहता विक्रांत तिवारी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

उद्यानिदेशालय, झारखण्ड, राँची
कृषि भवन, काँके रोड़, राँची–834008
(कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग)
Email ID-ddhranchi@rediffmail.com. Ph.No. 0651-2230691

रद्द पत्र (Cancellation)

निदेशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में Request for Proposal (RFP) setting up of project Management Unit (PMU) to provide Technical and Operational support for Implementation of various schemes under Directorate Of Horticulture & State Horticulture Mission हेतु प्रकाशित RFP- Horti/08/2023-24, PR No.- 321953 (Agriculture) 23-24*D को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

ह0/–
उप निदेशक उद्यान,
राँची

PR 338003 (Agriculture)24-25*D

कार्यालय कार्यपालक अभियंता,लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना
अल्पकालीन ई0 निविदा संख्या–WRD/MID/ Latehar/ F2 - 05/2024-25
पत्रांक– 634 लातेहार/दिनांक–04.10.24

क0 सं0	ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अभियुक्ति
1		3	4	5	6
1	01	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हुरमुण्डाटोली का चाहरदीवारी निर्माण, पंचायत–नेतरहाट, प्रखंड–महुआडाड़, जिला–लातेहार	8.837	3 माह	
	02	राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बाल निकेतन का चाहरदीवारी निर्माण, पंचायत– नेतरहाट, प्रखंड– महुआडाड़, जिला– लातेहार	8.754	3 माह	
	03	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पसेरीपाठ का चाहरदीवारी निर्माण, पंचायत–नेतरहाट, प्रखंड–महुआडाड़, जिला– लातेहार।श	10.238	3 माह	
2		ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाषित करने की तिथि	08.10.2024		
3		ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.10.2024 3.00 बजे अपराह्न तक		
4		बीड फीस एवं अग्रधन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.10.2024 3.00 बजे अपराह्न तक		
5		ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय	15.10.2024 5.00 बजे अपराह्न		
6		(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार। 9939182470		
7		ई0 प्रोक्योमेंट सेल एवं हेल्प लाईन संख्या	0651– 2214784		

नोटः– केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट–jharkhandtenders gov in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार

PR 338032 (Water Resource)24-25*D

21 खेल के 529 खिलाड़ियों के बीच बंटा 4.3 करोड़ का कैश अवॉर्ड

रांची : झारखंड खेल विभाग की ओर से शुक्रवार को डोरंडा के शौर्य सभागार में खिलाड़ी का सम्मान नकद पुरस्कार राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि खेलमंत्री मिथिलेश ठाकुर, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक संदीप कुमार ने खिलाड़ियों के बीच इनामी राशि का वितरण किया. इस समारोह में 21 खेलों में पदक जीतने वाले 529 खिलाड़ियों के बीच इनामी राशि का वितरण किया गया. खिलाड़ियों के बीच 4.3290 करोड़ रुपए की इनामी राशि का वितरण हुआ. दीपिका कुमारी, अंकित भकत, नारायण महतो, सिम्पा मिंज को 7-7 लाख रुपए की राशि दी गई. मौके पर खेल मंत्री ने झारखंड खेल प्राधिकरण के नए वेबसाइट का अनावरण भी किया. खेलमंत्री ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को हमेशा मदद करने की बात कही. उन्होंने कहा कि विभाग लगातार यह प्रयास कर रहा है कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिले. उन्हें समय पर खेल उपकरण और इनामी राशि का वितरण हो पाए. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खेल के विकास को लेकर प्रतिबद्ध हैं और वह हमेशा खिलाड़ियों के लिए बातें करते हैं. मौके पर रांची डीएसओ शिवेंद्र कुमार, रूपा रानि, खेल विभाग के अधिकारी, स्पोटर्स कोऑर्डिनेटर समेत सभी कर्मचारी और खिलाड़ी मौजूद रहे.

जस्टिस रत्नाकर भेंगरा हुए रिटायर, 1988 में वकील के रूप शुरू किया था करियर

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा शुक्रवार सेवा निवृत्त हो गए. शुक्रवार को हाईकोर्ट में उनका अंतिम कार्यदिवस था. अंतिम कार्यदिवस के मौके पर हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और एडवोकेट एसोसिएशन ने उन्हें यादगार विदाई दी. जस्टिस रत्नाकर भेंगरा ने वर्ष 1988 में न्यायिक क्षेत्र में वकील के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी. जिसके बाद वर्ष 2015 में उन्हें हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया था. वर्ष 2017 में जस्टिस रत्नाकर भेंगरा को हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त किया गया था. एडवोकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित विदाई समारोह में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस समेत अन्य जजों ने जस्टिस रत्नाकर भेंगरा को शुभकामनाएं दी. वहीं एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष और महासचिव ने उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्वल भविष्य की कामना की.

रांची के पूर्व अवर निबंधक राहुल कुमार चौबे के खिलाफ चलेगी विभागीय कार्यवाही

रांचीः राज्य सरकार ने तत्कालीन जिला अवर निबंधक रांची राहुल कुमार चौबे के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही चलाने का फैसला लिया है. राहुल चौबे फिलहाल निलंबित हैं और इनका मुख्यालय जिला अवर निबंधन कार्यालय हजारीबाग निर्धारित है. इनके विरूद्ध प्रतिबंधित सूची में दर्ज भूमि का निबंधन कराने का आरोप है. उपायुक्त रांची ने मार्च 2021 में इनके खिलाफ आरोप पत्र तैयार कर सरकार से कार्रवाई की अनुशंसा की थी. पूरे मामले में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था. इसकी समीक्षा करने के बाद डीसी रांची ने सरकार को अपना मंतव्य उपलब्ध कराया था. सरकार ने विभागीय कार्यवाही संचालन के लिए रिटायर आइएएस पदाधिकारी कमल जॉन लकड़ा को जांच संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया है. अपर समाहर्ता रांची को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया गया है. इस संबंध में राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

रांची पुलिस ने चेन स्नैचर्स को किया गिरफ्तार

रांचीः रांची पुलिस ने चार चेन स्नैचर्स को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार स्नैचर्स का नाम पंकज, दीपक, जफर खान और आनंद कुमार है. इन सभी की गिरफ्तारी पिठोरिया थाना इलाके से हुई है. राजधानी रांची में सभी चेन स्नैचर्स लोगों को निशाना बना कर चेन छिनतई की वारदात को अंजाम दे रहे थे. इसकी रोकथाम के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया जिसके बाद इन सभी की गिरफ्तारी हुई है. पुलिस ने छीने हुए चेन को भी बरामद किया है.

कांके टॉक्स का उद्घाटन राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ किया

रांचीः डीजीक्रो ने अपने बिलकुल नए पॉडकास्ट चैनल "कांके टॉक्स" का उद्घाटन किया। लॉन्च कार्यक्रम में राज्य रक्षा मंत्री श्री संजय सेठ की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके हाथों चैनल का उद्घाटन हुआ। पॉडकास्ट का विषय झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर आधारित "क्या खोया, क्या पाया" था, जिसकी मेजबानी डीजीक्रो के स्टूडियो में श्री अमित मोदी (डीजीक्रो के फाउंडर, डायरेक्टर) ने की, जहां श्री संजय सेठ ने झारखंड के अहम मुद्दों पर बात की, साथ–ही–साथ राष्ट्र निर्माण में रक्षा की भूमिका पर भी चर्चा की। कांके टॉक्स का उद्देश्य झारखंड के समस्याओं को उजागर करना और उनसे जुड़े समाधानों पर चर्चा करना है। कांके टॉक्स विभिन्न क्षेत्रों से विविध आवाजों को सामने लाना जारी रखेगा, तथा झारखंड के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करता रहेगा।

रांची को मिला पहला फ्लाईओवर, मुख्यमंत्री ने कहा- फ्लाईओवर की देखभाल सबकी जिम्मेदारी

रांचीः राजधानी रांची के लोगों को शुक्रवार को बहुत बड़ी सौगात मिली है. कोकर के शांतिनगर से बहु बाजार के पास योगदा सत्संग आश्रम तक बने फ्लाईओवर पर आवागमन शुरू हो गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2.24 किमी लंबी कांटाटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन किया. इस दौरान सीएम ने फ्लाईओवर से लोगों का अभिवादन किया. बता दें कि डीआरए इंफ्राकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण किया है. कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने 2,471.90 करोड़ की 27 योजनाओं का शिलान्यास और 792.10 करोड़ की चार योजनाओं का उद्घाटन भी किया.

योगदा सत्संग का सीएम ने जताया आभार

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रांची शहर की एक-एक इंच का महत्व है. यहां कुछ भी बनाना बहुत चुनौती भरा होता है. जब तक सबका सहयोग न मिले, कोई योजना धरातल पर उतारना कठिन हो जाता है. इस फ्लाईओवर के लिए प्रयास रहा कि कम से कम आम लोगों की जमीन ली जाए. फ्लाईओवर के निर्माण के लिए योगदा सत्संग ने भी अपनी कुछ जमीन दी है. इस सहयोग के लिए सीएम हेमंत सोरेन ने आभार जताया. सीएम ने कहा कि हम सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए. हम सभी मिलकर चीजें सुधार सकते हैं.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि पहाड़ी मंदिर में झंडा लगाने का हमलोगों ने परमिशन दिया था. आज उसकी वजह से पहाड़ी मंदिर खतरे में आ गया है. इसलिए कुछ भी करने से पहले वैज्ञानिक रूप से चीजों को समझना जरूरी है. आज यह फ्लाईओवर बना है. इसकी देखरेख करना सबकी जिम्मेदारी है. बिजली उपकरणों की चोरी नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि रांची शहर में कई फ्लाई ओवर प्रस्तावित हैं. कांटाटोली फ्लाईओवर के विस्तारीकरण का काम चल रहा है. सिरमटोली चौक से जो फ्लाईओवर बन रहा है और वह रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर से गुजरेगा. बहुत जल्द उसकी सेवा मिलने लगेगी.

हेमंत के बयान के बाद असहज हुई बीजेपी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैसे ही यह बयान दिया, उसके बाद मंच पर बैठे बीजेपी के दिग्गज नेताओं के बीच असहजता देखी गई. उन्हें लग रहा था कि वह कुछ बोलें. लेकिन मौका ऐसा नहीं था कि वह अपनी बात पब्लिक के सामने रख पायें. हेमंत सोरेन ने बहुत ही चालाकी से अपनी बात लोगों के बीच रख दी. यहां जानने वाली बात यह होगी कि रांची में बहुत दिनों के बाद एक ऐसा कार्यक्रम हुआ जिसमें नेता सदन और विपक्ष के कई दिग्गज मौजूद थे. इस बीच हेमंत सोरेन ने जिस तरह की की बात कह कर बीजेपी की चुटकी ली है, वह राजनीतिक गलियारे के अलावा तमाम लोगों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है.

करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

वहीं मौके पर मौजूद नगर विकास एवं आवास विभाग और पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने बताया कि कुल 3,260 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन हुआ है. कांटाटोली फ्लाईओवर के अलावा चार और फ्लाईओवर बनाए जाने हैं. सिरमटोली फ्लाईओवर बनने से मेकॉन से सीधे कांटाटोली तक रास्ता सुगम हो जाएगा. इसके अलावा हरमू और सहजानंद चौक के पास भी फ्लाईओवर बनेगा. धनबाद में मटकुरिया फ्लाई ओवर, जमशेदपुर में एक फ्लाईओवर और गोला-मूरी रोड बनेगा.

नगर विकास मंत्री हफिजुल अंसारी नदारद

आठ सालों से इस फ्लाईओवर का इंतजार लोग कर रहे थे. चुनावी सरगर्मी से पहले झारखंड सरकार ऐसी-ऐसी योजनाएं लेकर आ रही है जो बहुत ही लोकलुभावन है. इन सरकारी योजनाओं की तारीफ भी खूब हो ही है. लेकिन इन सभी योजनाओं के बीच पता नहीं झारखंड के नगर विकास मंत्री हफिजुल हसन को क्या हो गया है. इस फ्लाईओवर का इंतजार पूरी हंमेत सरकार कर रही थी, उस मौके पर फ्लाइओवर बनाने वाले विभाग के मंत्री ही नदारद रहे.

कार्यक्रम में ये भी थे मौजूद

कार्यक्रम में मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक राजेश कच्छप, विधायक कल्पना सोरेन समेत पथ निर्माण विभाग के अलावा संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे. कार्यक्रम में सूडा के डायरेक्टर अमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

सरकार मोरहाबादी मैदान को बड़ा करने के लिए सेना की जमीन को कहीं और हस्तांरित करने का प्रस्ताव भेजे : संजय सेठ

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची शहर के 18 लाख लोग लगातार बाट जोह रहे थे कि रांची की तकदीर और तस्वीर बदलनी चाहिए. हम सभी प्रयास कर रहे हैं कि रांची एक आदर्श राजधानी बने. नौ करोड़ की लागत से रांची, हटिया और पिस्कानगड़ी रेलवे स्टेशन का विश्वस्तरीय बनाने की योजना पर काम शुरू हुआ. मेरे आग्रह पर सोलिड वेस्ड का 40 करोड़ योजना का शिलान्यास किया गया. मुख्यमंत्री से आग्रह है कि ऐसे सॉलिड बेस्ड मैनेजमेंट अन्य शहरों में भी बने. ताकि शहर से निकलने वाले कचरे से ऑर्गेनिक खाद मिल सके. कहा कि पहाड़ी बाबा और जगरन्नाथ मंदिर का सौंदर्यीकरण होगा. पहाड़ी मंदिर पहाड़ नहीं, मिट्टी का टिला है. उसका 5 करोड़ में सौंदर्यीकरण होगा. रांची को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का प्रयास किया जा रहा है. सेना की जमीन 72 एकड़ जमीन खाली है. वह जमीन जल्द से जल्द एयरपोर्ट को मिल जाये. रांची का मोरहाबादी मैदान ऐतिहासिक है. राज्य सरकार सेना के लोगों को कहीं और जमीन मुहैया कराये ताकि मैदान बड़ा हो जाये. अगर सरकार ऐसा प्रस्ताव भेजती है तो हम उसे अनुमोदन करा देंगे.

7 साल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी, रांची व राउरकेला में होंगे मुकाबले

रांचीः भारतीय हॉकी को बड़ा बढ़ावा देते हुए, हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 7 साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक वापसी करने के लिए तैयार है. शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एचआईएल की घोषणा की गई. एचआईएल 2024-25 में 8 पुरुषों की टीमें और 6 महिलाओं की टीमें शामिल होंगी, यह पहली बार होगा कि एक स्टैंडअलोन महिला लीग पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी. एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरूआत महिला एथलीटों को अपना कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है. बता दें कि एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी. प्रत्येक फ्रेंचाइजी 24 खिलाड़ियों की एक टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे

शामिल होंगे. यह संतुलित दृष्टिकोण प्रतिस्पर्धा में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा जोड़ते हुए स्थानीय प्रतिभा को पोषित करने के लिए डिजाइन किया गया है. एचआईएल 2024-25 के मैच दो स्थानों – मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, रांची, झारखंड और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम, राउरकेला, ओडिशा में खेले जाएंगे. जिसमें महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी 2025 को रांची में और पुरुषों का फाइनल होगा फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा. प्रत्येक मैच का परिणाम एक विजेता होगा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक मुकाबला निर्णायक रूप से समाप्त हो, बराबरी वाले खेलों के लिए शूटआउट की व्यवस्था की जाएगी.

पुरुषों की फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1. चेन्नई – चार्ल्स ग्रुप
2. लखनऊ – यदु स्पोर्ट्स
3. पंजाब – जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
4. पश्चिम बंगाल – श्राची स्पोर्ट्स
5. दिल्ली – एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
6. ओडिशा – वेदांता लिमिटेड
7. हैदराबाद – रेसोल्यूट स्पोर्ट्स
8. रांची – नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

महिला फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1. हरियाणा – जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
2. पश्चिम बंगाल – श्राची स्पोर्ट्स
3. दिल्ली – एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
4. ओडिशा – नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड.

झारखंड प्रशासनिक सेवा के 103 पदाधिकारियों को अपर समाहर्ता कोटि में प्रमोशन

रांची : झारखंड सरकार ने 28 सितंबर 2024 को संपन्न विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक के अनुशंसा के आलोक में झारखंड प्रशासनिक सेवा के 103 पदाधिकारी को अनुमंडल पदाधिकारी एवं समकक्ष कोटि से अपर समाहर्ता समकक्ष कोटि में पुनरीक्षित वेतनमान pv3 15600, 39100 ग्रेड पे 7600 में प्रोन्नति प्रदान की है. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

सुधीर कुमार दास संजय पीएम कुजूर ,गौरांग महतो ,संजीव कुमार, वैभव कुमार सिंह, सुशील कुमार रंथु महतो, हीरा कुमार सुरेंद्र कुमार , जितेंद्र कुमार यादव, विष्णु देव कश्यप ,अरविंद कुमार, ओझा कुमार ,अभिनव स्वरूप, अविनाश पूर्णेन्दु ,शैलेश कुमार, रवीश राज सिंह , प्रभास कुमार दत्ता ,गिरजा शंकर महतो, श्वेता वेद ,श्वेता कुमारी, ज्ञान शंकर जायसवाल ,ओमप्रकाश मंडल, प्रभात रंजन चौधरी ,संध्या मुंडू, अब्दुस समद इत्यादि.

स्पर्श स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़की ने पूछताछ करने के दौरान उगले कई राज, शारीरिक संबंध बनाने से कर रही थी परहेज इसलिए जान देने को थी आतुर

रांचीः राजधानी रांची में इन दिनों स्पा सेंटर का कारोबार बड़े पैमाने पर फल फूल रहा है. स्पा सेंटर के आड़ में देह व्यापार का कारोबार धड़ल्ले से जारी है. बीते कई दिनों से रांची पुलिस इस मामले का खुलासा कर रही है लेकिन इसके बावजूद राजधानी रांची में स्पा सेंटर में देह व्यापार का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला सुखदेव नगर थाना इलाके की है जहां पर स्पर्श स्पा सेंटर में देह व्यापार का कारोबार चल रहा था. स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़कियों से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जाता था. स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़की से पुलिस ने गहनता से पूछताछ की तो उन्होंने कई राज उगले हैं, जिसके बाद पुलिस ने छानबीन तेज कर दी है. पुलिस की पूछताछ में स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़की ने बताया कि शारीरिक संबंध बनाने का लगातार दबाव बनाया जा रहा था, जिसके कारण मैं मानसिक रूप से परेशान चल रही थी, इसी

वजह से छत से कूद कर आत्महत्या करने का प्रयास किया. इस मामले में सुखदेव नगर थाने की पुलिस ने स्पर्श सेंटर के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है. सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया कि कल मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और लड़की को पूछताछ के लिए थाना लाया गया था. थाने में महिला पुलिस अधिकारियों ने लंबी पूछताछ की जिसके बाद उन्होंने कई अहम जानकारियां दी है, जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है और संचालकों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.

कांग्रेस पार्टी ने जनसंवाद अभियान लक्ष्य-2024 की शुरुआत राज्य के पांचों प्रमंडल में शुरू कर दी

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा विगत 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के शुभ अवसर पर झारखंड में आसन्न चुनाव की शंखनाद कांग्रेस ने की है, जिसके तहत जनसंवाद अभियान लक्ष्य-2024 की शुरुआत शुक्रवार से राज्य के पांचों प्रमंडल में शुरू कर दी गई है। जनसंवाद अभियान लक्ष्य-2024 के तहत प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश के उपरांत प्रदेश चुनाव अभियान समिति के चेयरमैन सुबोधकांत सहाय ने पांच प्रमंडलों में छह टीम का गठन किया। पांच

प्रमंडल में यह छह टीम जनसंवाद लक्ष्य 2024 को लेकर नुक्कड़ सभा, जनसभा, जनता से सीधी संवाद करने का काम शुरू किया है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि प्रथम चरण में कोल्हान प्रमंडल के लिए जहां स्वयं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बागडोर संभाली वहीं पलामू प्रमंडल के लिए कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव, उ. छोटानागपुर प्रमंडल के लिए चुनाव अभियान समिति के चेयरमैन सुबोधकांत सहाय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, दक्षिणी छोटानागपुर के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू और संथाल परगना के लिए सुखदेव भगत, सांसद, को जिम्मा दी गई है। जिस कडी में आज बोकारो, रामगढ़, मनिका, रांची जिला के कांके और हटिया विधानसभा में चुनावी शंखनाद की शुरूआत हो गई है और कल 05 अक्टूबर को चाईबासा, जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग, सिमडेगा, कोलेबिरा, डालटेनगंज आहूत की जाएगी।

रांची जिला के कांके में उरूगुटू, बुडमू और हटिया विधानसभा के रातू और नगड़ी में जनसंवाद अभियान -2024 को संबोधित करते हुए डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि झारखंड में डेढ दशक से ज्यादा सत्तासीन रहने के दौरान भाजपा ने इस राज्य को खोखला कर दिया। झारखंड के जल जंगल और जमीन को पूंजीपतियों हवाले कर यहां के संसाधनों को लूटवाने का काम किया और आदिवासी दलित, ओबीसी को भूखा मरने को छोड़ दिया। हमारी महागठबंधन की सरकार ने राज्य की बेटियों को आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए मंईया सम्मान योजना लाया। हमने इस योजना के तहत 1000 रू. बैंक खाता में डालने का काम किया इससे भाजपा बेचौन हो गई और इस योजना को बंद करवाने के लिए अदालत तक चली गई। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में पूरे देश के धन कुबेरों को लगई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन काल में बाबूलाल मरांडी के मुख्यमंत्री रहते हुए ओबीसी आरक्षण सीमा को 27 से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया आज भाजपा ओबीसी के हितैशी बन रही है।

शराब तस्करों ने एसएसबी जवानों को लाठी-डंडे से पीटा : भारत-नेपाल बॉर्डर पर जवानों के रोकने पर भड़के

मोतिहारी. मोतिहारी में शराब तस्करों ने एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) के दो जवानों के साथ मारपीट की है। एसएसबी जवान के साथ मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ बदमाश ने जवानों को घेर रखा है। उनके साथ बदसलूकी करते हुए लाठी-डंडे से पीट रहे हैं। भीड़ सादी वर्दी में खड़े जवान को खींचकर ले जाती भी दिख रही है। वीडियो में तस्करों की आवाज भी आ रही है। जिसमें वो कह रहे हैं कि रोकने की हिम्मत कैसे हुई। घटना 2 अक्टूबर की कुंडवा चैनपुर बॉर्डर की है। दो दिन बाद इसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। एसएसबी के दोनों जवान सीतामढ़ी के बैरगनिया में पोस्टेड हैं। दोनों सिविल ड्रेस में कुडवा चैनपुर के पास बॉर्डर पार कर रहे थे। इसी दौरान दो नेपाली शराब तस्कर बाइक पर शराब लेकर बॉर्डर पार करने की कोशिश कर रहे थे। तभी दोनों जवानों ने तस्करों को टोका। उनसे कहा कि दोनों एसएसबी के जवान हैं और शराब तस्करी से रोका। इसके बाद नेपाली तस्करों ने अपने लोगों को बुला लिया। करीब 8 लोगों ने दोनों जवानों को घेर लिया और लाठी-डंडे से पीटने लगे। भीड़ के बीच फंसा जवान छोड़ देने की गुहार लगाता रहा, लेकिन भीड़ ये कहती रही कि इधर आने की हिम्मत कैसे हुई। मामला बढ़ता गया। जिसके बाद स्थानीय लोग जुटने लगे। जिसके बाद शराब तस्कर वहां से भाग निकले। सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार ने बताया कि सिविल ड्रेस में SSB जवान को देख शराब तस्करों ने झुंड बनाकर लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वहीं मौजूद किसी युवक ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया। इस मामले में कुडवा चैनपुर थाना में 8 नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नवादा कांड पर हाई कोर्ट ने लिया संज्ञान

पटना. पटना हाई कोर्ट ने नवादा में हुई अगलगी की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को सुनवाई की। करीब 80 दलितों के घर को जला दिया गया था। चीफ जस्टिस के. विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई की गई। उक्त मामले में खंडपीठ ने राज्य सरकार को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के महाधिवक्ता पीके शाही ने बताया कि घटना के बाद तुरंत कार्रवाई की गई। 24 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। पुनर्वास, भोजन-पानी समेत अन्य राहत सामग्रियों की भी व्यवस्था की गई। यहां तक की स्कूल की भी व्यवस्था की गई। कोर्ट में मुकदमा भी चल रहा है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 29 नवंबर को होगी।

पटना में आरजेडी एमएलसी के प्रतिनिधि को मारी गोली: गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

पटना. पटना में शुक्रवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े आरजेडी नेता को गोली मार दी। घर से पास ही अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। आनन-फानन में परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान आरजेडी एमएलसी कार्तिकेय सिंह के प्रखंड प्रतिनिधि अजय कुमार के तौर पर हुई है। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के जीजे कॉलेज मार्ग की है। अजय कुमार के भतीजे मोहित ने बताया कि 'गोली की आवाज सुनकर हम लोग घर से बाहर निकले। इस बीच बाइक सवार अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से चाचा को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।' एमएलसी प्रखंड प्रतिनिधि के साथ दयालपुर दौलतपुर पंचायत समिति के प्रतिनिधि भी हैं।

आईटीआई में 4 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण

समस्तीपुर. समस्तीपुर के मोरदीवा गांव स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 4 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया। इस नए भवन के निर्माण कार्य का स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने फीता काट कर शिलान्यास किया। जिसमें 23 ट्रेड में टाटा टेक प्रशिक्षण देगी। मौके पर विधायक ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में आईटीआई है। वहां से प्रत्येक साल हजारों युवा प्रशिक्षित होकर निकल रहे हैं। लेकिन, रोजगार पाने वालों का प्रतिशत कम है। नए दौर के मांग के अनुरूप कोर्स न होने के कारण तमाम युवा रोजगार से वंचित हो रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए टाटा की ओर से प्रदेश के हर जिले में चार-चार करोड़ रुपए की लागत से दो-दो आईटीआई का निर्माण करवाया जा रहा है। जिले की सरकारी आईटीआई परिसर में ही इसका निर्माण हो रहा है। प्रत्येक आईटीआई में पढ़ाने के लिए टाटा की ओर से दो-दो प्रशिक्षक रहेंगे। इसके अलावा आईटीआई के चार-चार शिक्षकों को पिछले दिन नए कोर्स का प्रशिक्षण दिया गया है। सभी संस्थानों के लिए टाटा की ओर से इलेक्ट्रिक वाहन, कंप्यूटर, रोबोट, मशीन आदि उपकरण प्रैक्टिकल के लिए भेजे गए हैं।

भाजपा विधायक पूजा समितियों को दे रहे रामायण और तलवार: बोले-ऋषि पद्धति को बढ़ा रहे आगे

सीतामढ़ी. सीतामढ़ी में नवरात्र के शुरू होते ही नगर विधायक मिथिलेश कुमार घूम-घूम कर पूजा समिति के सदस्यों को तलवार और रामायण भेंट कर रहे है। इसको लेकर विधायक मिथिलेश कुमार ने कहा कि समाज में शस्त्र और शास्त्र दोनों की जरूरत है। इसलिए सभी पूजा समितियों को तलवार और रामायण देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि तलवार हिंसा के लिए नहीं बल्कि ऋषि पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए दिया जा रहा है। प्राचीन काल में महान ऋषी मुनियों ने अपनी कठिन तपस्या और साधना से शस्त्रों का निर्माण किया था। संसार और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र को फिर भेंट किया था। भगवान शिव ने भी अर्जुन को शस्त्र दिया था। उन्होंने पौराणिक ग्रंथ का हवाला देते हुए कहा दोनों की महत्ता के बारे में विस्तार से लोगों को बताया। इस मामले को लेकर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी रिएक्शन दिया है। उन्होंने शुक्रवार को पटना में कहा कि यह कोई परंपरा नहीं है। लोकल संस्थाओं ने अपनी बात रखी होगी। विधायक से लोकल स्तर पर संस्थाओं ने कुछ मांग की गई होगी, जिसे उन्होंने पूरा किया होगा।

धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन की जयंती

कटिहार. कटिहार में अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट की ओर से शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसके साथ ही महा आरती का भी आयोजन किया गया। शहर में उन्होंने भव्य शोभा यात्रा भी निकाला। संस्था के अध्यक्ष विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, सचिव सुरेश अग्रवाल और मेयर उषा देवी अग्रवाल के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। अग्रसेन भवन में महाराजा अग्रसेन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए विधान पार्षद ने कहा कि महाराजा अग्रसेन सही मायने में समाज सुधारक थे। उनके शासनकाल में नवागंतुक को 1 और एक ईंट देने की व्यवस्था की गई थी। ताकि वे अपना आशियाना बना सके और व्यापार कर सकें। सचिव सुरेश ने कहा कि सेवा भाव ही अग्रवाल समाज का मूल मंत्र है। वे सेवा और समर्पण के प्रतीक थे। मेयर उषा देवी ने कहा कि उन्होंने बली प्रथा का विरोध किया था। मौके पर दिलीप बंसल, श्यामलाल अग्रवाल, राजकुमार, राजेश अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

पत्थर तोड़ने के दौरान पहाड़ खिसका, 4 लोग दबकर घायल:शेखपुरा में एक पोकलेन, ट्रक क्षतिग्रस्त

शेखपुरा. शेखपुरा में शुक्रवार को चेवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत चकंदरा स्थित पहाड़ में पत्थर तोड़ने के दौरान पहाड़ में खिसकने से मलबे के नीचे दबकर 4 लोग बुरी तरह घायल हो गए। पत्थर तोड़ने के कार्य में लगे पोकलेन मशीन और वहां मौजूद एक ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल के अलावा एक को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। घायलों में दो की हालत नाजुक रहने के कारण एक घायल को हायर सेंटर पीएमसीएच, दूसरे घायल को पावापुरी रेफर कर दिया गया। घायलों की हालत नाजुक बताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राहुल कुमार सिन्हा और एसडीपीओ अरविंद कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सूत्रों ने बताया कि नटराज कंस्ट्रक्शन कंपनी का प्लांट इस पहाड़ में है। कंपनी को पत्थर तोड़ने का पट्टा सरकारी तौर पर मिला है। कंपनी द्वारा आज पहाड़ से पोकलेन के माध्यम से पत्थर तोड़ने का कार्य शुरू किया गया था। उसी दौरान अचानक पहाड़ का धसान नीचे सरक गया, जिसके मलबे के नीचे पोकलेन और एक ट्रक दब गया।

सीएम नीतीश का ऐलान-बाढ़ पीड़ितों को मिलेंगे 7-7 हजार रुपए: दुर्गा पूजा के पहले दिए जाएंगे पैसे; 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

पटना. बिहार में 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। शुक्रवार को सीएम नीतीश कुमार ने बाढ़ पीड़ितों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। बाढ़ पीड़ितों को 7-7 हजार रुपए दिए जाएंगे। दुर्गा पूजा से पहले ये राशि दिए जाने की बात कही जा रही है। 9 अक्टूबर को पैसे बाढ़ पीड़ितों के खाते में आ सकते हैं। सीएम ने आज दरभंगा में बाढ़ प्रभावित इलाके का हवाई सर्वे भी किया। वहीं शाम को पटना में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बैठक बुलाई गई है। इधर, मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर से 12 जिलों में बारिश होने की संभावना जताई है। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, नवरात्र के दूसरे दिन बिहार के 20 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो जाती है, लेकिन इस साल 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिहार के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। 15 अक्टूबर के बाद मानसून की विदाई हो सकती है।

सीएम ने दरभंगा में बाढ़ का जायजा लिया

नीतीश कुमार ने दरभंगा में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री पहले इंडोर स्टेडियम पहुंचे। जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार हो रहे फूड पैकेजिंग का जायजा लिया। उनके साथ आपदा प्रबंधन के सचिव, जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहें, जिन्हें सीएम ने जरूरी दिशा-निर्देश जारी किया। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री पहुंचाने का आदेश दिया है।

कोसी में पलटी 20 सवारियों से भरी नावः आपदा टीम ने सबको बचाया

सुपौल में शुक्रवार की सुबह सवारियों से भरी नाव कोसी में पलट गई। नाव में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे। हादसा किशनपुर थाना इलाके के पिरगंज ठाड़ी धत्ता के पास कोसी नदी में हुआ है। सूचना पर पहुंची आपदा मित्र की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई। समय रहते सभी लोगों को बचा लिया गया। जबकि दुर्घटनाग्रस्त नाव की खोजबीन जारी है। बताया जा रहा कि छोटी नाव (डेंगी) पर करीब 20 लोग सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इसी बीच अनियंत्रित होकर नाव पलट गई। किसनपुर थाना क्षेत्र में बाढ़ की चपेट में आने से पीरगंज से दुबियाही जाने वाली सड़क लगभग 20 फीट की दूरी में कटकर बह चुकी है। इसलिए लोग नाव के सहारे ही आवागमन कर रहे थे।

पास में गुजर रही थी आपदा मित्र की टीम

पानी का तेज बहाव होने की वजह से नाव पलटी है। आपदा मित्र मो. समीउल्लाह ने बताया कि कोसी क्षमता से अधिक लोग नाव पर सवार होकर आवागमन कर रहे थे। तेज धार होने के कारण नाव पलटी है। इस दौरान आपदा मित्र की टीम कटिंग होकर सुजानपुर स्थित बाढ़ राहत शिविर में जा रही थी। उन्होंने आंखों देखी घटना होते देखा। तुरंत बाद सहयोगी आपदा मित्र मो.आदम और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया। घटना की सूचना किसनपुर के अंचलाधिकारी और बीडीओ को दी गई। प्रशिक्षु डीएसपी सह किसनपुर थानाध्यक्ष नीतू सिंह ने बताया कि डेंगी नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे। सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए हैं।

मुजफ्फरपुर में राहत सामग्री नहीं मिली तो एनएच-77 को किया जाम

मुजफ्फरपुर में शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों और पुलिस के बीच लाठी-डंडे चले हैं। बताया जा रहा है कि यहां बाढ़ की वजह से लोगों के घर डूब गए हैं। ये लोग सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर एनएच-77 पर राहत सामाग्री और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। लोगों ने नेशनल हाई-वे को जाम कर दिया था। पुलिस इन्हें समझाने पहुंची तो लोग हटने को तैयार नहीं हुए। बताया जा रहा है कि भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया। घटना औराई प्रखंड के गोपालपुर के पास है। मुजफ्फरपुर में बाढ़ की वजह से कई लोगों के घर का पूरा सामान बह गया है। लोग मजबूर होकर ऊंचे स्थान और छत पर शरण लेने को मजबूर हैं। फूस के बने घर बह गए और पक्के मकान भी गिरने की कगार पर हैं। इधर, फूड पैकेजिंग भी पीड़ितों को नहीं मिल रही है। इसके कारण अब पीड़ित उग्र हो गए हैं। प्रशासन की तरफ से कोई मदद नहीं मिलने की वजह से गुस्साए लोगों ने बांस बल्ली लगाकर बीच सड़क पर टायर जलाया। लोगों ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रोड को जाम कर दिया। नाराज बाढ़ पीड़ितों ने इस दौरान पुलिस को खदेड़ा और पथराव किया। इसके साथ ही लाठी-डंडे से पुलिस पर हमला भी किया। इस घटना के बाद पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को भेजा जा रहा है।

मुज़फ्फरपुर में 25 से ज्यादा गांव डूबे, 3 लाख आबादी प्रभावित

नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हुई बारिश की वजह से मुजफ्फरपुर की नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया। गंडक, बूढ़ी गंडक और बागमती खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा, जिससे औराई और कटरा प्रखंड के 25 से अधिक गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। 3 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं। लोग मजबूर होकर छतों पर शरण लिए हुए हैं। बागमती, गंडक और बूढ़ी गंडक नदी के जलस्तर बढ़ने से औराई और कटरा प्रखंड के बकुची, मोहनापुर पतारी, हमदमा, गंगिया, माधोपुर, भवानीपुर, बासाघट्टा, बभमगमा समेत 25 से अधिक गांव में बाढ़ की स्थिति बन गई है। इन गांवों के घरों में 4 फीट पानी घुस गया है। इससे लोग अपने-अपने घर की छत पर रहने को मजबूर हैं। लोगों को कहीं घुटने तो कहीं कमर तक पानी से होकर आना-जाना पड़ रहा है। इसके साथ ही लोग मवेशियों के चारे की समस्या से भी जूझ रहे हैं। बागमती नदी का जलस्तर बढ़ने से कटरा प्रखंड में बकुची पीपा पुल के दोनों एप्रोच पथ पानी में डूब गए हैं। इससे आवाजाही ठप हो गई है। स्थिति यह है कि गांव की सड़कों पर नाव चल रही है। नाव की मदद से लोग मवेशियों के लिए चारा ला रहे हैं।

आइसक्रीम शॉप पर रेड, हिरासत में युवक-युवती:मुंगेर में कोतवाली थाना से 200 मीटर दूरी की घटना, स्थानीय बोले-पिता-बेटे सेक्स रैकेट चला रहे थे

मुंगेर. मुंगेर में आइसक्रीम की दुकान पर पुलिस ने रेड की है। वहां से आपत्तिजनक हालत में एक युवक और युवती को हिरासत में लिया गया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की दो नंबर गुमटी के पास की है। बताया गया कि यह जगह थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर है। मोहल्ले के लोगों ने ही शुक्रवार को पुलिस को बुलाया था। उनका आरोप है कि यहां आइसक्रीम शॉप की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा है। बताया गया कि यहां एक मकान में आइसक्रीम दुकान की आड़ में अवैध तरीके से दुकानदार युवक युवती को बुलाता था। यहां से सेक्स रैकेट चला रहा था। इसकी सूचना जब आसपास के लोगों को लगी तभी पहले

स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। दुकानदार ने उनकी बात नहीं मानी जिसके बाद शुक्रवार को पुलिस को बुलाकर मौके पर रेड कराया। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के बेकापुर निवासी पिता-बेटा दो नंबर गुमटी के पास एक मकान में आइसक्रीम की दुकान चला रहे थे। 6 महीने पहले ही शॉप खोली थी। वहीं पर एक माह से बाहर से युवक युवती को बुलाता था। जब इसकी सूचना आसपास के लोगों को लगी तो मोहल्ले वासियों ने इसका विरोध किया। दुकानदार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस तरह का धंधा यहां पर करोगे तो पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई करवाएंगे।

एक वीक पहले पिता-बेटे को पीटा गया था

स्थानीय महिला ने बताया कि एक सप्ताह पहले चेताया गया था। ऐसा मत कीजिए। विरोध के दौरान एक सप्ताह पहले ही मारपीट हुई है। ये दुकान पिता-बेटा दोनों चलाते हैं। उस वक्त दोनों को पीटा गया था जिस पर उन्होंने कहा था कि आगे से ऐसा नहीं करेंगे। आज फिर यहां युवक युवती मिले हैं। दुकानदार और आसपास के लोगों के बीच कई बार इस बात को लेकर झड़प भी हुई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि आज भी दुकानदार दुकान के अंदर एक युवक युवती को बुलाया था, जिसके बाद कोतवाली थाने की पुलिस को सूचना दी। घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से दुकान को सील करने की मांग की है। सदर डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि अभी-अभी इसकी जानकारी लगी है। जांच कर लेता हूं जिसके बाद ही आगे किसी प्रकार की जानकारी दी जाएगी।

स्मार्ट मीटर के विरोध मे बसपा ने दिया धरना: बक्सर में प्रदर्शनकारियों ने किया पैदल मार्च

बक्सर. बक्सर में स्मार्ट मीटर को लेकर बसपा ने जिला मुख्यालय के अंबेडकर चौक के पास एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बसपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना की अध्यक्षता अभिन्यू सिंह कुशवाहा ने किया है। बता दें कि शुक्रवार की दोपहर पुलिस चौकी से हाथ में झंडा लिए लोगों ने अंबेडकर चौक तक पहले पैदल मार्च किया। उसके बाद अंबेडकर चौक के पास पहले से लगाए गए टेंट में सभी बैठ कर सरकार के खिलाफ भाषण दिया। कहा गया कि अगर सरकार स्मार्ट मीटर लगाना बंद नहीं किया जाता है, तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। धरने में

शामिल बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव अभिमन्यु सिंह कुशवाहा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारे प्रदेश के नेता अनिल कुमार ने चार दिन पहले स्मार्ट मीटर के खिलाफ धरना प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसको लेकर आज हम सभी लोग धरने पर बैठे हुए है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल के नाम पर गरीबी का शोषण किया जा रहा है।उनके घरों में स्मार्ट मीटर जबरन लगाए जा रहे है, जो दो गुनी बेग से चल रहा है।

ऑनलाइन ड्रेस ऑर्डर किया, मंगेतर ने डांटा तो किया सुसाइडः लड़के ने कहा-मुझसे पूछे बिना क्यों खरीदा, फिर शादी से किया इनकार

बेतिया. बेतिया में एक युवती ने फोन पर मंगेतर से हुए विवाद के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। दरअसल, युवती ने 250 रु. में ऑनलाइन रेड कलर का ड्रेस ऑर्डर किया था। उसने गुरुवार को ये बात अपने मंगेतर को बताई, जिसके बाद दोनों में फोन पर ही लड़ाई होने लगी। मंगेतर ने युवती को फोन पर डांटते हुए कहा, अभी से ये हाल है तो शादी के बाद क्या होगा'। इसके बाद उसने युवती से शादी करने से इनकार कर दिया। अगले दिन यानी शुक्रवार को लड़के के पिता ने फोन कर दहेज के पैसे वापस ले जाने की बात कही, जिसके बाद लड़की ने आहत होकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। हालांकि,

मृतका के परिजनों की ओर से किसी तरह थाने में आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस का कहना है कि युवती के परिजनों के आवेदन पर FIR दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। घटना नवलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधियावा गांव की है।

13 मई को हुई थी इंगेजमेंट

21 साल की मृतक युवती का नाम अमीषा था। उसने 10वी तक ही पढ़ाई की है। अमीषा के चाचा प्रदीप कुमार प्रसाद ने बताया कि अमीषा की शादी शिकारपुर थाना क्षेत्र के हरदियाचौक निवासी जनक प्रसाद के बेटे नीतीश कुमार (23) उर्फ छोटू के साथ तय हुई थी। 13 मई को दोनों की इंगेजमेंट हुई, उसके बाद से दोनों एक दूसरे से बात करते थे। अगले साल 7 मार्च 2025 को शादी होने वाली थी। नीतीश की एक दुकान है, जिसमें वो बाइक के पाट्र्स को बेचता है। मृतका के परिजनों का कहना है कि अमीषा ने ऑनलाइन ड्रेस ऑर्डर किया था, जिससे नीतीश नाराज हो गया था। उसने फोन पर कहा, 'मुझसे पूछे बिना क्यों मंगाया है। अभी से ऐसा कर रही हो तो शादी के बाद क्या करोगी। इसी बात से नाराज होकर उसने शादी करने से इनकार कर दिया। फिर शुक्रवार को लड़के के पिता जनक प्रसाद ने भी फोन कर शादी करने से इनकार कर दिया और कहा कि जब बेटा ही शादी नहीं करना चाहता, तो हम क्या करें।

आगे बिहार-पीछे यूपी की नंबर प्लेट, मैडम का कटा चालान:इंश्योरेंस भी फेल था, बीडीओ बोलीं-जल्दबाजी में पुराना नंबर प्लेट रह गया

सहरसा. सहरसा के एक महिला सरकारी अधिकारी की गाड़ी पर दो अलग-अलग राज्यों की नंबर प्लेट लगी है। गाड़ी के आगे बिहार का रजिस्ट्रेशन नंबर (BR 06 DT 8204) और पीछे उत्तर प्रदेश का रजिस्ट्रेशन नंबर (UP 14 CJ 7708) है। ये सौर बाजार प्रखंड की बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी की पर्सनल गाड़ी बताई जा रही है। गाड़ी पर पीछे के शीशे पर बिहार सरकार लिखा है। आगे नंबर प्लेट के ऊपर प्रशासन प्रखंड विकास पदाधिकारी सौर बाजार सहरसा का बोर्ड भी लगा हुआ है। 2 अलग-अलग नंबर प्लेट वाली गाड़ी का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।अब इस मामले में बीडीओ की गाड़ी का 4500 रुपये का चालान काटा गया है। परिवहन

पदाधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि जांच में गाड़ी का इंश्योरेंस भी फेल पाया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बीडीओ नेहा कुमारी ने कहा कि 'पहले गाड़ी पर यूपी का नंबर था। बिहार लाने पर इसका रजिस्ट्रेशन चेंज करवाया था।मुजफ्फरपुर जिले से रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई किया। रजिस्ट्रेशन नंबर मिल भी गया। नया रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद गाड़ी डीटीओ भेजी थी। डीटीओ ऑफिस में गाड़ी के आगे वाला नंबर प्लेट तो चेंज कर दिया गया, लेकिन गाड़ी के पीछे लगी यूपी की नंबर प्लेट खुली ही नहीं। वहां इसे बाहर से खुलवाकर लाने के लिए कहा गया था। मुझे कार्यालय आना था, इसलिए जल्दबाजी में मैंने भी ध्यान नहीं दिया। गाड़ी कार्यालय के बाहर लगी थी। इसी दौरान किसी ने मेरी गाड़ी का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी ने बताया कि वो अपनी पर्सनल गाड़ी से आवास से दफ्तर आती हैं। क्षेत्र में जाने के लिए सरकारी गाड़ी का ही इस्तेमाल करती हैं।

बाइक-ट्रक की टक्कर में युवक की मौत

किशनगंज (बिहार). किशनगंज के दिघलबैंक थाना क्षेत्र के सोमनी हाट पदमपुर में बाइक और ट्रक की जोरदार टक्कर में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों द्वारा नजदीकी पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान दिघलबैंक के लहसुन डांगी वार्ड नंबर 13 के निवासी महफुल उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक व्यक्ति मालटोली गांव से कुछ सामान खरीदने के लिए लोहागर हाट जा रहा था।

4किमी तक पुलिस पर फेंकी शराब की बोतलें:जमुई में पीछा करने पर तस्करों ने किया हमला

जमुई. जमुई में उत्पाद विभाग की पुलिस ने शराब से लदे वाहन को पकड़ा है। 56 कार्टन विदेशी शराब को जब्त किया गया है। जबकि, शराब तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस से बचने के लिए इन्होंने शराब की बोतल से हमला कर दिया। बताया जाता है कि डुमरी चेक पोस्ट से लेकर पेलवाजन में करीब 4 किलोमीटर तक सड़क पर शराब की बोतल बिखरी थी। शुक्रवार की सुबह करीब 4 बजे झारखंड के देवघर की ओर से सिंगल स्टार लगे एक वाहन से शराब की खेप को लेकर तस्कर गुजर रहा था। जमुई -चकाई मुख्य मार्ग के डुमरी चेक पोस्ट पर तैनात उत्पाद पुलिस के जवानों ने बैरिकेडिंग लगाकर वाहन को रोकने का इशारा किया। तस्कर बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए भागने लगे। उत्पाद पुलिस ने 4 किलोमीटर तक वाहन का पीछा किया। तस्कर वाहन में छिपाकर रखें विदेशी शराब की बोतल को निकालकर उत्पादक पुलिस के वाहन पर फेंकने लगे। उत्पाद पुलिस ने सुबह सड़क पर पड़े शराब की बोतल और कार्टूनों को जमा किया, तो पता चला कि 56 कार्टून विदेशी शराब थी। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाते हुए शराब तस्कर वाहन लेकर भागने में सफल रहे। उत्पाद पुलिस ने बताया कि जिस वाहन से शराब की तस्कारी की जा रही थी, उस पर सिंगल स्टार लगा था।

माले का प्रदर्शन 5 दिन के बाद खत्म:समस्तीपुर में एसडीओ के आश्वासन के बाद समाप्ती

समस्तीपुर. समस्तीपुर में अलग-अलग मांगों को लेकर माले नेताओं ने प्रदर्शन किया। भाकपा माले और खेग्रामस बीते 28 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे थे। ताजपुर अंचल-प्रखंड पर शुरू अनिश्चित कालीन घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन शुक्रवार को सदर एसडीओ के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों की मांग दलित-गरीबों के जमा किये गये फॉर्म पर 72 हजार से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने, भूमिहीनों को वासभूमि, कच्चा मकान वाले को पक्का मकान देने, सरकारी जमीन पर बसे को पर्चा, महिलाओं

के समूह का लोन माफ करने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने और 2 सौ यूनिट बिजली फ्री देने, वृद्धावस्था, मोसमाती व दिव्यांग पेंशन 4 हजार रूपए करने, राशन में दाल-तेल-चीनी आदि शामिल करने, मनरेगा में लूट-भ्रष्टाचार को बंद करने, अधूरे और खराब पड़े मोटर जल मीनार को ठीक कर सभी वार्डों में पेय जलापूर्ति करने की है।

दंडाधिकारी ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

अनुमंडलाधिकारी दीलीप कुमार की पहल पर मजिस्ट्रेट के साथ 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आरओ सह दंडाधिकारी रोहन रंजन से मिलकर स्मार-पत्र पर वर्णित अपने मांगों को रखा। तमाम मुद्दे पर सहमति बनने के बाद दंडाधिकारी ने खुद आंदोलनकारियों को संबोधित कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया, जिस पर आंदोलनकारियों ने सहमति जताया।

5 दिनों तक जारी था धरना

प्रखंड, मनरेगा और अंचल कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। भाकपा माले नेताओं ने अपने हाथों में झंडे, बैनर और मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर जोर-जोर से नारा लगाया। फिर कार्यकर्ता धरना पर बैठ गये। मौके पर सभा का आयोजन किया गया। धरना की अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आय प्रमाण-पत्र, भूमि और आवास से संबंधित 548 फॉर्म भरकर 22 अगस्त को जमा किया था। लेकिन, आज तक प्रमाण-पत्र बनाना शुरू नहीं किया गया है। भूमि और आवास का फॉर्म भी पेंडिंग है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कार्यालय पर दलाल-विचौलिया का कब्जा है। अधिकारी मानमानी पर उतर आये हैं। नल-जल योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। दो नंबर टंकी, मोटर, पाईप का इस्तेमाल किया गया है। मोतीपुर वार्ड-27 का पेय जलापूर्ति महीने भर से बंद है। वार्ड-26 का भी मोटर जला हुआ है। प्राक्कलन की पूरी राशि उठाव के बावजूद दर्जनों नल जल अधूरा पड़ा हुआ है।

मार्क जकरबर्ग ने जेफ बेजोस को संपत्ति मामले में पीछे छोड़ा

वाशिंगटन (ईएमएस)। मार्क जकरबर्ग ने संपत्ति के मामले में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार गुरुवार को जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि से वे संपत्ति के मामले में अमेजन के बेजोस से 1.1 बिलियन आगे निकल गए। अब इस मामले में उनसे आगे केवल टेस्ला के एलन मस्क है। जिनकी संपत्ति जकरबर्ग से लगभग 50 बिलियन डॉलर अधिक है।मेटा के शेयरों में दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री के आंकड़े और एआई चैटबॉट को शक्ति देने वाले बड़े भाषा मॉडल की दिशा में कदम बढ़ाने के बाद 23 फीसदी की वृद्धि आई। कंपनी के शेयर गुरुवार को 582.77 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।

एप्पल भारत में खोलेगा 4 नए स्टोर, मेड इन इंडिया आईफोन 16 प्रो की बिक्री इसी महीने होगी शुरू

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में चार और स्टोर खोने जा रही है। नए स्टोर पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में खोले जाएंगे। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा, कंपनी जल्द अपने पहले 'मेड इन इंडिया' आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स भी पेश करेगी। एप्पल के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट (रिटेल) डेयरड्रे ओब्रायन ने कहा, हम अपनी नयी टीमें बना कर खुश हैं। हम भारत में और अधिक स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं। हम इस देश में अपने ग्राहकों के जुनून से प्रेरित हैं। बता दें कि एप्पल (एप्पल) ने अप्रैल 2023 में भारत में अपने पहले दो स्टोर दिल्ली और मुंबई में खोले थे। माना जा रहा है कि नए स्टोर अगले वर्ष खोले जा सकते हैं। बयान में कहा गया, एप्पल अब भारत में आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स समेत सभी आईफोन 16 मैन्युफेक्चर कर रहा है। एप्पल ने 2017 में भारत में आईफोन की मैन्युफेक्चरिंग शुरू की थी। एप्पल ने कहा कि भारत में बने आईफोन 16 प्रो और प्रो मैक्स जल्द ही हमारे स्थानीय ग्राहकों के लिए और दुनिया भर के चुनिंदा देशों में एक्सपोर्ट के लिए उपलब्ध होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, 'मेड-इन-इंडिया' आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स की सप्लाई इसी महीने शुरू होने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी स्थायी समिति के चुनाव कराने में दिल्ली के उपराज्यपाल की 'जल्दबाजी' पर सवाल उठाए

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के छठे सदस्य के चुनाव के वास्ते कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करने में उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से की गई अत्यधिक जल्दबाजी पर शुक्रवार को सवाल उठाया। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से कहा कि वह स्थायी समिति के अध्यक्ष पद का चुनाव तब तक न कराए जब तक वह (न्यायालय) 27 सितंबर को हुए स्थायी समिति चुनाव के खिलाफ महापौर शैली ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई न कर ले। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन से कहा, यदि आप एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए चुनाव कराते हैं तो हम इसे गंभीरता से लेंगे। पीठ ने कहा कि शुरुआत में वह इस याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं थी, लेकिन उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना द्वारा दिल्ली नगरपालिका अधिनियम की धारा 487 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने के निर्णय के कारण उसे नोटिस जारी करना पड़ा। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से कहा, यदि आप दिल्ली नगर निगम अधिनियम की धारा 487 के तहत कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करना शुरू करते हैं तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आप चुनावी प्रक्रिया में बाधा कैसे डाल सकते हैं। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से दो सप्ताह में जवाब मांगा और मामले की सुनवाई शीर्ष अदालत के दशहरा अवकाश के बाद निर्धारित की।

आधार कार्ड की तरह मिलेगा डिजिटल डीएल व रजिस्ट्रेशन कार्ड

ग्वालियर (ईएमएस)। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग अब ई-ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और वाहनों के ई-रजिस्ट्रेशन कार्ड (आरसी) जारी करेगा। इसके लिए विभाग ने अधिसूचना जारी की है। अब आधार कार्ड की तर्ज पर डिजिटल डीएल व रजिस्ट्रेशन कार्ड जारी होगा। यह आरटीओ के डिजिटल हस्ताक्षर और उनके एप्रूवल के बाद जारी होगा। दरअसल, स्मार्ट चिप कंपनी ने आरटीओ के डीएल व आरटी प्रिंट करने से इंकार दिया था, जिसके बाद विभाग ने यह व्यवस्था लागू की है। इस व्यवस्था से परिवहन विभाग हर माह करीब तीन करोड़ रुपए की बचत करेगा। सारथी पोर्टल के द्वारा नया ड्राइविंग लाइसेंस या रिन्यूअल के लिए आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आरटीओ द्वारा टेस्ट पास करने के बाद आवेदकों की फोटो खींची जाएगी और ऑनलाइन एप्रूवल मिलेगा। इसके बाद आवेदक के मोबाइल पर एक लिंक भेजी जाएगी, जिस पर क्लिक करके आईडी नंबर और जन्म तिथि भरनी होगी। इसके बाद आवेदक अपना ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल रूप में आधार कार्ड की तरह अपलोड कर सकेगा। यह सभी जगह कानूनी रूप से मान्य होगा।

अयोध्या में नर्मदा से आए शिवलिंग....मंदिर निर्माण जारी

अयोध्य (ईएमएस)। शारदीय नवरात्र के शुभ मुहूर्त में राम मंदिर के शिखर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके साथ रामलला की मूर्ति के साथ-साथ नर्मदा नदी से लाए गए पांच शिवलिंगों में से एक को मंदिर परिसर में बन रहे भव्य शिव मंदिर में स्थापित किया जाएगा। यह शिव मंदिर राम जन्मभूमि मंदिर के परकोटे के ईशान कोण (उत्तर पूर्वी कोने) पर तैयार हो रहा है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर महासचिव चंपत राय ने कहा, राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के समय शिखर बनकर तैयार नहीं हुआ था, क्योंकि तब मंदिर का ग्राउंड फ्लोर ही तैयार था। अब जब निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, तब अभिजीत मुहूर्त में शिखर निर्माण कार्य शुरू किया गया है। दर्शनार्थियों को केवल रामलला के दर्शन ही नहीं, बल्कि भगवान शिव के भव्य मंदिर में भी दर्शन का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि नर्मदा से आए पांच शिवलिंगों में से तीन का चयन कर इन्हीं में से किसी एक को शिव मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, राय ने बताया कि मार्च 2020 में टेंट से निकालकर राम लला को अस्थायी मंदिर में स्थानांतरित किया गया था। वर्तमान समय में हनुमान जी की एक प्रतिमा वहां विराजमान है। अब इस स्थान को सुरक्षित और दर्शनीय बनाने का निर्णय हुआ है, और यहां नियमित पूजन आरती और भोग राग की व्यवस्था होगी।

केजरीवाल ने 9 साल बाद सीएम आवास छोड़ाः आप सांसद के बंगले में शिफ्ट हुए; 17 सितंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था

नई दिल्लीः दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास खाली कर दिया है। वे शुक्रवार दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और दोनों बच्चों के साथ शिफ्ट हुए हैं। अशोक मित्तल और उनकी पत्नी ने सभी का अपने घर में स्वागत किया। मित्तल ने न्यूज एजेंसी से कहा कि केजरीवाल गेस्ट के तौर पर मेरे घर में शिफ्ट हुए हैं।

केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सीएम आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था। आप ने कहा था कि केजरीवाल नया घर देख रहे हैं। वे ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां रहने में कोई विवाद न हो। आप ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार से केजरीवाल को नेशनल पार्टी के प्रमुख के तौर पर आवास मुहैया कराने की मांग की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया था।

दिल्ली में सीएम खुद बंगला चुनते हैं, कोई आधिकारिक आवास नहीं

दिल्ली में कोई आधिकारिक सीएम हाउस नहीं है। केजरीवाल से पहले जो भी सीएम हुए, वे अलग-अलग बंगलों में रह चुके हैं। 1993 में मदनलाल खुराना को 33 शामनाथ मार्ग, उनके बाद साहिब सिंह वर्मा को 9 शामनाथ मार्ग और शीला दीक्षित को पहले एबी-17 मथुरा रोड और दूसरे कार्यकाल में 3 मोतीलाल नेहरू मार्ग वाला बंगला आवंटित किया गया था।

दिल्ली में मुख्यमंत्री अपनी सहूलियत के हिसाब से बंगला चुनते हैं। सीएम पद से हटने के बाद उन्हें अपने पुश्तैनी, निजी या किराए का कोई मकान लेकर रहना पड़ता है। इसके लिए अलग से कोई आवास भत्ता भी नहीं दिया जाता। आवास भत्ता कुल प्रतिमाह दी जाने वाली राशि में शामिल होता है।

सीएम बनने से पहले गाजियाबाद में रहते थे केजरीवाल

सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अब केजरीवाल सिर्फ आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष और नई दिल्ली से विधायक हैं। दिल्ली विधानसभा में अन्य राज्यों की तरह विधायकों को रहने के लिए बंगले नहीं दिए जाते। न ही पूर्व सीएम के तौर पर बंगला देने का नियम है। केजरीवाल दिसंबर 2013 में पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से पहले गाजियाबाद के कौशांबी इलाके में रहते थे। मुख्यमंत्री के तौर पर वे मध्य दिल्ली के तिलक लेन स्थित घर में रहे। फरवरी 2015 में आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला तो वे उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित आवास में रहने चले गए।

मनीष सिसोदिया भी खाली करेंगे सरकारी आवास

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आज ही अपना सरकारी बंगला खाली कर सकते हैं। उन्हें मथुरा रोड पर AB-17 मिला हुआ था, लेकिन पद छोड़ने के बाद उन्हें भी बंगला खाली करना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को बताया था कि मनीष भी 4 अक्टूबर को ही अपना बंगला खाली कर देंगे।

मनीष सिसोदिया पंजाब से राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह को अलॉट बंगले में शिफ्ट होंगे। हरभजन सिंह को 32, राजेंद्र प्रसाद रोड पर सरकारी बंगला अलॉट है। सिसोदिया ने नए घर में शिफ्ट होने से पहले हवन भी करवाया है।

महाराष्ट्र विस के डिप्टी स्पीकर मंत्रालय की बिल्डिंग से कूदेः तीसरी मंजिल से छलांग लगाई; नीचे जाल रहने के कारण जान बची

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर नरहरी झिरवल ने शुक्रवार को मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उनके साथ विधायक हिरामन खोसकर भी कूद पड़े। हालांकि, नीचे जाल रहने के कारण उनकी जान बच गई। दोनों आदिवासी विधायक जाल में फंस गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें बाहर निकाला। ऊंचाई से गिरने के कारण झिरवल की गर्दन पर चोट आई है। उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ गया है। उनकी जांच के लिए डॉक्टरों की एक टीम मंत्रालय पहुंची।

झिरवल धनगर समाज को एसटी दर्जा देने के खिलाफ

झिरवल उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की एनसीपी गुट के विधायक हैं। बताया जा रहा है कि वे शिंदे सरकार की तरफ से धनगर समाज को एसटी का दर्जा दिए जाने के फैसले के खिलाफ हैं। वे अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। इस मामले को

लेकर झिरवल और अन्य आदिवासी विधायकों ने शुक्रवार, 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। हालांकि, जब बात नहीं बनी तो उन्होंने मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। झिरवल और खोसकर ने आदिवासी समुदाय के समर्थन में नारे भी लगाए। घटना के बाद मंत्रालय में कामकाज ठप पड़ गया।

झिरवल ने सीएम से मुलाकात से पहले कहा था- प्लान बी तैयार है

नरहरि झिरवल ने मुख्यमंत्री शिंदे से मुलाकात से पहले चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि सीएम हमारी बात नहीं सुनेंगे तो हमारे पास प्लान बी तैयार है। झिरवल ने कहा कि हम एसटी आरक्षण को प्रभावित नहीं होने देना चाहते हैं। इसके बाद एक घंटे के अंदर उन्होंने मंत्रालय की तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर अपना गुस्सा जाहिर किया।

महाराष्ट्र में धनगर कम्युनिटी को ओबीसी का दर्जा

महाराष्ट्र में धनगर समुदाय चरवाहा कम्युनिटी में आते हैं। उन्हें उन्हें घुमंतू जनजाति कैटेगरी के तहत शिक्षा और नौकरियों में 3.5% आरक्षण मिलता है। दूसरी ओर, देश के अन्य हिस्सों में धनगड़, जिन्हें ओरांव, धनका और डोम के नाम से भी जाना जाता है, उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है। महाराष्ट्र में धनगर समुदाय की आबादी लगभग 1.5 करोड़ है, जो राज्य की कुल आबादी का लगभग 13% है। धनगर समुदाय का दावा है कि मराठा के बाद उनका समुदाय राज्य में दूसरा सबसे बड़ा है। धनगर समुदाय मध्य प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, गोवा और कर्नाटक में फैला हुआ है।

महाराष्ट्र का धनगर समुदाय सालों से दावा करता रहा है कि धनगड़ और धनगर एक ही हैं। वे खुद को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने और 7% आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। किन डिप्टी स्पीकर झिरवल आदिवासियों के आरक्षण में धनगर समुदाय को शामिल करने का विरोध कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही

भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वायुसेना दिवस से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, खासकर लद्दाख सेक्टर में और भारत भी एलएसी पर बुनियादी ढांचे की तैयारी कर रहा है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों पर चर्चा करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना महत्वपूर्ण है। एक प्रश्न के उत्तर में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि रूस ने एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीन इकाइयों की आपूर्ति कर दी है तथा उसने अगले वर्ष तक शेष दो इकाइयों की आपूर्ति करने का वादा किया है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास खाली कर दिया और लुटियन की दिल्ली में अपने नए पते के लिए रवाना हो गए। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को अपनी पत्नी और बेटे के साथ कार में घर से निकलते देखा गया। उनके माता-पिता और बेटी दूसरी कार में थे। केजरीवाल परिवार मंडी हाउस के पास 5 फिरोजशाह रोड स्थित पार्टी सदस्य अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास के लिए रवाना हुआ। मित्तल पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं और उन्हें मध्य दिल्ली के पते पर बंगला आवंटित किया गया है। केजरीवाल ने पिछले महीने मुख्यमंत्री पद से यह कहकर इस्तीफा दे दिया था कि जब उन्हें फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में लोगों से ''ईमानदारी का प्रमाण पत्र मिल जाएगा तभी वह इस पद को ग्रहण करेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह नवरात्रि के दौरान मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे। नवरात्रि का त्योहार बृहस्पतिवार से शुरू हो गया है।

सोमनाथ मंदिर के पास अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शनः सुप्रीम कोर्ट बोला- आदेश की अवमानना पर जिम्मेदार जेल जाएंगे

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन पर उसके आदेश की अवमानना की है तो हम न केवल अधिकारियों को जेल भेजेंगे, बल्कि उन्हें सारी संपत्तियां दोबारा बनवाने का आदेश दिया जाएगा। यह बात जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कही। बेंच गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पास बने अवैध निर्माणों पर 28 सितंबर को हुए बुलडोजर एक्शन के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में समस्त पाटनी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट के 17 सितंबर के आदेश के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई करने की मांग की थी। इस दौरान मुस्लिम धार्मिक और आवासीय स्थलों को ज्यों का त्यों रखने की मांग खारिज कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

सोमनाथ मंदिर से 340 मीटर दूर बने थे घर और दरगाह

याचिका पाटनी मुस्लिम जमात के वकील संजय हेगड़े ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आदेश के बावजूद गुजरात में अधिकारियों ने बुलडोजर एक्शन को अंजाम दिया। यहां 57 एकड़ के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की करीब 5 दरगाहें, 10 मस्जिदें और 45 घरों पर बुलडोजर चलवाया गया। गुजरात के अधिकारियों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ये संरचनाएं समुद्र से सटी हुई थीं और सोमनाथ मंदिर से करीब 340 मीटर दूर थीं।

याचिकाकर्ता की दलीलें

- एडवोकेट संजय हेगडे ने कहा- मामला 1903 में बनी दरगाहों, कब्रों और घरों से जुड़ा है। जो नोटिस दिया गया, उसमें भी बुलडोजर एक्शन का जिक्र नहीं था।
- कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ है, अदालत की परमिशन के बिना कोई एक्शन नहीं होना चाहिए। संपत्तियां किसी अपवाद के तहत नहीं आतीं।

बचाव पक्ष की दलीलें

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बुलडोजर एक्शन 17 सितंबर के आदेश के तहत अपवाद है। सरकारी जमीन पर कब्जा था, जिस पर 2023 से कार्रवाई जारी है।
- सरकार की तरफ से नोटिस दिए गए। हर किसी को सुनवाई का मौका दिया गया। ये सभी अतिक्रमण वाटर बॉडी यानी समुद्र के पास है।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में हो रहे बुलडोजर एक्शन के मामले में 1 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा था कि फैसला आने तक देशभर में बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी। अभी सुप्रीम कोर्ट ने फैसले की तारीख तय नहीं की है। हालांकि, कोर्ट ने यह साफ कर दिया था कि अवैध अतिक्रमणों को हटाने पर कोई रोक नहीं होगी। सड़क हो, रेल लाइन हो, मंदिर हो या फिर दरगाह, अवैध अतिक्रमण हटाया ही जाएगा। हमारे लिए जनता की सुरक्षा ही प्राथमिकता है।

भ्रष्टाचारियों पर एक्शन देखकर कांग्रेसी रोने लगते : भजनलाल

जयपुर (ईएमएस)। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 9 माह पहले कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के युवाओं की आंखों में आंसू लाने का काम किया। पेपर होते थे, फिर घोटाले हो जाते थे। राजस्थान में 19 में से 17 पेपर लीक हुए। सीएम शर्मा ने कहा कि चुनाव से पहले युवाओं से कहा था कि जिन्होंने उन्हें रुलाने का काम किया है, हम किसी को भी नहीं छोड़ने वाले है। आज पेपर लीक करने के आरोप में 160 लोग जेल में बंद हैं। लोग पूछते थे मगरमच्छ कब पकड़े जाएंगे। हमारी सरकार ने शुरुआत कर दी है। आने वाले दिनों में बड़े चेहरों पर भी एक्शन होगा। सीएम भजनलाल शर्मा ने हरियाणा के लोहारू और रेवाड़ी में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जिस तरह की लूट हरियाणा में हुई थी। उसी तरह की लूट राजस्थान में भी हुई थी। हमने सत्ता में आने से पहले कहा था कि हम भ्रष्टाचारियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ने वाले है। अब जब हम भ्रष्टाचारियों को जेल में डाल रहे हैं, तब कांग्रेसी कहते हैं कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। आप ही बताइए कि भ्रष्टाचारियों को जेल में जाना चाहिए कि नहीं जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि लोगों ने जिस आशा और उम्मीद से देश और प्रदेश की सरकार चुनी है।

पुणे में 21 साल की लड़की से गैंगरेपः दोस्त के साथ बोपदेव घाट घूमने गई थी

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे में 21 साल की लड़की के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। कोंढवा पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार रात को पुणे के बोपदेव घाट इलाके में हुई। लड़की अपने दोस्त के साथ घाट पर गई थी, जहां रात करीब 11 बजे तीन लोगों ने उसके साथ रेप किया। हालांकि, घटना की खबर शुक्रवार सुबह 5 बजे पुलिस को दी गई। पुणे के जॉइंट सीपी रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में एक संदिग्ध राजेखान करीम पठान को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। बाकी 2 आरोपियों की तलाश की जा रही है। इसके लिए क्राइम ब्रांच और डिटेक्टिव ब्रांच की 10 टीमें बनाई गई हैं, जो कोंढवा इलाके में छानबीन कर रही हैं।

जॉइंट सीपी रंजन कुमार ने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि लड़की अपने दोस्त के साथ घाट के सुनसान इलाके में थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक एक आरोपी राजेखान उनकी कार के पास आया और बोला कि इस इलाके में कपल्स का आना मना है। इसके बाद उसने दोनों की तस्वीरें खींच लीं। इसके बाद आरोपियों में से एक ने लड़की को धमकी देते हुए उसे अपनी कार में जबरन बैठा लिया। दूसरी जगह ले जाने के बाद उन्होंने कार रोकी और उसके साथ गैंगरेप किया। इससे पहले आरोपियों ने उसके दोस्त को कपड़े से बांध दिया था। लड़की अस्पताल में है, उसका इलाज चल रहा है। पुलिस आज ही लड़की का बयान दर्ज करेगी। सुप्रिया ने राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए सुप्रिया सुले ने X पर एक पोस्ट में लिखा- "पुणे में क्या हो रहा है? बोपदेव घाट में एक लड़की से गैंगरेप की घटना सामने आई है। पुणे और पूरे राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। गृह विभाग इन्हें रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है। दुर्भाग्य से यह कहना होगा कि महाराष्ट्र महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं है। सरकार को उक्त घटना के आरोपियों को गिरफ्तार करना चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

तिरुपति लड्डू विवादः सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- एसआईटी बनाएं, इसमें सीबीआई-आंध्र पुलिस के 2-2, एफएसएसएआई का एक अधिकारी होगा

नई दिल्लीः आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जांच के लिए एक स्वतंत्र कमेटी (एसआईटी) बनाने का आदेश दिया है। इस कमेटी में सीबीआई और राज्य पुलिस के 2-2 और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया का एक अधिकारी रहेगा। जांच की निगरानी सीबीआई डायरेक्टर करेंगे। इससे पहले, 1 अक्टूबर को आंध्र पुलिस ने मामले की एसआईटी जांच रोक दी थी। केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, राज्य सरकार की तरफ से मुकुल रोहतगी, तिरुपति मंदिर की तरफ से सिद्धार्थ लूथरा और कपिल सिब्बल तिरुपति तिरुमला देवस्थानम के पूर्व चेयरमैन वाईवी सुब्बारेड्डी की तरफ से कपिल सिब्बल ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा- हमारे आदेश को स्टेट एसआईटी सदस्यों की स्वतंत्रता या निष्पक्षता पर सवाल के तौर पर न देखा जाए। हम केवल देवता में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की भावनाओं को देखते हुए नई एसआईटी बना रहे हैं। तिरुपति लड्डू विवाद तब सामने आया जब सीएम नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया कि जगन सरकार के दौरान लड्डू में बनाने वाले घी में एनिमल फैट और फिश ऑयल मिलाया गया। टीडीपी ने लैब रिपोर्ट से अपने आरोपों की पुष्टि का दावा भी किया।

कोर्ट रूम लाइवः

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता- मैंने इस मुद्दे की जांच की है और अगर आरोपों में कोई सच्चाई है तो यह बिलकुल मंजूर नहीं है। देशभर में उनके भक्त हैं। फूड सेफ्टी एक्ट भी लागू है। मैंने मौजूदा एसआईटी के खिलाफ कुछ भी दायर नहीं किया है, लेकिन केंद्र सरकार के सीनियर अधिकारी को इसकी निगरानी दी जाए। इससे विश्वास पैदा होगा।

जस्टिस गवई- इसमें कोई शक या संदेह नहीं है। मैंने अखबारों में पढ़ा है कि सीएम ने बयान दिया है कि इस तरह की जांच के बारे में कोई जांच नहीं है।

सिद्धार्थ लूथराः जांच अधिकारी के बयान को भी गलत ढंग से रखा गया।

मुकुल रोहतगीः मैं राज्य सरकार की तरफ से हूं और एसआईटी से ही जांच करवाने की अपील करता हूं। कोर्ट की पसंद के किसी भी अधिकारी को जोड़ा जा सकता है। एसआईटी के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया जा सकता। सरकार ने भावनाओं को ध्यान में रखते हुए FIR की है। हम अखबारों पर भरोसा नहीं करते।

कपिल सिब्बल : कल एक और बयान दिया गया, अगर कोर्ट इसकी स्वतंत्र जांच करवाता है तो यह बेहतर होगा। अगर बयान नहीं दिया होता तो यह अलग बात होती।

मुकुल रोहतगी : मीडिया रिपोर्ट जुलाई की है। ऐसा नहीं है कि सीएम ने रिपोर्ट आने से पहले कुछ कहा हो। जो दिखाया गया है वह मामले सेसे हटकर है। यह 100 दिन पूरे होने पर हुआ था।

सिद्धार्थ लूथराः अब हमें पता चला कि घी मेन सप्लायर ने दिया ही नहीं था। लैब रिपोर्ट भी सामने आ गई है। टीडीपी ने एक रिट लगाई थी।

जस्टिस विश्वनाथन : हमारे पास 5 याचिकाएं हैं। कोर्ट एक एमिकस क्यूरी अपॉइंट कर सकती है।

मुकुल रोहतगी : अगर हमारे स्टेटस में कोई परेशानी है, तो हम हलफनामा दायर कर सकते हैं। इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि चर्बी का इस्तेमाल हुआ था।

कपिल सिब्बल : कौन सी रिपोर्ट में यह लिखा है। वह वनस्पति वसा है, एनिमल फैट नहीं है। कोर्ट को स्वतंत्र जांच के आदेश देने चाहिए।

सुप्रीम कोर्टः ये 6 और 7 जुलाई की भेजी गई 2 खेपें थीं। टीडीपी के वर्तमान अध्यक्ष ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि ऐसा नहीं था।

सिद्धार्थ लूथराः पहाड़ी पर स्थित मंदिर पवित्र है। वहां कोई भी अप्रिय चीज नहीं पहुंच सकती। 4 जुलाई तक जो आया, उसकी जांच नहीं हुई, लेकिन 6 और 12 जुलाई को जो पहुंचा, उसमें एनिमल फैट मिला हुआ था।

कपिल सिब्बल : आपने उन्हें मंदिर में जाने की परमिशन क्यों दी। आप वहां इन्चार्ज थे।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6
रांची, शनिवार, 05 अक्टूबर, 2024
www.koylanchalsamvad.com

भारत की जेलों में 76 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी वर्षों से बंद

भारत की जेलों में कैदियों की स्थिति चिंता का विषय है। हाल ही में जो आंकड़े आये हैं, उसमे भारत की जेलों में 76 फीसदी ऐसे कैदी बंद हैं, जिन पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ है। आरोप के आधार पर उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है। यह कैदी बिना किसी दोष सिद्धि के जेलों में कई वर्षों से बंद हैं। भारतीय न्यायिक और कानूनी प्रणाली की खामियों की चर्चा अब विश्व स्तर पर होने लगी है। भारत में न्यायिक प्रणाली की धीमी गति, जांच में भारी विलंब, न्यायालय में विलंब से मुकदमा पेश होना, न्यायालयों में मामलों की सुनवाई और निपटारे में देरी, जमानत देने पर ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट की उदासीनता के कारण भारत की जेलों में लाखों लोग कई वर्षों से बंद हैं। भारत के नागरिकों को संवैधानिक मौलिक अधिकार मिले हैं। उनका भारत में कानूनी रूप से उलंघन हो रहा है। भारत की जेलों में बंद अधिकांश कैदी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं, जिनके पास वकील करने या जमानत राशि भरने के लिए पैसे नहीं होते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में देरी का खामियाजा निर्धन एवं गरीब मध्यम वर्ग के कैदियों को भुगतना पड़ता है। संविधान में वर्णित नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन भारत में हो रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मानव अधिकार के मामले में लगातार रैंकिंग घटती चली जा रही है। ऐसे कैदी, जो वर्षों से जेल में बंद हैं उनकी सुनवाई ट्रायल कोर्ट में भी पूरी नहीं हुई है। ट्रायल कोर्ट से उन्हें जमानत भी नहीं दी गई है। जेलों में बंद कैदियों के ऊपर दोष साबित नहीं हुआ है। इसके बाद भी जेलों में उन्हें वर्षों तक बंद रखना, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुला हनन है। न्यायपालिका स्वयं नागरिकों के अधिकारों पर ध्यान नहीं दे रही है। जिसके कारण अब कहा जा रहा है कि भारत की न्याय प्रणाली में अब सुधार की आवश्यकता है। भारत में सबसे पहले, जमानत प्रणाली को सरल और सुलभ बनाने की जरूरत है। ताकि गरीब और कमजोर वर्गों को इसका लाभ मिल सके। जिन मामलों में गंभीर अपराध के आरोप नहीं हैं, उनमें तुरंत जमानत दिए जाने पर विचार होना चाहिए। जमानत को नागरिकों के अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। जांच एजेंसी द्वारा एक निश्चित समय सीमा पर जांच करने की बाध्यता हो। निश्चित समय पर न्यायालय में चार्ज शीट पेश हो। अदालती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अदालतों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करके छोटे और गैर-गंभीर मामलों का त्वरित निपटारा किया जाना चाहिए। जेल सही मायने में सजायाप्ता कैदियों के लिए होती है। या उन अपराधियों के लिए होती है, जो समाज के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। जेलों की स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास जरूरी हैं। जेलों में बंद कैदियों के लिए उचित चिकित्सा, भोजन, मानसिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत के जेलों की प्रशासनिक व्यवस्था बहुत खराब है। यहां पर क्षमता से तीन गुना ज्यादा कैदी जेलों में बंद हैं। इन्हें पर्याप्त खाना और प्राकृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जेल के अंदर जद्दो-जेहद करनी पड़ती है। कैदियों को जेल मे पुनर्वास और कौशल विकास के अवसर नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण जेल से बाहर निकलकर वह समाज और परिवार में फिर से अपनी जगह बना सकें। जेलों को केवल सजा देने का स्थान नही माना जाना चाहिए। जेलों को सुधार केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। कैदियों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें न्याय दिलाने की प्रक्रिया को तेज करना, न्याय व्यवस्था और मानवाधिकार दोनों के लिए आवश्यक हैं। जब तक न्यायिक प्रणाली में सुधार नहीं किया जाता। भारत में मानव अधिकारों की रक्षा करना संभव ही नहीं है। ब्रिटेन जैसे देश में बिचाराधीन कैदियों की संख्या मात्र 18 फ़ीसदी है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों द्वारा जमानत के मामले में विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। यदि आरोपी को जमानत देने से समाज के बीच में कोई खतरा न हो। ऐसे आरोपियों को तुरंत न्यायालय द्वारा जमानत दी जाती है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों में सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित समय पर पूरी की जाती है। वहां की जांच एजेंसियाँ समय पर जांच करके न्यायालय में मामला प्रस्तुत करती हैं। भारत में जब अंग्रेजों का शासन था, तब भी यहां विचाराधीन कैदियों को 90 दिन से ज्यादा जेल में रखने का प्रावधान नहीं था। 90 दिन के बाद न्यायालय जमानत देने के लिए स्वतंत्र होती थी। जांच एजेंसी द्वारा जो मामला प्रस्तुत किया जाता था, न्यायालय को यदि प्रथम दृश्टया लगता था, कि यह मामला चलने योग्य नहीं है तो ऐसी स्थिति में चार्जशीट पेश होने के बाद न्यायालय द्वारा आरोप निर्धारण के लिए सुनवाई करने के बाद मुकदमे खारिज कर दिए जाते थे। पिछले 10 वर्षों से भारत में संवैधानिक व्यवस्था होते हुए, लोकतांत्रिक शासन में जिस तरह से 76 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं, इससे दुनिया भर में भारत की साख पर विपरीत असर पड़ रहा है। भारत को अब एक तानाशाही वाले देश के रूप में भी देखा जाने लगा है। जिन देशों में न्यायपालिका सरकार के अनुसार काम करती हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत की न्यायपालिका सरकार के पक्ष में ख़डी नजर आ रही है। भारतीय न्यायपालिका की दुनिया भर के देशों में यह साख बनने लगी है।

एक देश एक चुनाव : क्या इससे पार होगी सत्ता की नाव...?

देश पर राज कर रही मौजूदा भारतीय जनता पार्टी की सरकार और मुखिया नरेन्द्र भाई मोदी की सबसे अधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस व उसके नेताओं के बारे में राजनीतिक सोच चाहे जो भी हो, किंतु यह भी एक कटु सत्य है कि वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री के शासन की लीक पर चलने का प्रयास अवश्य कर रही है, इसका सबसे ताजा उदाहरण नया राजनीतिक नारा ''एक देश-एक चुनाव'' है। आजादी के बाद चार आम चुनाव इसी नारे की लीक पर हुए, सन् 1951 से 1971 तक सारे देश में सभी चुनाव एक साथ-एक ही समय पर हुए, किंतु उसके बाद विधानसभाऐं भंग होने के कारण निर्धारित समय से पिछड़ती गईं और फिर संसद व विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे और यही परम्परा आज तक जारी है, किंतु अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी और उनकी सरकार फिर नेहरू युग की परिपाटी प्रारंभ करने पर गंभीर चिंतन कर रही है और उसने अपने इस इरादे पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था, जिसने अपनी सकारात्मक रिपोर्ट मोदी सरकार को सौंप दी है, अब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह संकेत दिया है कि पांच साल बाद अर्थात् 2029 के संसदीय चुनाव के साथ पूरे देश की विधानसभाओं व स्थानीय निकायों के भी चुनाव हो सकते है, इसके लिए सरकार को कुछ संविधान संशोधन विधेयक संसद से मंजूर करवाना पड़ेंगे, जिसकी कि अगले शीतकालीन सत्र के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

चूंकि आजादी के बाद से ही भारतीय राजनीति का मूल लक्ष्य सत्ता रही है, इसलिए इसकी प्राप्ति के लिए राजनेता अलग-अलग प्रयोग करते रहे है, इसीलिए 'एक देश-एक चुनाव' के मार्ग से भटक गए थे.... और इसी कारण पूरे पांच वर्ष तक देश में कहीं न कहीं चुनाव होते रहे है, जिससे देश का काफी धन और समय नष्ट होता रहा, किंतु अब प्रधानमंत्री की सार्थक सोच व पहल के साथ पुनः पुराना चुनावी युग लौटकर आने वाला है। देश के राजनीतिक पंडितों की सोच है कि चुनाव का अधिभार सत्तारूढ़ नेताओं के दिल-दिमाग पर नही होने पर वे देश के विकास व राष्ट्रीय जनहित के बारे में गंभीर चिंतन कर सकते है और देश विकास व समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकता है। अब इसी आधार पर यह संभावना प्रकट की जाने लगी है कि चूंकि 2029 से यह कानून लागू होने वाला है, इसलिए इससे पूर्व होने वाले सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव भी उनकी अवधि में वृद्धि कर संसद के चुनाव के साथ ही कराए जाएगें, जिनमें मध्यप्रदेश की विधानसभा भी है, जिसकी मौजूदा अवधि 2028 में पूरी हो रही है। अतः उसकी भी अवधि में एक साल की वृद्धि की जा सकती है। वैसे केन्द्र द्वारा इस प्रस्ताव पर गठित कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में जो सिफारिशें की उसमें यह पहली सिफारिश ही है, जिसमें कहा गया है कि सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक बढ़ाया जाए, लेकिन बहुमत नही मिलने और सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने पर बीच में भी चुनाव कराए जा सकते है, देश में ये चुनाव दो चरणों में कराए जा सकते है, पहले चरण में संसद व विधानसभाओं के चुनाव कराए जा सकते है और इसके बाद सौ दिन की अवधि में ही ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जा सकते है और जहां तक मतदाता सूची का सवाल है, इन दोनों चरणों के चुनावों के लिए एक ही मतदाता सूची रहेगी।

राष्ट्रपति के बजाए चैतन्य देवी नज़र आई द्रौपदी मुर्मू!

> ब्रह्माकुमारीज संस्थान के विभिन्न सेवाकेन्द्रों पर जो आध्यात्म शक्ति प्राप्त होती है, उसका सबसे ज्वलंत उदाहरण स्वयं द्रौपदी मुर्मू है। जब वे अंधकारमय जीवन की ओर अग्रसर हो गई थी। तब मेडिटेशन और ध्यान योग के माध्यम से जीवन की मुख्य धारा में लौट पाई। द्रौपदी मुर्मू कहती है कि ब्रह्माकुमारीज एक ऐसा संस्थान है जो बहनों द्वारा संचालित किया जाता है व वरिष्ठ भाईयों द्वारा बहनों का सहयोग किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सफलता यह सिद्ध करती है कि अवसर मिलने पर महिलाएं पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती हैं। एक आध्यात्मिक संस्था के रूप में केवल ब्रह्माकुमारीज ही नहीं ऐसी कई संस्थाएं इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

राष्ट्रपति बनने के बाद दूसरी बार मधुबन यानि ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू रोड़ पधारी द्रौपदी मुर्मू के लिए यह यात्रा बेहद रूहानी कही जा सकती है।वे यहां एक ऐसे दिव्य व भव्य मानसरोवर भवन में प्रवास कर रही है,जिसके छठे माले पर बगीचा है।प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज मानसरोवर को महामहिम के लिए सजाया गया है।द्रौपदी मुर्मू ने सबसे पहले ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव राजयोगी निर्वैर भाई को याद किया ,जो हाल ही में अपना शरीर छोड़कर परमात्मा की गोद ले चुके है,फिर वे शांति वन में आयोजित वैश्विक सम्मेलन का मुख्य आकर्षण बनी। राजयोग के नियमित अभ्यास के लिए सुबह साढ़े तीन बजे उठने वाली द्रौपदी मुर्मू सर्वोच्च पद पर विराजित होते हुए भी अंहकार मुक्त है।उनकी स्पष्ट सोच है कि परमात्मा शिव की याद जब हमारी भृकुटि में विराजित आत्मा में जाकर बसने लगे तो तभी हमारा परमात्मा से वास्तविक सम्बंध जुड़ जाएगा और हम राजयोगी हो जाएंगे। तभी हम परमात्मा की याद में बैठकर परमात्मा से रूहरिहान कर सकते है।परमात्मा से अपनी आत्मा का रूहरिहान करने के लिए ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 अक्टूबर को ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू रोड पहुंची। जहां उनका अभूतपूर्व स्वागत ब्रह्माकुमारीज चीफ रतनमोहिनी दादी के नेतृत्व में किया गया। आबू में ब्रह्माबाबा के कक्ष में द्रौपदी गई तो उनकी लौ परमात्मा से लग गई और वे बाबा के चित्र के सामने ध्यान मग्न होकर रूहानियत की सैर करने लगी।वस्तुतः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ब्रह्माकुमारीज से काफी पहले से जुड़ी है और नियमित रूप से राजयोग का अभ्यास करती है। द्रौपदी मुर्मू दो दिन के लिए इस राजयोग तपस्या की भागीदार बनी है।इस तपस्या से परमात्मा द्वारा अविनाशी भाग्य प्राप्त होता है। अविनाशी भाग्य को हमेशा अविनाशी रखना है। जिसके लिए सिर्फ सहज अटेंशन देने की बात है। टेंशन वाला अटेंशन नहीं हो सकता, सहज अटेंशन हो ,तभी हम विदेही रूप में परमात्मा से अपनी लौ लगा सकते है।राजयोग के अभ्यास से ही हमे परमात्मा की सत्य पहचान मिल पाई है।वास्तव में परमात्मा वह बीज है जिसमें सृष्टि का सारा आदि मध्य अंत का ज्ञान समाया हुआ है। परमात्मा कहते भी हैं कि मुझसे जो भी खजाने तुम्हें प्राप्त हुए हैं, उन खजानों को जमा करो, बढ़ाओ, व्यर्थ से बचो। श्वास का खजाना, संकल्प का खजाना, गुणों का खजाना, समय का खजाना, शक्तियों का खजाना, ज्ञान का खजाना। सभी खजाने जितना स्व के प्रति और औरों के प्रति शुभ वृत्ति से कार्य में लगाएंगे, उतना सद्कर्मों का खाता जमा होता जाएगा और बढ़ता जाएगा।इसके लिए अपने गुणों व शक्तियों को सदकार्य में लगाओ तो पुण्य बढ़ते जाएंगे। मनुष्य को प्राप्त गुण व शक्तियां परमात्मा का दिया वह प्रसाद है,जिससे हम अपने जीवन को 21 जन्मों के लिए सफल बना सकते है। हमे परमात्मा दाता को कभी भूलना नहीं चाहिए व मिले हुए ईश्वरीय ज्ञान खजाने को सफल करना चाहिए। साथ ही अपने ईश्वरीय संस्कारों को भी सफल करो जिससे व्यर्थ संस्कार स्वतः चले जाएंगे। सच ही है कि विद्या के बिना मानव जीवन व्यर्थ है। मानव के संपूर्ण विकास में विद्या की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। इससे मनुष्य अनुशासित होता है और उसका चरित्र निर्माण होता है। विद्या के बल से वह स्वार्थों से ऊपर उठ पाता है और प्रकृति एवं मानव जाति से प्रेम करना सीखता है।भौतिक विद्या तो स्कूलों एवं विश्वविद्यालयों में मिल जाती है। लेकिन सत्य एवं आध्यात्मिक ज्ञान सिर्फ परमपिता परमात्मा ही दे सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस सत्य को स्वीकार किया है। उन्होंने परमात्मा के यथार्थ रूप को पहचान कर और संपूर्ण ज्ञान को धारण करके ही अपने जीवन को दिव्य गुणों से संपन्न बनाया है।

राष्ट्रपति मुर्मू का आध्यात्म के प्रति प्रेम उनके महामहिम बनने से पहले का है।वह लगभग 11 वर्षों से ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्मिक ईश्वरीय वाणी मुरली को सुनती हैं और रोजाना राजयोग का अभ्यास भी करती हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के विश्वभर में स्थित सभी सेवा केंद्र पर एक साथ, एक ही समय पर सुबह 7 बजे से ईश्वरीय महावाक्यों पर आधारित मुरली होती है।जिसमें परमात्मा की ओर से सदशिक्षा,जीवन जीने की कला और जीवन के प्रति मार्गदर्शन मिलता है।इस राजयोग अभ्यास को करने व मुरली सुनने के लिए वे सदैव समय से सुबह साढ़े तीन बजे उठती है। सूबह उठने के बाद वह सबसे पहले वे ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान करती हैं, जिन्हें ब्रह्माकुमारीज से जुड़े सभी भाईबहन प्यार से शिवबाबा कहते हैं। शिवलिंग के आकार की लाल लाइट के बिंदू पर वह अपना ध्यान लगाती हैं।वे शाम को भी 6.30 से 7.30 बजे तक राजयोग का अभ्यास करती हैं। द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारी संस्थान में एक चर्चा के दौरान कहा था कि वह जो कुछ बोल पाती है, वह आध्यात्मिक बल के कारण ही बोल पाती है।उन्होंने ग्रेजुएट किया हुआ है ।लेकिन उन्हें हर विषय पर बोलने शक्ति परमात्मा से ही प्राप्त होती हैं।

जब जीवन मे अंधकार छाया था,तब इसी ब्रह्माकुमारीज ने राजयोग का सहारा देकर द्रौपदी मुर्मू के जीवन मे उम्मीदों की रौशनी लाने का काम किया था।आज जब उसी ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू में राष्ट्रपति बनने के बाद दूसरी बार द्रौपदी मुर्मू पहुंची तो लगा जैसे वे फिर से रूहानियत में खो गई हो।अपने मधुबन को निहारते हुए वे बोली, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के विभिन्न सेवाकेन्द्रों पर जो आध्यात्म शक्ति प्राप्त होती है, उसका सबसे ज्वलंत उदाहरण स्वयं द्रौपदी मुर्मू है। जब वे अंधकारमय जीवन की ओर अग्रसर हो गई थी। तब मेडिटेशन और ध्यान योग के माध्यम से जीवन की मुख्य धारा में लौट पाई । द्रौपदी मुर्मू कहती है कि ब्रह्माकुमारीज एक ऐसा संस्थान है जो बहनों द्वारा संचालित किया जाता है व वरिष्ठ भाईयों द्वारा बहनों का सहयोग किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सफलता यह सिद्ध करती है कि अवसर मिलने पर महिलाएं पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती हैं। एक आध्यात्मिक संस्था के रूप में केवल ब्रह्माकुमारीज ही नहीं ऐसी कई संस्थाएं इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं। आज ब्रह्माकुमारीज संस्थान विश्व के 140 देशों में साढ़े आठ हजार सेवाकेंद्रों का संचालन कर रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान महिलाओं द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा संस्थान है। ब्रह्माकुमारीज महिलाओं के सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभा भी रही है।

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

> स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है।

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों एवं भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपना सेवा कार्य पूरी प्रामाणिकता से बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से करते रहते हैं। वरना, भारत सहित पूरे विश्व में आज ऐसा माहौल बन गया है कि कुछ संगठन जो समाज में सेवा कार्य करते तो बहुत थोड़ा है परंतु उस कार्य का बहुत अधिक प्रचार प्रसार करते हैं। इसके ठीक विपरीत संघ के स्वयंसेवक चुपचाप समाज में अपने ईश्वरीय कार्य को सम्पादित करते रहते हैं, कई बार तो संघ के पदाधिकारियों को भी इस बात का आभास नहीं हो पाता है कि हमारे संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में कोई विशेष सेवा कार्य सम्पन्न किया है। दरअसल, संघ के स्वयंसेवकों को यह संस्कार संघ की शाखा में प्रदान किए जाते हैं। और, इसी प्रकार की कई अन्य विशेषताओं के चलते, आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन कहा जाने लगा है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है - वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ "हिंदू" शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि "एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए"। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं "स्व" के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना। संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, "हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है ...... यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकरी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।"

जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ। स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है।

वीरांगना-रानी दुर्गावती

शरद नारायण खरे

मुग़लों से जो भिड़ गई,खेंच लई तलवार।
जिनकी गाथा है अमर,गाता यह संसार।।

वे गढ़-मंडला के गोंड राजा संग्रामशाह की पुत्रवधु ,दलपतिशाह की पत्नी तथा वीर नारायण की माता थीं। वीरांगना रानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। लोधी राजपूत वंश की शाखा का ही एक भाग है ।बांदा जिले के कालिंजर किले में 5अक्टूबर 1524 ईसवी की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण उनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। दुर्गावती के मायके और ससुराल पक्ष की जाति भिन्न थी लेकिन फिर भी दुर्गावती की प्रसिद्धि से प्रभावित होकर गोण्डवाना साम्राज्य के राजा संग्राम शाह ने अपने पुत्र दलपत शाह मंडावी से विवाह करके, उन्हें अपनी पुत्रवधु बनाया था। दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही राजा दलपतिशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय वीरनारायण था। अतः रानी ने वीरनारायण की संरक्षिका बनकर स्वयं ही गढ़-मंडला का शासन संभाल लिया। उनकी प्रशासनिक क्षमता व कार्यकुशलता बेहद सराहनीय रही।राज्य को उन्होंने समृद्धता प्रदान की। उन्होंने अनेक मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवायाथा।

रानी दुर्गावती मंडावी का इस सुखी और सम्पन्न राज्य पर मालवा के मुसलमान शासक बाजबहादुर ने कई बार हमला किया था,पर वह हर बार पराजित हुआ था। मुग़ल शासक अकबर भी उनके राज्य को जीतकर रानी को अपने हरम में डालना चाहता था। उसने विवाद प्रारम्भ करने हेतु रानी के प्रिय सफेद हाथी (सरमन) और उनके विश्वस्त वजीर आधारसिंह को भेंट के रूप में अपने पास भेजने को कहा। रानी ने यह मांग ठुकरा दी। इस पर अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसफ खां के नेतृत्व में गोण्डवाना साम्राज्य पर हमला कर दिया। एक बार तो आसफ खां पराजित हुआ, पर अगली बार उसने दुगनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय बहुत कम सैनिक थे। उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया तथा स्वयं पुरुष वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। इस युद्ध में 3,000 मुगल सैनिक मारे गये लेकिन रानी की भी अपार क्षति हुई थी। अगले दिन 24 जून 1564 को मुगल सेना ने फिर हमला बोला। आज रानी का पक्ष दुर्बल था, अतः रानी ने अपने पुत्र नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। तभी एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। तभी तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया। रानी ने अंत समय निकट जानकर दीवान आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने सीने में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। महारानी दुर्गावती चंदेल ने अकबर के सेनापति आसफ़ खान से लड़कर अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक शासन किया था। जबलपुर के पास जहां यह ऐतिहासिक युद्ध हुआ था, उस स्थान का नाम बरेला है, जो मंडला रोड पर स्थित है, वही रानी की समाधि बनी है, जहां गोण्ड जनजाति के लोग जाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। जबलपुर में स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय भी इन्ही रानी के नाम पर बनी हुई है। रानी दुर्गावती के सम्मान में 1983 में जबलपुर विश्वविद्यालय का नाम बदलकर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कर दिया गया। भारत सरकार ने 24 जून 1988 रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर एक डाक टिकट जारी कर रानी दुर्गावती को याद किया। जबलपुर में स्थित संग्रहालय का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर रखा गया।

ब्रोकली की उन्नत खेती कैसे करें

स्प्राउटिंग ब्रोकली (हरी गोभी) एक गोभी वर्गीय सब्जी है। ब्रोकली की खेती ठीक फूलगोभी के समान ही की जाती है। इसके बीज व पौधे देखने में लगभग फूलगोभी की तरह ही होते हैं। इसके पौधों में गोभी के समान फूल लगते हैं, इस फूल को हम सब्जी के रुप में इस्तेमाल करते हैं। ब्रोकली का खाने वाला भाग छोटी-छोटी बहुत सारी हरे फूल कलिकाओं का गुच्छा होता है। ब्रोकली के लिए ठन्डी जलवायु की आवश्यकता होती है। देश के अधिकतर भागों में इसकी खेती रबी मौसम में की जाती है, जबकि अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में इसकी खेती गर्मी के मौसम में भी की जा सकती है।

फूल गोभी में जहां एक पौधे से एक फूल मिलता है, वहीं ब्रोकली के पौधे से एक मुख्य गुच्छा काटने के बाद भी, पौधे से कुछ शाखाएं निकलती हैं और इन शाखाओं से बाद में ब्रोकली के छोटे फूल प्राप्त किए जाते है। ब्रोकली फूलगोभी की तरह ही होती है, लेकिन इसका रंग हरा होता है इसलिए इसे हरी गोभी कहा जाता है।

हमारे देश में ब्रोकली की खेती विगत कुछ वर्षों से ही शुरू की गई है। अभी इसकी खेती आमतौर पर महानगरों और पर्यटक स्थलों तक ही सीमित है। पांच सितारा होटलों तथा पर्यटक स्थलों पर इस सब्जी की मांग बहुत है और शहरों के समीप किसान इसकी खेती करके बहुत अधिक लाभ कमा रहे हैं। ब्रोकली का बाजार भाव 60 से 90 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिल जाता है। ब्रोकली अन्य गोभी वर्ग की सब्जियों की अपेक्षा अधिक मात्रा में प्रोटीन, विटामिन्स व खनिज पदार्थ होते हैं। इसमें फूलगोभी से 130 गुणा और गांठगोभी से 22 गुणा विटामिन 'ए' होता है।

ब्रोकली में सल्फोराफेन नामक यौगिक बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो कैंसर रोगियों के लिए लाभदायक होता है और स्वस्थ लोगों में कैंसर होने की संभावना कम करता है। ब्रोकली हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद होती है। क्योंकि इसके खाने से रक्त में सीरम कालेस्ट्रोल का स्तर घट जाता है। ब्रोकली की पौष्टिकता को देखते हुए आम लोगों में इसकी मांग दिनों-दिन बढ़ती जा रही है तथा आने वाले समय में इसकी खेती महानगरों के समीप व पर्यटक स्थलों तक ही सीमित न रहकर पूरे देश में होने लगेगी एवं किसानों के लिए इसकी खेती बहुत लाभकारी सिद्ध होगी।

उपयुक्त जलवायु

ब्रोकली के लिए ठन्डी जलवायु की आवश्यकता होती है। देश के अधिकतर भागों में इसकी खेती रबी मौसम में की जाती है, जबकि अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में इसकी खेती गर्मी के मौसम में भी की जा सकती है। ब्रोकली की अच्छी वृद्धि के लिए 10 से 18 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है।

ब्रोकली की उन्नत किस्मों का चुनाव

ब्रोकली की अच्छी उपज लेने के लिए बुवाई का समय व उगाये जाने वाले क्षेत्र के अनुसार सही किस्मों का चुनाव अति आवश्यक है। बीज हमेशा किसी विश्वसनीय संस्था जैसे- राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य कृषि विभाग या कृषि विश्वविद्यालय आदि से ही खरीदें। इसकी किस्मे तीन प्रकार की श्वेत, हरी और बैंगनी होती है, इनमें से हरे रंग की गठे हुए शीर्ष वाली किस्में अधिक पसंद की जाती है। ब्रोकली की कुछ उन्नत किस्में इस प्रकार हैं, जैसे-

- **के टी एस- 1 (पूसा ब्रोकली)**- इस किस्म का सिरा हल्के हरे रंग का, फल गुंथा हुआ तथा 250 से 400 ग्राम वजन का होता है। यह किस्म रोपाई के उपरान्त 80 से 90 दिन में तैयार हो जाती है और इसकी औसत पैदावार 120 से 140 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।
- **के टी एस 59**- इस किस्म का सिरा गुंथा हुआ, फल हरे रंग का होता है और इसकी औसत पैदावर 90 से 100 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।
- **पालम समृद्धि**- इस किस्म का सिरा हरा, गुंथा हुआ, पीले धब्बों और पत्तियों से युक्त होता है। फूल का वजन 300 से 400 ग्राम होता है। यह किस्म 85 से 95 दिन में तैयार हो जाती है और पैदावार 150 से 180 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक मिल जाती है।
- **ग्रीन स्प्राउटिंग ब्रोकली**- इस किस्म का सिरा गहरे हरे रंग का गुंथा हुआ होता है। जिसका वजन 200 से 250 ग्राम होता है। इसके पौधे शाखायुक्त होते हैं, यह किस्म रोपाई के उपरान्त 90 से 100 दिन में तैयार हो जाती है और इसकी पैदावार 120 से 150 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।
- **पंजाब ब्रोकली**- इसके पौधे शाखायुक्त, चिकनी पत्तियां और अत्यधिक फुटाव वाले होते हैं। सिरा मध्यम आकार, हल्की गुथी हुई हरी कलियां युक्त और फल 150 से 200 ग्राम वजन के होते हैं। यह किस्म रोपाई के 60 से 70 दिन उपरान्त तैयार हो जाती है और इसकी औसत पैदावार 60 से 75 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

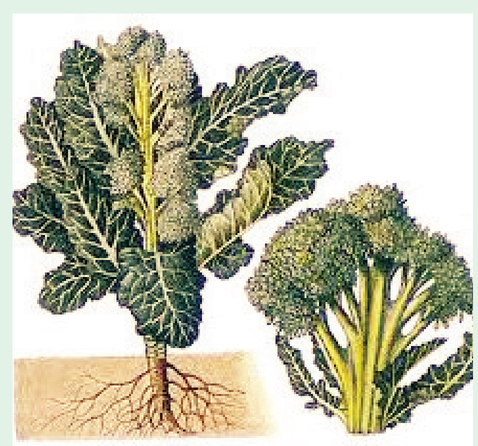

इन किस्मों के अतिरिक्त कुछ विदेशी कम्पनियां भारत में अब ब्रोकली की संकर किस्मों का बीज भी बेच रही हैं। जिनमें से कुछ संकर किस्में इस प्रकार हैं, जैसे- पैकमैन, कैप ओवन, बैकलस, ग्रीन लोफी, लैण्ड स्टार, ग्रीन मेल, ग्रीन डोम, शिगमरी आदि है।

उन्नत खेती के लिए नर्सरी तैयार करना

- ब्रोकली की सफल खेती के लिए स्वस्थ बीज और स्वस्थ निरोग नर्सरी का होना अत्यन्त आवश्यक है। नर्सरी तैयार करने के लिए स्थान का चुनाव करते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे- नर्सरी खेत के किनारे पर लगानी चाहिए जहां धूप लगती हो, पेड़ों की छाया न हो, सिंचाई की उचित व्यवस्था हो, मिट्टी में कंकड़-पत्थर न हों। नर्सरी ऊंचे स्थान पर हो जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो। प्रत्येक वर्ष नर्सरी नई जगह पर उगानी चाहिए, जिससे कीटाणु एवं रोगजनक की संख्या अधिक न होने पाये।
- नर्सरी वाले खेत की अच्छी प्रकार से जुताई करके 3 मीटर लम्बी, 0.75 मीटर चौडी तथा 15 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां बना ली जाती हैं। क्यारियों की लम्बाई आवश्यकतानुसार व भूमि की उपलब्धतानुसार बढ़ाई जा सकती है, किन्तु चौड़ाई तथा ऊंचाई इतनी ही रखनी चाहिए। दो क्यारियों के बीच में 30 से 45 सेंटीमीटर का अन्तर रखें ताकि फालतू पानी का निकास हो सके और क्यारियों की निराई-गुड़ाई करने में सुविधा हो।
- प्रत्येक क्यारी में 20 से 25 किलोग्राम भली भांति सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर, उसे मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला दें, इसके अतिरिक्त 200 ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 50 ग्राम यूरिया और 50 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति क्यारी की दर से मिट्टी में मिला दें। क्यारियों में बीज की बुवाई करने से पहले क्यारियों की भूमि का रोगाणु रहित करना अति आवश्यक है, इसके लिए थीरम या कैप्टान नामक कवकनाशी की 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर बुवाई से 1 से 2 दिन पूर्व भूमि को उपचारित करना चाहिए।
- उपचारित क्यारियों में 10 सेंटीमीटर की दूरी पर 1 से 1.5 सेंटीमीटर गहरी लाइनें बना लेते हैं। इन लाइनों में बीज की बुवाई लगभग 5 सेंटीमीटर की दूरी पर की जाती है। बुवाई के पश्चात् इन लाइनों को सड़ी हुई बारीक गोबर की खाद से ढक कर सूखी घास या सूखी पत्तियों को क्यारियों के ऊपर बिछा देना चाहिए। ढकने के पश्चात् क्यारियों की फव्वारे से हल्की सिंचाई कर दें।
- अंकुरण होने पर घास या पत्तियों को हटा दें। नर्सरी में जैसे ही खरपतवार दिखाई दें उन्हें हाथ या अन्य यंत्र से निकाल दें और समय-समय पर आवश्यकतानुसार हल्की, सिंचाई करते रहें। इस प्रकार बीज बोने के लगभग 4 से 5 सप्ताह में ब्रोकली की पौध खेत में रोपाई करने योग्य हो जाती है।

भूमि का चयन

ब्रोकली की सफल खेती के लिए अच्छी जल धारण क्षमता वाली और कार्बनिक पदार्थों से भरपूर दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है। भूमि का पी एच मान 6.0 से 6.8 के बीच होना चाहिए। भूमि में जल निकास की उचित व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि खेत में पानी खड़ा रहने से पौधों की जड़ों को हानि पहुंच सकती है।

खेत की तैयारी

ब्रोकली की फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल या हैरो से करें, इसके बाद 2 से 3 जुताई देशी हल या कल्टी वेटर से करनी चाहिए। अन्तिम जुताई करने से पहले खेत में 10 से 15 टन प्रति हैक्टेयर की दर से गोबर की सड़ी-गली खाद डाल कर मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला दें और पाटा लगाकर खेत को ढेले रहित व समतल बना लें।

बीज और बुवाई

ब्रोकली की एक हेक्टेयर की पौध तैयार करने के लिए लगभग 350 से 450 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। नर्सरी में बीज की बुवाई उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में सितम्बर से अक्टूबर में की जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में बुवाई जुलाई से अगस्त में जबकि अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में बीज की बुवाई मार्च से अप्रैल में की जाती है।

पौध रोपाई

उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में ब्रोकली पौध की रोपाई अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह, पहाड़ी क्षेत्रों में अगस्त के अन्तिम सप्ताह से मध्य अक्टूबर और अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में मई में की जाती है। नर्सरी में जब पौधे 10 से 12 सेंटीमीटर या 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं तो उनकी खेत में रोपाई कर देनी चाहिए। ब्रोकली की रोपाई पंक्तियों में की जाती है, किस्मों के अनुसार पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 से 60 सेंटीमीटर और पंक्ति में पौधे से पौधे के बीच का अंतर 40 सेंटीमीटर रखते हैं। पौध 3 से 4 सेंटीमीटर से अधिक गहरी नहीं लगानी चाहिए। खेत में नमी होनी चाहिए और पौध की रोपाई के बाद हल्की सिंचाई अवश्य कर दें। पौध की रोपाई दोपहर बाद या शाम के समय ही करें।

सिंचाई प्रबंधन

पहली हल्की सिंचाई रोपाई के तुरंत बाद करनी चाहिए। ब्रोकली पौध की रोपाई के 6 से 7 दिन बाद खेत में घूम कर देख लें कि पौधे सही तरह से खड़े हो गये हैं, या मर गये हैं, यदि किसी कारणवश कुछ पौधे उखड़ गये हों या मर गये हों तो उसके स्थान पर दूसरे पौधे लगाकर (गैप फिलिंग) पौधों की संख्या पूरी कर लें। इसके बाद हल्की सिंचाई अवश्य कर दें, बाद में आवश्यकतानुसार 10 से 15 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए। इस प्रकार ब्रोकली की अच्छी पैदावार लेने के लिए 5 से 6 सिंचाइयां पर्याप्त होती हैं। सिंचाई के लिए फसल की प्रारंभिक वृद्धि अवस्था और सिरा विकास अवस्था क्रान्तिक अवस्थाएं हैं।

खाद एवं उर्वरक

- आमतौर पर ब्रोकली की खेत से अच्छी पैदावार लेने के लिए 10 से 15 टन गोबर की सड़ी गली खाद रोपाई से 20 से 25 दिन पहले खेत में समान रूप से बिखेर कर मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। इसके साथ-साथ 100 से 125 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 से 80 किलोग्राम फास्फोरस और 50 से 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से देने की सिफारिश की जाती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा एवं नाइट्रोजन की एक-तिहाई मात्रा रोपाई करने से पहले खेत में समान रूप से डालकर मिट्टी में मिला देनी चाहिए। नाइट्रोजन की बाकी बची हुई दो-तिहाई मात्रा पौध रोपाई के 25 तथा 50 दिन बाद बराबर हिस्सों में बांटकर खड़ी फसल में समान रूप से छिड़क दें। नाइट्रोजन डालने के बाद खेत में सिंचाई अवश्य कर दें।
- ब्रोकली में मुख्य पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश) के अतिरिक्त कुछ सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे बोरोन व मोलिब्डिनम की कमी के लक्षण भी देखे गए हैं। इसलिए इन सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर करने के लिए रोपाई से पहले खेत की तैयारी के समय 10 से 15 किलोग्राम बोरेक्स और 500 ग्राम अमोनियम मोलब्डेट का प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

खरपतवार प्रबंधन

- खरपतवार फसल के साथ पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश और स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, फलस्वरूप फसल की पैदावार व गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसके अतिरिक्त खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं तथा कीट व्याधियों को भी आश्रय देते हैं। इसलिए ब्रोकली की अच्छी पैदावार लेने के लिए खेत को रोपाई के 25 से 30 दिन बाद तक खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण के लिए बेसालिन या ट्राईफ्लूरेलिन नामक खरपतवार नाशक की 1.0 लीटर सक्रिय तत्व की मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से रोपाई के पहले खेत में छिड़काव करके मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें।
- इसके अतिरिक्त फसल में 2 से 3 उथली निराई-गुड़ाई 15 दिन के अन्तराल पर करें। निराई-गुड़ाई करने से खरपतवारों की रोकथाम के साथ-साथ भूमि में वायु संचार भी होता है। जिससे फसल वृद्धि पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। निराई-गुड़ाई करते समय ध्यान रहे कि इससे पौधों की जड़ों को हानि न पहुंचे। अंतिम निराई-गुड़ाई के बाद पौधों पर हल्की मिट्टी चढ़ा दें जिससे पौधे न गिरें।

कीट एवं नियंत्रण

कीट डायमण्ड बैक मोथ- ब्रोकली का यह बहुत हानिकारक कीट है। इसकी मादा कीट पत्तियों की निचली सतह पर अण्डे देती है। जिनसे 3 से 10 दिनों में सूडियां निकल आती हैं। ये सूड़ियां, पत्तियों के सम्पूर्ण हरे भाग को काटकर अत्यधिक क्षति पहुंचाती हैं जिससे पत्तियां छलनी की भांति दिखाई देने लगती हैं।

कटुआ कीट- पौध रोपण के कुछ समय बाद इस कीट की सुंडियां पौधों के मुलायम तनों को जमीन के पास से काट देती हैं। पौधे सूखकर नष्ट हो जाते हैं।

तंबाकू की सूड़ी- इस कीट की सूड़ियां भी पौधे की मुलायम जड़ों व पत्तियों को काटती हैं, जिससे फसल को अत्यधिक हानि होती है।

कैबेज तना छेदक- यह ब्रोकली की फसल का अत्यन्त हानिकारक कीट है। गिड़ार शुरू की अवस्था में पत्तियों को खाकर विकसित होती है, जो बाद में ब्रोकली के तने के अगले भाग में प्रवेश कर मुलायम तने को गोलाई में काट देती हैं। जिससे पौधों में विकृति उत्पन्न हो जाती है तथा पैदावार में काफी कमी आ जाती है।

नियंत्रण-

1. रोपाई से पूर्व खेती की गहरी जुताई कर कुछ दिनों के लिए धूप में खुला छोड़ दें, जिससे कि इन कीटों की जमीन में छिपी विभिन्न अवस्थाओं जैसे- सुंडी, प्यूपा को तेज धूप व जैविक कारकों (परभक्षी एवं परजीवियों) द्वारा नष्ट किया जा सके।
2. खेत में उगे खरपतवारों व अन्य फसलों के अवशेषों को जलाकर या भूमि में दबाकर नष्ट कर दें, जिससे कि उनमें छिपे विभिन्न कीटों के अण्डों, सूड़ियों व प्यूपा अवस्थाओं को नष्ट किया जा सके।
3. कीटों के अण्डों को खड़ी फसल में पत्तियों की निचली सतह पर ध्यानपूर्वक देखें तथा दिखाई देने पर पत्तियों सहित काटकर मिट्टी में दबा दें, फसल में उपरोक्त कीटों का प्रकोप होने पर एण्डोसल्फान या क्वीनालफॉस कीटनाशी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर 10 दिनों के अन्तराल पर 2 से 3 बार छिड़काव करें।

रोग एवं नियंत्रण

आद्रगलन- यह नर्सरी में उगे छोटे पौधों में होने वाला फफूंद जनित रोग है, जो अधिक नमी व उच्च तापमान के कारण उत्पन्न होता है। रोग प्रभावित पौधे भूमि की सतह से सड़कर गिर जाते हैं।

नियंत्रण-

1. नर्सरी में बीज बोने से पहले भूमि का उपचार किसी फफूंदनाशक दवा जैसे- कैप्टान या थीरम से बुवाई के दो सप्ताह पूर्व करें, बीज को कैप्टान या बाविस्टीन से 2.5 ग्राम दवा प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचारित करके बुवाई करें।
2. नर्सरी की क्यारियों को खेत की सामान्य सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर रखें और जल निकास का उचित प्रबंध रखें।
3. पौधों में रोग के लक्षण दिखायी देने पर (बीज जमाव के 15 से 20 दिन बाद) बाविस्टीन या डायथेन एम- 45 का 2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पौध पर छिड़काव करें।

चेपा (माहू)- यह हरे मटमैले व छोटे आकार के कीट होते हैं। जो कि पौधों की पत्तियों का रस चूस लेते हैं, जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं और प्रभावित पौधों की उत्पादन क्षमता कम हो जाती है।

नियंत्रण- चेपा के प्रभावी नियंत्रण के लिए मेलाथियान, या एण्डोसल्फान दवा 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर पौधों पर अच्छी प्रकार छिड़काव करना चाहिए।

काला विगलन- मौसम में अधिक आद्रता और अधिक तापमान होने पर यह रोग तेजी से फैलता है। रोगी पौधों की पत्तियों के किनारे पर पीले रंग के धब्बे बनने लगते हैं। जो आकार में वृद्धि कर मध्यशिरा तक फैल जाते हैं। जिससे पत्तियों की शिराओं का रंग काला या भूरा हो जाता है तथा पत्तियां गिर जाती हैं।

नसरल्लाह के अंतिम संस्कार को लेकर अमेरिका-इजराइल को सता रहा डर

-हिजबुल्लाह नेता की कब्र चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत न बन जाए

वाशिंगटन,(ईएमएस)। हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद उसके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही है। इस बात की अटकलें हैं कि नसरल्लाह को इराक के कर्बला में दफनाया जा सकता है, लेकिन यह बेहद संवेदनशील है, न केवल हिजबुल्लाह और अरब देशों के लिए, बल्कि इजरायल और अमेरिका के लिए भी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नसरल्लाह का अंतिम संस्कार पूरी इस्लामिक रीति-रिवाज से किया गया, तो वह स्थान चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाएगा, जिससे आतंकवाद की नई लहर शुरू हो सकती है। इस डर के चलते अमेरिका ने 2011 में ओसामा बिन लादेन की हत्या के बाद उसके शव को समुद्र में दफना दिया था, ताकि उसकी कब्र चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत न बने। नसरल्लाह की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई थी उसके शव को लेबनान, कर्बला या ईरान के नजफ में दफनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, हिजबुल्लाह ने अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। नसरल्लाह की मौत के बाद दुनिया भर के शिया मुस्लिम समुदाय में मातम पसरा हुआ है, और उन्हें शहीद का दर्जा दिया जा रहा है। इस स्थिति पर इजरायल और अमेरिका नजर रख रहे हैं, क्योंकि इस बात की संभावना है कि नसरल्लाह का दफन करने स्थान आतंकियों के लिए नया शहीदी स्थल बन सकता है। इजरायल की रणनीति भी अमेरिका जैसी ही है, जो आतंकियों की लाशों को अज्ञात स्थानों पर दफनाते हैं ताकि उनके समर्थक उन्हें शहीद न मान लें और उनकी कब्रों को स्मारक न बना सकें। बता दें अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के शव को डीएनए टेस्ट के बाद अरबी रीति-रिवाज से नहलाया और फिर उसे समुद्र में दफन दिया था। इजरायल भी इसी नीति का पालन करता रहा है, विशेष रूप से आतंकियों के मामले में, ताकि उनकी कब्रें चरमपंथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत न बनें। नसरल्लाह की मौत से उपजी स्थिति को देखते हुए, इजरायल और अमेरिका इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं, और इस बात की संभावना है कि उनके अंतिम संस्कार को लेकर भी कोई बड़ी राजनीतिक और सामरिक हलचल हो सकती है।

अब नसरल्लाह का उत्तराधिकारी हाशेम सफीदीन पर किया इजरायल ने जबरदस्त हमला

हिजबुल्लाह कमांडर नसरल्लाह को मारने के बाद भी इजरायल चुन चुनकर अपने दुश्मनों को ढेर करने में लगा हुआ है। बेरूत में हुए ताजा इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर हाशेम सफीदीन को निशाना बनाया गया। माना जा रहा था कि नसरल्लाह की मौत के बाद हाशेम को ही हिजबुल्लाह की कमान मिलने वाली है। हालांकि, आईडीएफ या हिजबुल्लाह की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि 2017 में हाशेम सफीदीन को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया था। वह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह समूह की जिहाद परिषद का भी सदस्य है। नसरल्लाह के चचेरे भाई सफीदीन को आम तौर पर हिजबुल्लाह में नंबर दो माना जाता था और ईरानी शासन के साथ भी उसके घनिष्ठ संबंध हैं। बीती रात को इजरायल ने बेरूत पर लगातार कई हवाई हमले किए। इस बात की संभावना है कि उस समय सफीदीन एक भूमिगत बंकर में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल था। इजरायल द्वारा नसरल्लाह को मारे जाने के बाद से इस क्षेत्र में यह सबसे भारी बमबारी थी। इजरायली हमला नसरल्लाह को मारने वाले हमले से कहीं अधिक बड़ा था। इसमें कितने लोगों की जान गई है इसका अभी पता नहीं चल सका है।नसरल्लाह ने हिजबुल्लाह की परिषदों में सफीदीन को कई प्रभावशाली पदों पर नियुक्त किया था। सफीदीन कई मौकों पर समूह का प्रवक्ता भी रह चुका है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 2017 में और सऊदी अरब ने भी उसे आतंकवादी घोषित किया है।इजराइल ने यह भी दावा किया है कि उसने हाल ही में बेरूत में हिजबुल्लाह की खुफिया शाखा को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में हिजबुल्लाह के एक और अधिकारी मोहम्मद अनीसी को भी मार गिराया है।

शिया, सुन्नी और ईसाईओं का घर लेबनान.....आज अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा

फिलिस्तीन का समर्थन लेबनान की राजनीतिक और सामाजिक पहचान का अभिन्न हिस्सा रहा है। 1969 में लेबनान के पूर्व प्रधानमंत्री साएब सलाम ने कहा था, फिलिस्तीन का साथ देना लेबनान की किस्मत में है। उनका यह बयान 55 साल पुराना हो चुका है, लेकिन बयान ने आज भी लेबनान की राजनीति पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। इजराइल फिर लेबनान में घुस चुका है, जबकि लेबनान फिलिस्तीन के साथ खड़ा है, भले ही उसके अपने नागरिकों की सुरक्षा को खतरा में आ गई हो।

लेबनान, जो अपनी धार्मिक विविधता के लिए जाना जाता है, शिया, सुन्नी और ईसाई समुदायों का घर है। देश की जनसंख्या करीब 55 लाख है। 1916 में आटोमन साम्राज्य के पतन के बाद, पश्चिमी देशों ने मिडिल ईस्ट की सीमाओं को अपने हितों के अनुसार बांट दिया। फ्रांस ने 1920 में लेबनान को स्थापित किया, और आज भी वहाँ फ्रांसीसी संस्कृति का प्रभाव दिखाता है। लेबनान की धार्मिक संरचना में बदलाव आया है। 1932 की जनगणना में ईसाई 51 प्रतिशत थे, लेकिन अब उनकी संख्या घटकर 32 प्रतिशत रह गई है, जबकि शिया और सुन्नी आबादी लगभग समान है। 1943 में आजादी मिलने के बाद, देश की राजनीतिक व्यवस्था में तय हुआ कि राष्ट्रपति ईसाई होगा, प्रधानमंत्री सुन्नी होगा, और संसद का स्पीकर शिया होगा। यह व्यवस्था विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास थी, लेकिन स्थिति हमेशा स्थिर नहीं रही।

लेबनान में बाइबिल से जुड़े महत्वपूर्ण स्थल भी हैं। टायर शहर में काना गांव, जहां जीसस ने पानी को वाइन में बदला था, अब हिजबुल्लाह के नियंत्रण में है। यहाँ ईसाई और मुस्लिम दोनों वर्जिन मैरी की पूजा करते हैं, जो सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का प्रतीक है।

लेबनान ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों को अपने यहां स्थान दिया है, खासकर 1947 में इजराइल की स्थापना के बाद। इससे लेबनान को इजराइल और फिलिस्तीन के संघर्ष का मोहरा बना दिया है। अब जबकि 700 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, लेबनान का यह संघर्ष दर्शाता है कि एक छोटा सा देश किस प्रकार अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है, जो केवल उसकी राजनीतिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का भी हिस्सा है।

दक्षिण कोरिया की 81 वर्षीय मॉडल चोई ने बिखेरा जलवा

लंदन (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया की 81 वर्षीय मॉडल चोई सून-ह्वा ने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भाग लिया और रैंप पर अपने जादुई अंदाज़ से सभी को प्रभावित किया। उम्र केवल एक संख्या है, इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है मॉडल चोई सून-ह्वा ने।

इस दौरान, चोई सून-ह्वा रैंप पर अपने पोशाक की खूबसूरती से जलवे बिखेरते हुए नजर आईं, जबकि उनके आस-पास के प्रतियोगियों की उम्र उनके पोते-पोतियों के बराबर थी। यह दृश्य उपस्थित दर्शकों के लिए एक आश्चर्यजनक अनुभव था। हालांकि, चोई को मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बेस्ट ड्रेसर का पुरस्कार अपने नाम कर लिया। मोतियों से सजी सफेद गाउन पहने, चोई ने रैंप पर कदम रखा और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया गया। यह प्रतियोगिता दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के एक होटल में आयोजित की गई थी, जिसमें उन्होंने सिंगिंग कॉन्टेस्ट में भी भाग लिया। चोई ने इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए कहा, इस उम्र में भी मेरे पास अवसर को पकड़ने और चुनौती लेने का साहस था। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे देखें और महसूस करें कि जब आप अपनी मनचाही चीजें ढूंढ लेते हैं और उस सपने को हासिल करने के लिए खुद को चुनौती देते हैं तो आप स्वस्थ रह सकते हैं और जीवन में खुशी पा सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल तक, चोई के लिए इस प्रतियोगिता में भाग लेना असंभव था, क्योंकि मिस यूनिवर्स ने केवल 18 से 28 वर्ष की महिलाओं को भाग लेने की अनुमति दी थी। लेकिन इस साल, आयोजकों ने प्रतियोगिता को और अधिक समकालीन और तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया, जिसके तहत उम्र सीमा को हटा दिया गया।

इस प्रतियोगिता के आयोजकों ने कोरियाई प्रतियोगिता को और अधिक महिलाओं के लिए खुला बनाने के लिए स्विमसूट प्रतियोगिता और शिक्षा, ऊंचाई और विदेशी भाषा की जानकारी जैसे नियमों को भी समाप्त किया। 22 वर्षीय फैशन स्कूल की छात्रा हान एरियल ने इस प्रतियोगिता में मिस यूनिवर्स कोरिया का खिताब जीता है और वह नवंबर में 73वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए मैक्सिको सिटी जाएंगी।

पिकअप से जा भिड़ी महाराष्ट्र के मंत्री की गाड़ी, बाल-बाल बचे

यवतमाल(ईएमएस)। पोहरा देवी से यवतमाल की तरफ जा रहे महाराष्ट्र के पालक मंत्री संजय राठौड़ की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में राठौड़ की गाड़ी का अगला हिस्सा टूट गया। हालांकि, गनीमत रही कि किसी तरह मंत्री और उनका ड्राइवर इस हादसे में बाल-बाल बच गये।जानकारी के मुताबिक हादसा यवतमाल के दिग्रास के पास कोपरा में हुआ। पालक मंत्री संजय राठौड़ की गाड़ी एक पिकअप वाहन से टकरा गई। पिकअप में पीछे से हुई इस टक्कर के बाद पिकअप गाड़ी पलट गई और उसमें सवार ड्राइवर घायल हो गया। वहीं, मंत्री संजय राठौड़ की गाड़ी का अगला हिस्सा टूट गया। हालांकि, गाड़ी का एयर बैग खुलने से मंत्री राठौड़ और ड्राइवर बच गए।बता दें कि तीन महीने पहले जुलाई 2024 के महीने में केंद्रीय मंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद भी सड़क हादसे का शिकार हो गये थे। हादसे के समय वह अपने संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के दौरे पर थे। दुर्घटना में वह घायल हो गये थे। मंत्री की गाड़ी काफिले में चल रही एक गाड़ी से टकरा गई थी। जितिन प्रसाद सहित रसोइया और निजी सचिव इस हादसे में घायल हो गये थे।

केन्या है तो छोटा देश लेकिन किसान नई तकनीक अपना हो रहे मालामाल

नैरोबी,(ईएमएस)। पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या की आबादी 5.4 करोड़ है। यह देश कृषि के लिए 17 फीसदी उर्वर भूमि क्षेत्र का मालिक है। यहां की ज्यादातर खेती बारिश पर निर्भर है लेकिन अब केन्या के किसानों ने खेती करने की तकनीकी में बदलाव की ओर कदम बढ़ाया है। छोटे किसान अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए से अपनी फसलों से ज्यादा पैदावार ले रहे हैं और कम उर्वरक और कीटनाशक का इस्तेमाल कर पैसे भी बचा रहे हैं।

किसान एआई चैटबॉट्स की मदद से खाद डालने, कीटनाशक का छिड़काव, फसलों में बीमारियों की पहचान और जरुरी सलाह ले रहे हैं। इन चैटबॉट्स के जरिए से किसान अपनी पैदावार में सुधार कर रहे हैं। चैटबॉट की सलाह मानने पर एक किसान को 1 एकड़ जमीन से 7.3 टन कॉफी का उत्पादन हुआ, जो उनके लिए अब तक का सबसे अच्छा उत्पादन था। इसी तरह, अन्य किसान भी एआई तकनीक से लाभान्वित हो रहे हैं। वह प्लांट विलेज एप का उपयोग करके अपनी फसल पर लगे कीटों की पहचान कर रहे हैं। इस एप के जरिए उन्हें फॉल आर्मीवर्म की पहचान हुई और उसे नियंत्रित करने की सलाह मिली।

इस बदलाव ने केन्या के किसानों के लिए खेती के तरीके को एक नई दिशा दी है। एआई और मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए से उन्हें समय पर सही फैसला लेने में मदद मिल रही है। इससे न केवल उनकी फसल उत्पादन बढ़ रहा है, बल्कि कृषि लागत में भी कमी आ रही है। किसान अब तकनीकी सहायता का लाभ उठाकर अधिक फसलों की पैदावार के साथ-साथ बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। इस बदलाव से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य में कृषि क्षेत्र में और ज्यादा नवाचारों की जरुरत है, जिससे खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके।

न्यूजर्सी में 18 वर्षीय युवक गिरफ्तार, मॉल के बाथरूम में छिपाए थे कैमरे

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। हाल ही में न्यूजर्सी में एक 18 वर्षीय युवक एंडी कार्डेनास को गिरफ्तार किया गया, जिसने लोगों के प्राइवेट मोमेंट्स को रिकॉर्ड करने के लिए मॉल के बाथरूम में कैमरे छिपा दिए थे। इस प्रकार की घटना ने न केवल पीड़ितों की जिंदगी बर्बाद की, बल्कि समाज में प्राइवेसी के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे को भी उजागर किया है। एंडी कार्डेनास की गिरफ्तारी उस समय हुई जब एक महिला ने न्यूपोर्ट सेंटर मॉल के जेसी पेनी स्टोर के बाथरूम में कैमरा देखा। महिला ने तुरंत प्रशासन को सूचित किया, जिसने मौके पर पहुंचकर कैमरा जब्त किया। जब पुलिस ने कैमरे की जांच की, तो उन्हें पता चला कि युवक ने विभिन्न बाथरूम में कई कैमरे लगाए थे और दर्जनों लोगों के प्राइवेट पल रिकॉर्ड किए थे। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि कैमरों में 35 महिलाओं और चार नाबालिग लड़कियों के वीडियो शामिल थे। इसके अलावा, एक वीडियो में एक कपल को बाथरूम में रोमांटिक पल बिताते हुए भी रिकॉर्ड किया गया था। यह जानकर पुलिस को और भी हैरानी हुई कि युवक ने कुछ कैमरे प्राइवेट घरों के बाथरूम में भी छिपाए थे। अधिकारियों ने बताया कि एंडी की तस्वीर एक वीडियो में कैद हो गई थी, जो उसकी पहचान में मददगार साबित हुई। हालांकि, पुलिस को यह जानने में कठिनाई हुई कि युवक यह आपराधिक कृत्य कितने समय से कर रहा था, क्योंकि वीडियो में किसी प्रकार की डेट या टाइम नहीं था। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि समाज में प्राइवेसी का उल्लंघन कितनी गंभीर समस्या बनती जा रही है। इस प्रकार के कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि निर्दोष लोगों की ज़िंदगी और प्रतिष्ठा को बर्बाद होने से बचाया जा सके। इस घटना ने पुलिस और समुदाय को जागरूक करने की आवश्यकता को भी उजागर किया है, ताकि ऐसी घिनौनी हरकतों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

ईरान में जहरीली शराब पीने से 26 की मौत, कई गंभीर

तेहरान (ईएमएस)। ईरान में शराब पीने पर प्रतिबंध होने के बावजूद लोग चोरी-छिपे घरों में शराब बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में माजदरान, गिलान और हमादान प्रांतों में ऐसी ही एक कोशिश में 26 लोगों की जान चली गई। इन लोगों ने मेथेनॉल मिलाकर शराब बनाने की कोशिश की, जो अंततः उनके लिए जहर बन गई। ईरान की सरकारी मीडिया इरना के अनुसार, सैकड़ों लोगों ने इस जहरीली शराब का सेवन किया, जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी। कई लोग तुरंत बेहोश हो गए और उन्हें फौरन अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन 26 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके बावजूद, कई ईरानी तस्करों से शराब मंगवाते हैं या फिर यूट्यूब और सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो देखकर खुद ही शराब बनाने का प्रयास करते हैं। मेथेनॉल, जो कि एक विषैले पदार्थ के रूप में जाना जाता है, का मिलाना कई लोगों के लिए जानलेवा साबित हुआ है। हाल के वर्षों में, शराब से संबंधित ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें लोगों की मौत हो चुकी है। 2020 में इसी तरह की जहरीली शराब पीने से 700 लोगों की मौत हुई थी। ईरान में शराब पीने वालों में केवल पुरुष नहीं, बल्कि महिलाएं भी शामिल हैं, जो बैन के बावजूद चोरी-छिपे शराब का सेवन करती हैं। रेस्टोरेंट्स में भी शराब की बिक्री होती है, लेकिन इसके लिए मोटी रकम वसूली जाती है। यह घटना एक बार फिर से इस बात की ओर इशारा करती है कि जब तक लोग अवैध रूप से शराब का सेवन करते रहेंगे, तब तक ऐसे खतरनाक परिणाम सामने आते रहेंगे।

मिसाइल प्रोजेक्ट चीफ महमूद यूसुफ अनीसी इजरायल ने हमला कर किया ढेर

तेल अवीव(ईएमएस)। इजरायली रक्षा बलों ने दावा किया है कि हिज्बुल्लाह की मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट के चीफ एक्सपर्ट महमूद यूसुफ अनीसी को मार गिराया है। इजरायली सेना ने इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर बेरूत में यह ऑपरेशन चलाया था। आईडीएफ के मुताबिक महमूद यूसुफ अनीसी के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव था। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा, महमूद यूसुफ अनीसी ने 15 वर्षों से अधिक समय तक हिज्बुल्लाह के लिए रणनीतिक हथियारों के विकास पर सक्रिय रूप से काम किया। वह टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हिज्बुल्लाह के प्रमुख विशेषज्ञों में से एक बन गया और अपने अनुभव का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हथियार निर्माण में करने लगा। वहीं दूसरी तरफ खबर आई की हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माने जा रहे हाशिम सफीद्दीन को भी इजरायल ने निशाना बनाया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि इजरायल ने बेरूत में एक हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी हाशिम सफीद्दीन को निशाना बनाया, जिसे ईरान समर्थित मिलिशिया समूह का अगला चीफ माना जा रहा है।

अरब देश भी नहीं चाहते क्षेत्र में युद्ध बढ़े, शांति की कर रहे अपील

तेल अवीव,(ईएमएस)। मिडल ईस्ट में तनाव जारी है। पिछले तीन दिनों में जिस तरह के घटनाक्रम हुए हैं, उन्होंने दुनिया को दो ध्रुवों में बांट दिया है। एक तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पश्चिमी देश इजराइल के साथ खड़े हैं, तो वहीं ओमान, बहरीन, कतर, सऊदी अरब, यूएई और खाड़ी के छह देशों वाले संगठन जीसीसी यानी गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल ने लेबनान की संप्रभुता का समर्थन किया है। हालांकि जानकारों का मानना हैं कि क्षेत्र में जो संघर्ष चल रहा है, उसमें अरब देश शामिल होना नहीं चाहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार कहते हैं कि ऐसा नहीं लगता कि संघर्ष में कोई देश इंगेज होंगे। लेबनान की संप्रभुता का समर्थन करना और इजराइल का विरोध करना अरब वर्ल्ड की मजबूरी है। फलस्तीन के हालात को लेकर वहां जनता के बीच सॉलिडैरिटी का प्रेशर बढ़ा है। ऐसे में अरब देश ये चाहते हैं कि ईरान पर हमला ना हो क्योंकि ऐसा होता है तो ये पूरे क्षेत्र में फैल जाएगा। इसके अलावा अरब देशों के पास फाइटिंग फोर्स भी नहीं है, उनकी सेना कमजोर है। इसलिए जोर इस बात पर है कि संघर्ष ना फैले और तनाव रुक जाए। जानकारों का कहना है कि ईरान भी शुरू से नहीं चाहता था कि वह एक सक्रिय जंग का हिस्सा बने, खासतौर से नए राष्ट्रपति की छवि सुधारवादी नेता की है, ऐसे में वह नहीं चाहते थे कि किसी संघर्ष में उलझे। हिज्बुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह ने सीजफायर के लिए सकारात्मक संकेत दिए थे और इस संदेश को अमेरिका और फ्रांस तक पहुंचाया था। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया क्योंकि नेतन्याहू इस जंग में इतना आगे निकल चुके थे कि वह पीछे लौटना नहीं चाहते हैं। अगर इजरायल ईरान पर अटैक करता है तो यह ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम में एक मील का पत्थर होगा। ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर आक्रामक रणनीति की दिशा में काम करेगा और परमाणु बम बनाने की दिशा में भी काम करेगा और इसके लिए स्पष्टीकरण देने की कोशिश करेगा कि उसे इजरायल से खतरा है।

यूं भी फलस्तीन अरब देशों में एक भावनात्मक मुद्दा है। ऐसे में वे चाहेंगे कि किसी तरह से जंग रुक जाए। ईरान अगर इजरायल पर हमला करता है तो सबको मालूम है कि किसका पलड़ा भारी है, क्षेत्र में कौन डोमिनेट करेगा, ऐसे में क्षेत्र के हालात पूरी तरह बदल जाएंगे। ऐसी स्थिति में ऐसा लगता नहीं कि पश्चिमी देश ईरान के साथ उस तरह के संघर्ष में इंगेज होंगे जैसा कि इराक के मामले में देखने को मिला था।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग एक अज्ञात स्थल पर स्पेशन ऑपरेशन ग्रुप के कमांडो से मिलते हुए।

नवाज शरीफ ने कहा- इमरान तो मध्य एशियाई हमलावरों की तरह व्यवहार कर रहे

लाहौर(ईएमएस)। पाकिस्तान में सियासी टकरार एक बार फिर बढ़ने लगी है। इसकी शुरुआत खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत के बीच बढ़ते जातीय तनाव से हुई।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के प्रमुख नवाज शरीफ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे मध्य एशियाई हमलावरों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।लाहौर में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए, शरीफ ने इमरान खान पर हमला करते हुए कहा, आप (इमरान खान) मध्य एशिया के हमलावरों की तरह व्यवहार कर रहे हैं जो प्राचीन काल में पंजाब पर हमला करते थे। उन्होंने सुझाव दिया कि इमरान को केपी के लोगों को उकसाने के बजाय उनकी सेवा पर ध्यान देना चाहिए। शरीफ ने यह भी कहा कि खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है, क्योंकि उनका ध्यान केवल सड़कों पर दंगे और विरोध प्रदर्शन करने पर है। यह विवाद खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की धमकियों के संदर्भ में उभरा है। गंडापुर ने पंजाब सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पीटीआई की रैलियों को रोकने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया! यह नकली पंजाब सरकार अब हमारे लोगों पर हमला नहीं कर पाएगी। गंडापुर ने यह भी कहा कि यदि पंजाब सरकार उनके लोगों पर आंसू गैस या गोलियां चलाएगी, तो वे दोगुनी ताकत से जवाब देंगे।

इंडोनेशिया में भूकंप का झटका, कोई नुक्सान नहीं

जकार्ता,(ईएमएस)। इन दिनों दुनियां के अलग-अलग हिस्सों में भूकंप के मामले बढ़ते नजर आए हैं। वैसे कुछ ऐसे भी देश हैं जहाँ भूकंप के झटके महसूस वक्त-वक्त पर होते रहते हैं। इनमें इंडोनेशिया भी शामिल है, जहां शुक्रवार तड़के भूकंप आया है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.8 मापी गई है। भूकंप के इस झटके से किसी तरह के कोई जान-माल के नुक्सान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के संबंध में बताया गया है कि भूकंप इंडोनेशिया के टोबेलो से 119 किलोमीटर नॉर्थ में आया है। भारतीय समयानुसार इंडोनेशिया में शुक्रवार 4 अक्टूबर तड़के 2 बजकर 23 मिनट पर भूकंप का झटका आया। इंडोनेशिया की जियोफ़िज़िक्स एजेंसी ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया है कि आज आए इस भूकंप की गहराई 157.8 किलोमीटर रही है। भूकंप का केंद्र ज्यादा गहराई में होने से इसका हल्का झटका ही संबंधित क्षेत्रों के साथ ही आसपास के इलाकों में भी महसूस किया गया है। सुकून की बात यह है कि इस भूकंप से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में भारतवंशियों की भूमिका महत्वपूर्ण

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में भारतवंशियों की भूमिका चुनाव के दौरान बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। बराक ओबामा जब राष्ट्रपति बने थे। उसके बाद से अमेरिका में भारतवंशियों की नियुक्ति महत्वपूर्ण पदों पर होने लगी। उसके बाद यह क्रम चलता रहा। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में 80 भारतवंशियों की नियुक्ति महत्वपूर्ण पदों पर की गई थी। राष्ट्रपति जो वाईडेन के कार्यकाल में लगभग 150 भारतवंशियों की नियुक्ति महत्वपूर्ण पदों पर की गई थी। राष्ट्रपति जो वाईडेन ने उपराष्ट्रपति के पद पर कमला हैरिस को आगे बढ़ाया था।

अमेरिका में सूत्रों का कहना है, कि कमला हैरिस और ट्रंप की प्रचार टीम के मुताबिक राष्ट्रपति पद के लिए दोनों प्रत्याशियों ने अपने शेडो कैबिनेट की रूपरेखा तैयार कर ली है। चुनाव में चाहे कमला हैरिस जीते, या पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव जीतें। अमेरिका मैं भारतवंशियों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होगी। 150 से 180 भारतवंशियों को महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जाएगा। कैबिनेट में कम से कम 4 से 5 भारत वंशियों को स्थान मिलना तय है।

अमेरिका के आसमान में दिखा विशालकाय पोस्टर, बांग्लादेश के हिंदुओं पर हमले को लेकर विरोध

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। अमेरिका के हिंदुओं के समूहों ने न्यूयॉर्क में एक विशालकाय एयरलाइन बैनर फहराया। इस बैनर में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए वैश्विक समुदाय से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की गई थी। यह बैनर हडसन नदी के ऊपर फहराया गया और इसने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के चारों ओर चक्कर भी लगाया। बांग्लादेश हिंदू समुदाय के सीतांगशु गुहा और बैनर के इस कार्यक्रम आयोजकों में से एक ने इस खतरे के बारे में बात करते हुए कहा, बांग्लादेश में हिंदू खत्म होने के कगार पर हैं। उम्मीद है कि इससे दुनिया में जागरूकता बढ़ेगी और संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश में उग्रवादी इस्लामी ताकतों के पीड़ितों को बचाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर बांग्लादेश हिंदू मुक्त हो जाता है तो यह अफ़गानिस्तान 2.0 बन जाएगा और आतंकवादी पड़ोसी भारत और पश्चिम सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल जाएंगे। यह समस्या सबके लिए है।

अमेरिका के न्यू जर्सी में श्री गीता संघ के संस्थापक सुरजीत चौधरी ने बांग्लादेश सरकार से हिंदू समुदाय के खिलाफ सभी हिंसा को रोकने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को दूर करने का आग्रह किया। मानवीय संस्थाएं बांग्लादेश में बिगड़ती स्थितियों पर बारीकी से नज़र रख रही हैं। उन्हें डर है कि बढ़ती हिंसा बड़े पैमाने पर नरसंहार का कारण बन सकती है। जब तक कि हिंसा बंद नहीं हो जाती और अपराधियों को सजा नहीं मिलती अमेरिकियों से बांग्लादेशी कपड़ो का बहिष्कार करने की भी अपील की जा रही है जो देश की निर्यात आय का 85 प्रतिशत हिस्सा है। बांग्लादेशी कपड़ो के प्रमुख खरीदारों में शामिल वॉलमार्ट, एचएंडएम, गैप इंक।, टारगेट, पीवीएच कॉर्प और वीएफ कॉरपोरेशन के अधिकारियों से बांग्लादेश से शिपमेंट रोकने की अपील की गई है। अमेरिका में यहूदी समुदाय ने भी हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ एकजुटता दिखाई है। गौरतलब है कि 2022 में अमेरिकी कांग्रेस के रिज़ॉल्यूशन के मुताबिक बांग्लादेश में 1971 के नरसंहार के दौरान 2।8 मिलियन लोगों की मौत हुई थी और कम से कम 2 लाख हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। तब से बांग्लादेश की हिंदू आबादी 1971 में 20 प्रतिशत से घटकर आज केवल 8।9 प्रतिशत रह गई है। हिंसा, लिंचिंग, नाबालिग लड़कियों के अपहरण, और जबरन नौकरी से इस्तीफा देने की हालिया घटनाओं के बीच लगभग 2 लाख से अधिक हिंदू प्रभावित हुए हैं। साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की गई है। यह देश में रहने वाले 13 से 15 मिलियन हिंदुओं के लिए एक गंभीर खतरा है। 5 अगस्त 2024 से हिंदुओं पर लगभग 250 हमले और 1,000 से अधिक ऐसी घटनाएं सामने आईं हैं।

भारत के सबसे दक्षिण छोर पर बसा कन्याकुमारी वर्षों से कला, संस्कृति, सभ्यता का प्रतीक रहा

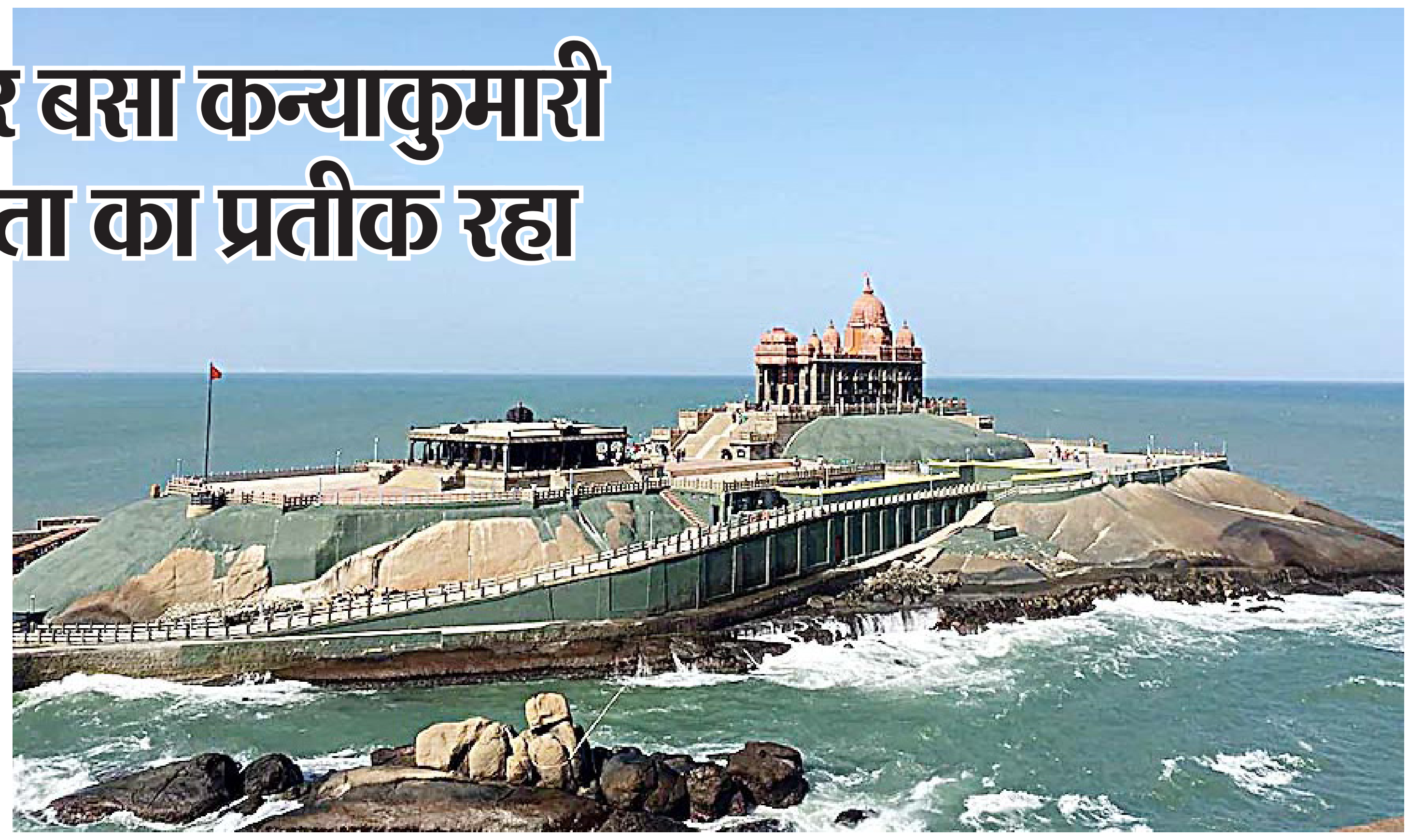

सागर के मुहाने के दाईं और स्थित यह एक छोटा सा मंदिर है जो पार्वती को समर्पित है। मंदिर तीनों समुद्रों के संगम स्थल पर बना हुआ है। यहां सागर की लहरों की आवाज स्वर्ग के संगीत की भांति सुनाई देती है। भक्तगण मंदिर में प्रवेश करने से पहले त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाते हैं जो मंदिर के बाईं ओर 500 मीटर की दूरी पर है।

कन्याकुमारी में एक व्यक्ति समुद्र की और मुख किये कहता हैं की यहाँ भारत की सीमा समाप्त और वही जब पलटकर देखता हैं तो कहता हैं की यहाँ से भारत शुरू। कन्या कुमारी तमिलनाडु प्रान्त के सुदूर दक्षिण तट पर बसा एक शहर है। यह हिन्द महासागर, बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर का संगम स्थल है, जहां भिन्न सागर अपने विभिन्न रंगो से मनोरम छटा बिखेरते हैं। भारत के सबसे दक्षिण छोर पर बसा कन्याकुमारी वर्षों से कला, संस्कृति, सभ्यता का प्रतीक रहा है। भारत के पर्यटक स्थल के रूप में भी इस स्थान का अपना ही महत्त्व है। दूर-दूर फैले समुद्र के विशाल लहरों के बीच यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा बेहद आकर्षक लगता हैं। समुद्र बीच पर फैले रंग बिरंगी रेत इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देता है।

इतिहास

कन्याकुमारी दक्षिण भारत के महान शासकों चोल, चेर, पांड्य के अधीन रहा है। यहां के स्मारकों पर इन शासकों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। इस जगह का नाम कन्याकुमारी पड़ने के पीछे एक पौराणिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने असुर बानासुरन को वरदान दिया था कि कुंवारी कन्या के अलावा किसी के हाथों उसका वध नहीं होगा। प्राचीन काल में भारत पर शासन करने वाले राजा भरत? को आठ पुत्री और एक पुत्र था। भरत ने अपना साम्राज्य को नौ बराबर हिस्सों में बांटकर अपनी संतानों को दे दिया। दक्षिण का हिस्सा उसकी पुत्री कुमारी को मिला। कुमारी को शक्ति देवी का अवतार माना जाता था। कुमारी ने दक्षिण भारत के इस हिस्से पर कुशलतापूर्वक शासन किया। उसकी ईच्छा थी कि वह शिव से विवाह करें। इसके लिए वह उनकी पूजा करती थी। शिव विवाह के लिए राजी भी हो गए थे और विवाह की तैयारियां होने लगीं थी। लेकिन नारद मुनि चाहते थे कि बानासुरन का कुमारी के हाथों वध हो जाए। इस कारण शिव और देवी कुमारी का विवाह नहीं हो पाया। इस बीच बानासुरन को जब कुमारी की सुंदरता के बारे में पता चला तो उसने कुमारी के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा। कुमारी ने कहा कि यदि वह उसे युद्ध में हरा देगा तो वह उससे विवाह कर लेगी। दोनों के बीच युद्ध हुआ और बानासुरन को मृत्यु की प्राप्ति हुई। कुमारी की याद में ही दक्षिण भारत के इस स्थान को कन्याकुमारी कहा जाता है। माना जाता है कि शिव और कुमारी के विवाह की तैयारी का सामान आगे चलकर रंग बिरंगी रेत में परिवर्तित हो गया।

कन्याकुमारी अम्मन मंदिर-

सागर के मुहाने के दाई और स्थित यह एक छोटा सा मंदिर है जो पार्वती को समर्पित है। मंदिर तीनों समुद्रों के संगम स्थल पर बना हुआ है। यहां सागर की लहरों की आवाज स्वर्ग के संगीत की भांति सुनाई देती है। भक्तगण मंदिर में प्रवेश करने से पहले त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाते हैं जो मंदिर के बाई ओर 500 मीटर की दूरी पर है। मंदिर का पूर्वी प्रवेश द्वार को हमेशा बंद करके रखा जाता है क्योंकि मंदिर में स्थापित देवी के आभूषण की रोशनी से समुद्री जहाज इसे लाइटहाउस समझने की भूल कर बैठते है और जहाज को किनारे करने के चक्कर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाते है।

गांधी स्मारक-

यह स्मारक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को समर्पित है। यही पर महात्मा गांधी की चिता की राख रखी हुई है। इस स्मारक की स्थापना 1956 में हुई थी। महात्मा गांधी 1937 में यहां आए थे। उनकी मृत्यु के बाद 1948 में कन्याकुमारी में ही उनकी अस्थियां विसर्जित की गई थी। स्मारक को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर सूर्य की प्रथम किरणें उस स्थान पर पड़ती हैं जहां महात्मा की राख रखी हुई है।

तिरूवल्लुवर मूर्ति-

तिरुक्कुरुल की रचना करने वाले अमर तमिल कवि तिरूवल्लुवर की यह प्रतिमा पर्यटकों को बहुत लुभाती है। 38 फीट ऊंचे आधार पर बनी यह प्रतिमा 95 फीट की है। इस प्रतिमा की कुल उंचाई 133 फीट है और इसका वजन 2000 टन है। इस प्रतिमा को बनाने में कुल 1283 पत्थर के टुकड़ों का उपयोग किया गया था।

विवेकानंद रॉक मेमोरियल-

समुद्र में बने इस स्थान पर बड़ी संख्या में पर्यटक आते है। इस पवित्र स्थान को विवेकानंद रॉक मेमोरियल कमेटी ने 1970 में स्वामी विवेकानंद के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए बनवाया था। इसी स्थान पर स्वामी विवेकानंद गहन ध्यान लगाया था। इस स्थान को श्रीपद पराई के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस स्थान पर कन्याकुमारी ने भी तपस्या की थी। कहा जाता है कि यहां कुमारी देवी के पैरों के निशान मुद्रित हैं। इस स्मारक के विवेकानंद मंडपम और श्रीपद मंडपम नामक दो प्रमुख हिस्से हैं।

सुचिन्द्रम-

यह छोटा-सा गांव कन्याकुमारी से लगभग 12 किमी दूर स्थित है। यहां का थानुमलायन मंदिर काफी प्रसिद्ध है। मंदिर में स्थापित हनुमान की छह मीटर की उंची मूर्ति काफी आकर्षक है। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में ब्रह्मा, विष्णु और महेश जोकि इस ब्रह्मांड के रचयिता समझे जाते है उनकी मूर्ति स्थापित है। यहां नौवीं शताब्दी के प्राचीन अभिलेख भी पाए गए हैं। कन्याकुमारी में घूमने की जगह-विवेकानन्द शिला, विवेकानन्द की मूर्ति एवं विवेकानन्द मठ ।

नागराज मंदिर-

कन्याकुमारी से 20 किमी दूर नगरकोल का नागराज मंदिर नाग देव को समर्पित है। यहां भगवान विष्णु और शिव के दो अन्य मंदिर भी हैं। मंदिर का मुख्य द्वार चीन की बुद्ध विहार की कारीगरी की याद दिलाता है।

पदमानभापुरम महल-

पदमानभापुरम महल की विशाल हवेलियां त्रावनकोर के राजा द्वारा बनवाया हैं। ये हवेलियां अपनी सुंदरता और भव्यता के लिए जानी जाती हैं। कन्याकुमारी से इनकी दूरी 45 किमी है। यह महल केरल सरकार के पुरातत्व विभाग के अधीन हैं।

कोरटालम झरना-

यह झरना 167 मीटर ऊंची है। इस झरने के जल को औषधीय गुणों से युक्त माना जाता है। यह कन्याकुमारी से 137 किमी दूरी पर स्थित है।

तिरूचेन्दूर-

85 किमी दूर स्थित तिरूचेन्दूर के खूबसूरत मंदिर भगवान सुब्रमण्यम को समर्पित हैं। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित इस मंदिर को भगवान सुब्रमण्यम के 6 निवासों में से एक माना जाता है।

उदयगिरी किला-

कन्याकुमारी से 34 किमी दूर यह किला राजा मरतड वर्मा द्वारा 1729-1758 ई. दौरान बनवाया गया था। इसी किले में राजा के विश्वसनीय यूरोपियन दोस्त जनरल डी लिनोय की समाधि भी है। यह एक ऐसा अनुपम स्थल हैं जहाँ आप सूर्योदय और सूर्यास्त का भी लुफ्त उठा सकते हैं जो अपने आप में मनोरम होता हैं।

शेपवेअर खरीदते समय कुछ बातों का रखें ध्यान

बढ़ते वजन से आजकल कई महिलाएं परेशान हैं। इसके लिए वे डायटिंग, ट्रेडमिल, योगा और आदि का सहारा ले रही हैं। पर अगर आप सोचती हैं कि रातों-रात आपका वजन घट जाएगा और आप स्लिम-ट्रिम हो जाएंगी तो ऐसा बिलकुल नहीं है हां शेपवेअर का इस्तेमाल कर आप अपना बेली फैट घटाकर स्लिम दिख सकती हैं पर शेपवेअर खरीदने इन जरूरी बातों का ध्यान रखें

सही साइज का खरीदें

जरूरत से ज्यादा पतली दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं और लड़कियां छोटे साइज का शेपवेअर खरीद लेती हैं। इससे आपको असुविधा और कष्ट भी होने लगता है। इतना ही नहीं, अगर आप अपने साइज से एक साइज बड़ा शेपवेअर खरीदेंगी तो अपने शरीर का फैट छिपाने का और पतला दिखने का आपका मकसद पूरा ही नहीं होगा। लिहाजा यह बेहद जरूरी है कि आपको अपना सही साइज पता हो और आप उसी साइज का शेपवेअर खरीदें।

खरीदने से पहले ट्रायल जरूर करें

ऑनलाइन भले ही कितनी भी अच्छी डील क्यों न मिल रही हो लेकिन आपको शेपवेअर ऑनलाइन नहीं खरीदना चाहिए। शेपवेअर को हमेशा ट्रायल करने के बाद ही खरीदना चाहिए ताकि साइज की दिक्कत न हो। अगर आप अपने साइज को लेकर आश्वस्त हैं उसके बाद भी आपको शेपवेअर को ट्रायल करने के बाद ही खरीदना चाहिए क्योंकि कई बार अलग-अलग कंपनियों का साइज अलग-अलग होता है।

सिट ऐंड टेस्ट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण टेस्ट है। जब भी शेपवेअर खरीदने से पहले ट्रायल करें तो बैठकर जरूर देख लें। ऐसा करने से आपको यह पता चल जाएगा कि आप उस शेपवेअर में कितना कंफर्टेबल महसूस कर रही हैं और इसे पहनकर आप देर तक रह पाएंगी या नहीं। अगर शेपवेअर पहनकर आपको अनईजी या जकड़न जैसा महसूस हो रहा हो तो इसका मतलब है कि यह आपके साइज का नहीं है।

अपनी जरूरत के मुताबिक खरीदें

अगर आप शेपवेअर खरीदने जा रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपकी जरूरत क्या है। अगर आप सिर्फ अपने फिगर की आउटर लाइन्स को हाइलाइट करने के लिए शेपवेअर खरीद रही हैं तो लाइटर फैब्रिक का शेपवेअर खरीदें। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपका फिगर ट्रांसफॉर्मेशन हो जाए तो शेपवेअर का फैब्रिक हेवी कॉन्टेंट वाला नाइलॉन और कम्प्रेशन जोन वाला होना चाहिए।

क्रोमो थेरेपी में भी बना सकते हैं करियर

एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने मरीज की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

आज कल क्रोमो थेरेपी से इलाज की एक वैकल्पिक विधि सामने आई है। इसमें इलाज के लिए सौर स्पेक्ट्रम के सात रंगों बैंगनी, इंडिगो, नीले, हरे, पीले, नारंगी, लाल का उपयोग किया जाता है।

स्किल्स

अगर आप क्रोमोथेरेपी में करियर बनाना चाहते हैं तो आपमें कुछ स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपमें इस क्षेत्र में काम करने की रूचि होनी चाहिए। साथ ही लोगों की मदद करने का जज्बा होना चाहिए। एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने मरीज की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

योग्यता

क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास क्रोमोथेरेपी में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ-साथ बायोलॉजी, केमिस्टी और फिजिक्स में ज्ञान होना जरूरी है। भारत में केवल कुछ ही इंस्टीट्यूट क्रोमोथेरेपी का कोर्स कराते हैं। इन अधिकतर इंस्टीट्यूटट में पांच वर्षीय बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) पाठ्यक्रम के जरिए क्रोमोथेरेपी के बारे में सिखाया जाता है। इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपका 12वीं पास होना चाहिए। वहीं कलर थेरेपी में डिप्लोमा व बैचलर कोर्स की अवधि छह महीने से एक साल है। वहीं बैचलर सर्टिफिकेशन कोर्स दो साल का होता है।

संभावनाएं

एक क्वालिफाइड क्रोमोथेरेपिस्ट हॉस्पिटल्स से लेकर नेचुरोपैथी क्लिनकि, हेल्थ सेंटर्स में काम कर सकता है। इसके अलावा आप खुद का थेरेपी क्लिनकि भी खोल सकते हैं। वहीं आप रिसर्च वर्क से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर एजुकेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी

क्रोमोथेरेपिस्ट की आमदनी उनके स्किल्स और उनके अनुभव के आधार पर तय होती है। अधिकांश क्रोमोथेरेपिस्ट प्रतिघंटे के आधार पर शुल्क तय करते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
महेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

टैटू बनवाया है तो इसकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी

आजकल युवाओं में टैटू बनाना फैशन के साथ ही स्टेटस सिंबल भी बनता जा रहा है पर क्या आपके इसके खतरे जानते हैं।

टैटू का शौक रखते हैं और नया-नया टैटू बनवाया है तो इसकी खास देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। खासकर 24 घंटे तो इसकी विशेष देखभाल जरूरी है। टैटू आर्टिस्ट भी सलाह देते हैं कि टैटू गुदबाते समय बैक्टिरियल संक्रमण से बचाना बहुत जरूरी है। इनके अनुसार टैटू बनवाने के बाद कई सावधानियों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

24 घंटे तक इस पर पट्टी बंधी होनी चाहिए क्योंकि इतने पर तक इस पर बैक्टैरियल इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए टैटू वाली सतह को धूल और हर तरह के

इंफेक्शन से बचाने की जरूरत है। 24 घंटे बाद पट्टी हटाने के बाद हल्के ठंडे या गुनगुने पानी से टैटू एरिया को धोना चाहिए। इसे बिल्कुल भी न खरोंचें किसी भी तरह की सक्रैचिंग करने से बचें। अगर 24 घंटे बाद इसमें कुजली होती है तो डॉक्टर को दिखाएं।

पहले तीन दिन तक इसमें प्रोएक्टिव ऑइनमेंट लगाएं। इसके अलावा लोशन और माइश्चराइजर लगाने से भी बचें।

टैटू वाले एरिया पर खुशबू वाला लोशन लगाने से बचें, क्योंकि इसमें अल्कोहल होता है।

इसके अलावा इसे धूप से बचाकर रखें, क्योंकि धूप से टैटू का रंग कमजोर हो जाता है।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार

अबतक जीते हैं 14 में से 13 मैच

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम अब 6 अक्टूबर से बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलने उतरेगी। इसका पहला मैच 6 अक्टूबर से शुरु होगा। टेस्ट सीरीज की तरह ही इसमें भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनो ही टीमों के बीच अभी तक 14 टी20 मैच हुए हैं जिसमें बांग्लादेश ने केवल एक ही मैच जीता है। वहीं भारतीय टीम ने 13 मैच जीते हैं। दोनों ही टीमों के बीच अंतिम टी20 मुकाबला इसी साल जून में हुआ था जिसे भारतीय टीम ने जीता था। वहीं भारतीय टीम को अबतक केवल एक हार साल 2019 में मिली थी। यह मैच दिल्ली में हुआ था और भारतीय टीम ने इसमें 6 विकेट खोकर 148 रन बनाए थे। इसके बाद बांग्लादेश ने केवल तीन विकेट के नुकसान पर ही ये लक्ष्य प्राप्त कर लिया था। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक रन रोहित शर्मा के नाम हैं। रोहित ने 13 मैचों में 36.69 की औसत के साथ 477 रन बनाए हैं। रोहित हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कारण अब भारतीय टीम में नहीं हैं। वहीं, बांग्लादेश की ओर से सब्बीर रहमान ने भारत के खिलाफ 6 टी20 मैचों में सबसे अधिक 236 रन बनाए हैं। दोनो देशों के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक 9 विकेट युजवेंद्र चहल ने लिए हैं। चहल ने 6 मैचों में यह विकेट लिए हैं। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ एक टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट दीपक चाहर के नाम 8 विकेट हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश की बात करें तो तेज गेंदबाज अल-अलीम-हुसैन ने भारतीय टीम के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे अधिक 8 विकेट लिए हैं। यह विकेट उन्होंने 7 मैचों में लिए हैं। इस बार भारतीय टीम में रोहित के अलावा विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा।

भारत-बांग्लादेश पहले टी20 के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये

भारत और बांग्लादेश के बीच यहां होने वाले 6 अक्टूबर को होने वाले पहले टी20 क्रिकेट मैच के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ हिंदू महासभा के इसी दिन ग्वालियर बंद के आह्वान को देखते हुए ही इस मैच के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। जिससे इसका आयोजन सही प्रकार से हो सके। अधिकारियों के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में विरोध प्रदर्शन और विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री के प्रसार पर पर पाबंदी लगा दी है।
यह आदेश 7 अक्टूबर तक जारी रहेंगे। हिंदू महासभा ने कुछ समय पहले ही मैच के आयोजन का विरोध करते हुए कहा था कि इसे नहीं होने दिया जाएगा। इसके अलावा उसे जुड़े अन्य संगठनों ने भी विरोध प्रदर्शन की धमकी दी है जिसके मद्देनजर यह फैसला किया गया।
प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर रुचिका चौहान ने पुलिस अधीक्षक की सिफारिश पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा आदेश जारी किए। इस आदेश के अनुसार जिले की सीमा के भीतर कोई भी व्यक्ति यदि सोशल मीडिया मंच के जरिए मैच में बाधा डालता है या धार्मिक भावनाओं को भड़काता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मैच में आप कुछ चीजें स्टेडियम में नहीं ले जा पाएंगे। इसमें आपत्तिजनक या भड़काऊ भाषा और संदेश वाले बैनर, पोस्टर, कट-आउट, झंडे और अन्य चीजों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

ओटीटी के जरिये मुफ्त में देख सकते हैं भारत-बांग्लादेश टी20 सीरीज

भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली टी20 सीरीज का पहला टी20 6 अक्टूबर को, दूसरा 9 अक्टूबर को और तीसरा टी20 12 अक्टूबर को खेला जाएगा। इन मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। ऐसे में आप मुफ्त में ओटीटी के जरिए इन मैचों को देख सकते हैं। भारत-बांग्लादेश टी20 के सभी मैच शाम 7:00 बजे से खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार मुकाबला टी20 विश्व कप 2024 में हुआ था। तब भारतीय टीम ने 50 रनों से जीत हासिल की थी। दोनो ही टीमों के बीच अभी तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इसमें से 13 मुकाबलों में भारतीय टीम जीती है जबकि एक मैच बांग्लादेश ने जीता है।

विश्व कप जीतना लक्ष्य था : रोहित

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अहमदनगर में एक क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन किया। इस दौरान रोहित ने कहा कि विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य था और उसे जीतकर उन्हें ऐसा लगा जैसे नया जीवन मिल गया हो। भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुआ टी20 विश्वकप जीता था। इस प्रकार भारतीय टीम ने एक दशक के बाद कोई आईसीसी खिताब जीता था। इससे पहले भारतीय टीम को गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा था। तब रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्व कप में अपने शुरुआती 10 मैच जीते थे पर अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित ने अकादमी का उद्घाटन करते कहा कि विश्व कप जीतने के बाद जिस प्रकार की खुशी हुई उससे मुझे लगा की एक नया जीवन मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम यहां अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि इस अकादमी से हमें यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी मिलेंगे।

आईएसएल फुटबॉल में ओडिशा एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी का मुकाबला बराबरी पर रहा

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा एफसी का यहां खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी से मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। इस प्रकार दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। इस रोमांचक मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स की ओर से नौहा सदौई ने 18वें और हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे। दूसरी ओर ओडिशा एफसी की ओर से मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ ने गलती से 29वें मिनट में एक आत्मघाती गोल कर दिया। वहीं डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में एक गोल किए। इस प्रकार मुकाबला बराबरी पर आ गया। अब ओडिशा एफसी चार मैचों के बाद एक जीत, एक ड्रा और दो हार के साथ ही चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार के साथ ही कुल पांच अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर फिसल गयी है।

ब्राजील ने विश्वकप फुटबॉल क्वालीफायर के लिए ब्रेमर की जगह बेराल्डो को शामिल किया

ब्रासीलिया (ईएमएस)। ब्राजील ने चोटिल ग्लीसन ब्रेमर की जगह डिफेंडर लुकास बेराल्डो को चिली के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मुकाबले के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। ये मैच चिली और पेरू के बीच होगा। वहीं जुवेंटस के डिफेंडर ब्रेमर को बुल लिपजिग के खिलाफ हुए चैंपियंस लीग मुकाबले के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गयी थी। इसके लिए अब उनकी सर्जरी होगी।
वहीं ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर ने कहा, ब्रेमर के गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें उबरने के लिए आराम की जरुरत है। इससे वह जल्द से जल्द वापस कर सकेंगे। उसकी जगह, हम बेराल्डो को शामिल करेंगे।ब्राजील का सामना सैंटियागो में 10 अक्टूबर को क्वालीफायर के नौवें दौर में चिली से होगा। इसके बाद उसे 15 अक्टूबर को ब्रासीलिया में पेरू से खेलना है। अभी तक आठ मैचों के बाद दस अंकों के साथ, ब्राजील अंक तालिका में पांचवें स्थान जबकि चिली पांच अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

अंगद विजाग ओपन गोल्फ में शीर्ष पर पहुंचे

विशाखापत्तनम (ईएमएस)। गोल्फर अंगद चीमा विजाग ओपन में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। अंगद ने एक करोड़ रुपये की ईनामी राशि के विजाग ओपन के दूसरे दौर में 10 अंडर 61 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला। इससे वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये। पीजीटीआई रैंकिंग में अभी चौथे स्थान पर चल रहे अंगद का दो दौर के बाद कुल स्कोर 12 अंडर 130 का है जिससे वह अभी चार शॉट की बढ़त पर हैं। इस सत्र में अभी तक छह बार शीर्ष 10 में रहे अंगद ने पहले दौर में 69 का कार्ड खेला था। वहीं पटना के अमन राज 66 और 68 के कार्ड के साथ ही आठ अंडर 134 के कुल स्कोर के साथ ही दूसरे स्थान पर रहे हैं। वहीं बेंगलुरू के आर्यन रूपा आंनद उनसे एक शॉट पीछे तीसरे स्थान पर है जिन्होंने 67 और 68 के कार्ड खेले।

वेस्टइंडीज क्रिकेट के केन्द्रीय अनुबंध में पूरन और रसेल सहित कई दिग्गजों को नहीं मिली जगह

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें निकोलस पूरन और आंद्र रसेल सहित कई बड़ी नाम शामिल नहीं हैं। इन दोनो के आलसा ऑलरांउडर जेसन होल्डर और शिमरोन हेटमायर को भी अनुबंध नहीं दिया गया है। बोर्ड और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन के बीच हुए करार को देखते हुए इस बार एक साल के अलावा मल्टीपल ईयर कॉन्ट्रैक्ट 2026 तक के लिए दिया है। मल्टीपल ईयर कॉन्ट्रैक्ट के तहत दो साल के लिए खिलाड़ियों से करार हुआ है। इसमें एकदिवसीय कप्तान शाई होप और अन्य 6 पुरुष खिलाड़ियों अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी और जेडेन सील्स को मल्टीपल ईयर कॉन्ट्रैक्ट मिला है। वहीं महिला खिलाड़ियों में शेमैन कैम्पबेल, हेली मैथ्यूज और स्टेफनी टेलर तीन महिला खिलाड़ियों को भी ये अनुबंध मिला है। बल्लेबाज कावम हॉज और ऑलराउंडर अश्मिनी मुनीसर को पहली बार केन्द्रीय अनुबंध मिला है। केन्द्रीय अनुबंध में कई बड़े खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिला है। पूरन के साथ ही रसेल जैसे आक्रामक खिलाड़ी का नाम भी शामिल है।

मल्टीपल ईयर कॉन्ट्रैक्ट

पुरुष खिलाड़ीः शाई होप, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, जेडेन सील्स।
महिला खिलाड़ीः शेमैन कैम्पबेल, हेली मैथ्यूज, स्टेफनी टेलर।

एक साल का कॉन्ट्रैक्ट
पुरुष खिलाड़ीः एलिक अथानाजे, क्रेग ब्रैथवेट, केसी कार्टी, रोस्टन चेज, जोशुआ दा सिल्वा, कावम हॉज, अकील होसेन, रोमारियो शेफर्ड, रोवमैन पॉवेल।
महिला खिलाड़ीः आलिया एलीन, शमीलिया कॉनेल, डिंड्रा डॉटिन, एफी फ्लेचर, चेरी एन फ्रेजर, चिनेले हेनरी, जायदा जेम्स, किआना जोसेफ, अश्मिनी मुनीसर, चेडिन नेशन, करिश्मा रामहरक, रशादा विलियम्स।

हांगकांग में डब्ल्यूटीए ओपन टेनिस में खेलती हुई ऑस्ट्रेलिया की एजला टोमलीजेनोविक।

आईसीसी टी20 विश्व कप : पाकिस्तान की महिला टीम ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को हराया

शारजाह (ईएमएस)। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम ने अपने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मुकाबले में श्रीलंका को हरा दिया। इस मैच में पाक महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 9 विकेट पर 85 रन ही बना पायी। इस मैच में पाक की टीम को गेंदबाजों ने जीत दिलायी। वहीं उसके बल्लेबाज विफल रहे। अब पाक का सामने दूसरे मैच में 6 अक्टूबर को भारतीय टीम से होगा। श्रीलंका के खिलाफ पाक कप्तान फातिमा सना ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोने में ही अपने टीम की जीत में योगदान दिया।
शारजाह में खेले गए इस मैच में पाक टीम ने श्रीलंका को जीत के लिए 117 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 52 रनों पर ही उसके पांच विकेट गिर गये। नीलाक्षी डि सिल्वा के 22 रन और विशमी गुणारत्ने के 20 रनों के अलावा अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायीं। . दूसरी ओर पाक की ओर से सादिया इकबाल ने 3 विकेट जबकि फातिमा सना, ओमैमा सुहैल और नाशरा संधू ने दो दो विकेट लिए। .
वहीं इससे पहले पाक की बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही। चमारी अटापट्टू और सुगंधिका कुमारी की श्रीलंकाई स्पिन जोड़ी और मध्यम गति की गेंदबाज उदेशिका प्रबोधिनी ने पाक को 116 रनों पर ही समेट दिया। केवल फातिमा सना ही 30 रन बना पायीं। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका ने (19/3) जबकि अटापट्टू ने (18 /3) और प्रबोधिनी ने (20/3) लिये।

टी20 महिला विश्व कप : श्रीलंका के खिलाफ आज होने वाले मुकाबले के लिए लिचफील्ड की ऑस्ट्रेलियाई टीम में हो सकती है वापसी

शारजाह (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया की टीम महिला टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में शनिवार को श्रीलंका से खेलेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को उभरती हुई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद है। लिचफील्ड कमर दर्द के कारण इससे पहले हुए दोनों ही अभ्यास मैचों से बाहर रहीं हैं पर उसके श्रीलंका के खिलाफ इस टी20 मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है।
लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद इसलिए है क्योंकि उसने प्रशिक्षण में भाग लिया जिससे उसके चयन की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। वहीं लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों से बाहर रहना कठिन था पर अब में बेहतर अनुभव कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली बार यहां कोई मैच खेलने जा रही है। जिसके कारण उसके लिए यहां श्रीलंकाई गेंदबाज परेशानी खड़ी कर सकते हैं। यहां शुरुआती मैच में स्पिनर हावी रहे हैं। दो मैचों में स्पिनरों ने कुल 22 विकेट लिए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया कि हालात धीमी गति के गेंदबाजों के अनुरुप होंगे। लिचफील्ड ने कहा, मेरे लिए, यह पल में बने रहने और जितनी जल्दी हो सके हालातों को समझने के बारे में है। शारजाह एक चुनौती होने जा रहा है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। इस मैच में लेग स्पिनर एलाना किंग और ग्रेस हैरिस को भी अवसर मिल सकता है। एलाना जहां लेग स्पिनर हैं, वहीं ग्रेस स्पिन ऑलराउंडर हैं।

एसए टी20 लीग में इस बार भी तेम्बा बवूमा की अनदेखी

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान तेम्बा बवूमा को इस बार भी एसए टी20 लीग के लिए किसी टीम ने नहीं खरीदा। वहीं पिछले बार भी बवूमा पर किसी ने बोली नहीं लगायी थी। बवूमा के अलावा एक अन्य खिलाड़ी टोनी डि जोर्जी पर भी किसी टीम ने बोली नहीं लगायी। वहीं सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स पर सबसे बड़ी बोली लगी। रीजा को एमआई केपटाउन ने 2.08 करोड़ रुपए में खरीदा। हेंड्रिक्स को पिछले सीजन में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स ने रिलीज किया था।
नीलामी में 6 फ्रेंचाइजी के पास कुल मिलाकर 13 जगह ही खाली थीं। इस कारण ज्यादातर खिलाड़ी नहीं बिके। वहीं श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराणा को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। पथिराणा को . जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स ने अपने साथ जोड़ा। वह दक्षिण अफ्रीकी लीग में पहली बार खेलेंगे। लीग में वाइल्ड कार्ड के जरिए एक खिलाड़ी को जोड़ने की अनुमति होती है। ये खिलाड़ी कोई भी हो सकता है। विदेशी खिलाड़ी को भी लिया जा सकता है। एसस20 एसए20 क्रिकेट लीग में देश भर की छह टीम शामिल होती हैं। इस प्रतियोगिता (टूर्नामेंट) के पहले विजेता सनराइजर्स ईस्टर्न केप थे।

यूरोपा लीग में यूनाइटेड और पोर्टो का मुकाबला 3-3 से बराबरी पर रहा

बुडापेस्ट (ईएमएस)। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में जारी यूरोपा लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। वहीं इससे पहले टोटेनहम ने यूरोपा लीग के दो में से दो मैच जीत लिए थे। मार्कस रैशफोर्ड और रैसमस होजलुंड के गोलों से यूनाइटेड ने 2-0 की बढ़त हासिल की। वहीं हैरी मैगुएर ने स्टॉपेज-टाइम हैडर के जरिये पोर्टो यूनाइटेड की ओर से एक अंक बचाया। वहीं सैमू ने ब्रेक से पहले पोर्टो की ओर से बराबरी का गोल किया।
ब्रूनो फर्नांडीस को दूसरा पीला कार्ड दिखाए जाने से पहले सैमू ने अपना दूसरा गोल कर पोर्टो को बढ़त दिला दी। पोर्टो जीत के करीब पहुंच गया था पर तभी मैगुएर ने क्रिश्चियन एरिक्सन के कॉर्नर पर हेडर के जरिये गोल कर यूनाइटेड को बराबरी पर ला दिया। इस मुकाबले में पहले हाफ के मध्य में ही मेहमान टीम ने बढ़त बना ली थी।

पीसीबी की पोल खुली , वेतन नहीं मिलने के कारण बाबर ने छोड़ी थी कप्तानी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के एकदिवसीय और टी20 कप्तान बाबर आजम के पद से इस्तीफे का कारण अब सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बाबर ने पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण कप्तानी छोड़ी है। इससे साफ है कि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खस्ताहाल होता जा रहा है। इसी कारण उसके कई खिलाड़ी अपने वेतन के लिए तरस रहे हैं।
स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खिलाड़ियों को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। जिन खिलाड़ियों को वेतन नहीं मिला है। उसमें बाबर आजम के अलावा शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। वहीं महिला टीम को भी वेतन नहीं मिला है। पुरुष टीम को जुलाई से अक्टूबर महीने तक का वेतन नहीं मिली है। इसके अलावा उनकी टीशर्ट पर जिन प्रायोजकों का लोगो होता है उनका भुगतान भी कई महीनों से नहीं हुआ है।
एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला टीम को 23 महीने का अनुबंध दिया गया था पर उन्हें भी चार महीने का भुगतान भी नहीं दिया गया है। उनका अनुबुंध12 महीने बाद रिव्यू किया जाना था लेकिन ये अब तक नहीं हुआ। इससे पहले बाबर ने कहा था कि वह अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देना चाहते हैं पर अब सामने आया है कि पीसीबी में मची आंतरिक कलह और वेतन न मिलने से भी बाबर परेशान थे और उनके कप्तान छोड़ने का यही कारण रहा है।

बुडापेस्ट में यूरोपा लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

मणिपाल टाइगर्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद को रहाया

जम्मू (ईएमएस)। कप्तान हरभजन सिंह की टीम मणिपाल टाइगर्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एक रोमांचक सुपर ओवर मुकाबले में टॉयम हैदराबाद को हरा दिया इसी के साथ ही मणिपाल ने इस टूर्नामेंट में पहला मुकाबला जीता है। इस मैच में निर्धारित 20 ओवरों में दोनो ही टीमों ने 7 विकेट पर 144 रन बनाए थे। सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद ने 2 विकेट पर केवल 4 रन बनाए। वहीं इसके बाद मणिपाल टीम ने तेजी से 3 गेंदों में 9 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।
इस मैच में मणिपाल टाइगर्स की ओर से पहले बल्लेबाजी करने हुए फिल मस्टर्ड और मनोज तिवारी ने पहले विकेट के लिए 20 रन बनाये। थिसारा पेरेरा 48 रन बनाकर नाबाद रहे। मणिपाल ने 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाये। टॉयम हैदराबाद की ओर से बिपुल शर्मा (2/20) और गुरकीरत सिंह (2/24) सबसे सफल गेंदबाज रहे। नुवान प्रदीप और इसुरु उदाना ने पारी में एक-एक विकेट लिया। वहीं जीत क लिए 145 के लक्ष्य का पीछा करते हुए,शॉन मार्श के 35 गेंदों में 38 रन की शानदार पारी और कप्तान गुरकीरत सिंह मान के 35 गेंदों में 37 रन की सहायता से टॉयम हैदराबाद ने भी सात विकेट पर 144 रन बनाये। मणिपाल टाइगर्स के लिए राहुल शुक्ला ने (2/48) ने पारी में दो विकेट लिए। वहीं प्रवीण गुप्ता (1/21), असेला गुणरत्ने (1/16) और ओबुस पिएनार (1/12) ने भी एक-एक विकेट लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा। इसमें टॉयम हैदराबाद ने सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 गेंदों में केवल 4/2 रन बनाए। इसके आद केवल 5 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए थिसारा परेरा और डेनियल ने केवल तीन गेंदों में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद की हुई शादी

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने शादी कर ली है। धूमधाम से हुई इस शादी में कई क्रिकेटर और अफगान बोर्ड के सीईओ नसीब खान और अधिकारी भी शामिल हुए। वहीं कई खिलाड़ियों ने राशिद को सोशल मीडिया के जरिये बधाई दी है।
राशिद ने 18 अक्टूबर 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला एकदिवसीय मैच खेला था। पहले मैच में राशिद ने 10 ओवर डालते हुए कुल 20 रन दिए थे और 1 विकेट भी अपने नाम किया था। वह आईपीएल में में भी खेलते हैं और लीग के सबसे सफल गेंदबाज में से एक हैं। राशिद अफगानिस्तान की कप्तानी करनेवाले सबसे कम उम्र के कप्तान हैं। राशिद ने अब तक अफगानिस्तान के लिए कुल 5 टेस्ट, 105 एकदिवसीय और 93 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 34, 190 और 152 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही राशिद ने 106, 1322 और 460 रन भी बनाए हैं।

पुरुष और महिला एचआईएल लीग मुकाबले एक साथ रखा जाना सराहनीय कदम : सविता

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पुनिया ने हॉकी इंडिया की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पुरुष और महिला लीग हॉकी लीग एचआईएल मुकाबले एक साथ रखा जाना एक अच्छा कदम है। हॉकी इंडिया लीग के इतिहास में ये पहली बार है जब इस टूर्नामेंट में पुरुष टीमों के साथ ही महिला टीमें भी भाग लेंगी। इस दौराना दोनो को ही एक बराबर महत्व दिया जाएगा। हॉकी इंडिया लीग इस साल दिसंबर में आयोजित की जाएगी। इस टूर्नामेंट में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। खास बात यह है कि पुरुष और महिला लीग एक साथ खेली जायेगी, जो वैश्विक खेल लीग में एक बड़ा क्षण होगा।
सविता ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा, पुरुष और महिला एचआईएल एक साथ चलेंगे, जो ऐसा कुछ है जो मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य खेल में पहले हुआ है। हॉकी इंडिया ने हमेशा ही सुनिश्चित किया है कि पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ समान व्यवहार किया जाए। पुरुष और महिला टीमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच या प्रतियोगिता जीतती हैं, तो दोनों को ही बराबर पुरस्कार राशि मिलती है। यह हॉकी इंडिया के खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के प्रति समर्पण को दर्शाता है। एक खिलाड़ी के रूप में, एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना खुशी देने के साथ ही सशक्त अनुभव कराता है। सविता ने कहा कि महिला एचआईएल से उभरती हुई प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। इससे भारतीय हॉकी में एक बड़ा बदलाव आयेगा। युवा महिला एथलीटों के लिए, यह मंच न केवल उन्हें उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देगा, बल्कि खिलाड़ी के रूप में भी सुधार करेगा।

एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) अगले माह 27 अक्टूबर से शुरु होगी। डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा। इस लीग में भारती की स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता सहित छह भारतीय खिलाड़ी खेलती नजर आयेंगी। वहीं हरमनप्रीत सिंह और शैफाली वर्मा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही अनुबंधित कर लिया था। वहीं दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से खेलेंगी। हेमलता पहली बार इस लीग में खेलेंगी। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी इस लीग में पहली बार उतरेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम से खेलेंगी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने शामिल किया है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसका कारण है कि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुईं हैं।

सेंसेक्स 808 अंक गिरकर 81,688 के स्तर पर बंदःनिफ्टी भी 200 अंक गिरा, मीडिया सेक्टर सबसे ज्यादा 2.53% टूटा

मुंबई : हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 4 अक्टूबर को सेंसेक्स 808 अंक की गिरावट के साथ 81,688 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 200 अंक की गिरावट रही, ये 25,049 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 37 में गिरावट और 13 में तेजी रही। एनएसई के आईटी सेक्टर को छोड़कर सभी में गिरावट रही। मीडिया सेक्टर सबसे ज्यादा 2.53% गिरा।

विदेशी निवेशकों ने 15,243.27 करोड़ के शेयर बेचे

एचडीएफसी बैंक, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे गिराया। जबकि, इंफोसिस, टीसीएस और एक्सिस बैंक ने बाजार को ऊपर खींचा। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.22% की तेजी रही। वहीं हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 2.82% और कोरिया का कोस्पी इंडेक्स में 0.31% की तेजी रही।

3 अक्टूबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.44% गिरकर 42,011 पर और नैस्डैक 0.037% गिरकर 17,918 पर बंद हुआ। S&P 500 भी 0.17% गिरकर 5,699 पर बंद हुआ। एनएसई के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने 3 अक्टूबर को 15,243.27 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 12,913.96 करोड़ के शेयर खरीदे।

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का आईपीओ8 अक्टूबर को ओपन होगा गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ8 अक्टूबर को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 10 अक्टूबर तक बिडिंग कर सकेंगे। 15 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

डिफ्यूजन इंजीनियर्स का शेयर 15.17% ऊपर 193 पर लिस्टःइश्यू प्राइस 168 था

डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इश्यू प्राइस से 15.17% ऊपर 193 पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर इश्यू प्राइस से 11.90% ऊपर 188 पर लिस्ट हुआ। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग का इश्यू प्राइस 168 था। यह आईपीओ26 सितंबर से 30 सितंबर तक निवेशकों के लिए ओपन था। तीन कारोबारी दिनों में आईपीओटोटल 114.5 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल कैटेगरी में 85.61 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 95.74 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 207.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। डिफ्यूजन इंजीनियर्स का ये इश्यू टोटल 158 करोड़ का था। इसके लिए कंपनी पूरे 158 करोड़ के 9,405,000 फ्रेश शेयर इश्यू किए। कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचे।

डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड ने आईपीओका प्राइस बैंड 159 से 168 तय किया था। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट यानी 88 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते थे। यदि आप आईपीओके अपर प्राइस बैंड 168 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते, तो इसके लिए 14,784 इन्वेस्ट करने होते।

वहीं, रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1144 शेयर्स के लिए अप्लाय कर सकते थे। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,192 इन्वेस्ट करने होते। कंपनी ने इश्यू का 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा था। इसके अलावा 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व था। डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड की स्थापना 1982 में हुई थी। कंपनी वेल्डिंग से जुड़ी कई तरह की सर्विस देती है और भारी उपकरण बनाती है। डिफ्यूजन इंजीनियर्स 20 से ज्यादा देशों में अपनी सर्विस प्रोवाइड करने के साथ अपने प्रोडक्ट भी एक्सपोर्ट करती है। 29 फरवरी 2024 तक कंपनी के पास 130 से ज्यादा योग्य इंजीनियरों की एक टीम थी।

सितंबर में प्याज-आलू की कीमतों ने रसोई का बजट बिगाड़ा : क्रिसिल

आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में उछाल से सितंबर में घर का बना खाना एक साल पहले की तुलना में महंगा हो गया। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2023 में शाकाहारी भोजन की लागत 28.1 रुपये से सितंबर में 11 प्रतिशत बढ़कर 31.3 रुपये हो गई। यह अगस्त में 31.2 रुपये से थोड़ी ही अधिक हुई। 'रोटी, राइस, रेट' नामक इस रिपोर्ट में वृद्धि के लिए सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया गया है, जो थाली की लागत का 37 प्रतिशत हिस्सा है।

इसमें कहा गया, सितंबर में प्याज, आलू तथा टमाटर की कीमतें क्रमशः 53 प्रतिशत, 50 प्रतिशत और 18 प्रतिशत बढ़ीं। इसकी वजह प्याज तथा आलू की कम आवक, जबकि भारी बारिश से आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में टमाटर का उत्पादन प्रभावित रहना रही। रिपोर्ट में कहा गया, उत्पादन में कमी से दालों की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि साल की शुरुआत में कीमतों में कटौती के कारण ईंधन की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई। मांसाहारी थाली भोजन की लागत पिछले वर्ष की तुलना में दो प्रतिशत घटकर 59.3 रुपये हो गई, जबकि 'ब्रॉयलर' (मांस) की कीमतों में 13 प्रतिशत की गिरावट आई जिसका इस थाली में 50 प्रतिशत योगदान है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगस्त की तुलना में मांसाहारी भोजन की कीमत स्थिर रही।

ईरान-इजरायल संघर्ष से भारत का चाय उद्योग संकट में

तेहरान (एमएस)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से भारत के चाय उद्योग पर भी ऐसे वक्त में आशंका के बादल मंडराने लगे हैं जब पश्चिमी एशियाई बाजार में बेहतर कारोबार की संभावनाएं दिख रही थीं। जब इजरायल-हमास विवाद अक्टूबर 2023 में बढ़ा तब चाय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह थी कि इसका प्रभाव पश्चिमी एशियाई देशों तक होगा विशेषतौर पर ईरान पर।परंपरागत तौर पर ईरान भारतीय चाय का एक प्रमुख केंद्र रहा है। उद्योग का कहना है कि इस साल ईरान से काफी अच्छी मांग की गई है। भारतीय चाय निर्यातक संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'पिछले साल ईरान में कारोबार, भुगतान चुनौतियों के चलते प्रभावित हुआ। लेकिन इस साल इस कारोबार में अच्छा-खासा सुधार दिखा। कलकत्ता चाय व्यापारी संगठन (सीटीटीए) के आंकड़ों के मुताबकि उत्तर भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2024 में 288.77 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि वर्ष 2023 में इसकी कीमत 217.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वहीं दक्षिण भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2023 के 147.35 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 164.97 रुपये प्रति किलोग्राम है।

भारत में सर्विस सेक्टर की पड़ी धीमी, सितंबर में 10 महीने के निचले स्तर पर

सितंबर में भारत के प्रमुख सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मजबूत बनी रही, मगर मांग में कमी के चलते 10 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। यह जानकारी आज यानी शुक्रवार को जारी एक बिजनेस सर्वे के आंकड़ों से मिली। एचएसबीसी की तरफ से एसएंडपी ग्लोबल के सहयोग से संकलित भारत का सर्विसेज पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) सितंबर में 57.7 पर पहुंच गया, जो अगस्त में दर्ज 60.9 के पांच महीने के हाई लेवल से कम है। पहले अनुमान लगया गया था कि भारत का सितंबर के लिए सर्विस पीएमआई 58.9 होगा। मगर आज के आंकड़े उम्मीद से कम रहे।

पहली बार सर्विस सेक्टर का इंडेक्स 60 के नीचे गिरा

एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'साल 2024 में पहली बार सर्विस सेक्टर का इंडेक्स 60 के नीचे गिरा है, लेकिन 57.7 के लेवल पर यह अभी भी लॉन्ग-टर्म एवरेज से कहीं ऊपर है।' पिछले तीन सालों से यह इंडेक्स 50 के लेवल से ऊपर बना हुआ है, जो विस्तार और संकुचन के बीच की सीमा दर्शाता है। न्यू बिजनेस सब-इंडेक्स कुल मांग का मापक है। यह नवंबर के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। लेकिन यह अभी भी ऐतिहासिक औसत से ऊपर था। अंतरराष्ट्रीय मांग इस साल सबसे धीमी गति से बढ़ी।

भर्तियां रहीं जारी

फिर भी, अगले साल के लिए बिजनेस आउटलुक में सुधार देखा गया, जिससे कंपनियों ने कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी। अगस्त के मुकाबले भर्ती में थोड़ी तेजी आई और नौकरी पैदा करने का सिलसिला दो साल से अधिक समय से जारी है। अगस्त के मुकाबले सितंबर में लागत मुद्रास्फीति बढ़ी। इसकी वजह बिजली, खाद्य और अन्य सामग्रियों की कीमतों में इजाफा है। हालांकि, कंपनियों ने फरवरी 2022 के बाद से सबसे धीमी गति से ग्राहकों पर अतिरिक्त लागत का भार डाला। प्रांजुल भंडारी ने आगे कहा, 'सेवाओं से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ने की संभावना है, क्योंकि जब लागत में वृद्धि हुई तो कीमतें धीरे-धीरे बढ़ाई गईं।'

रीपो रेट पर टिकीं निगाहें

भारत की महंगाई दर जुलाई और अगस्त में भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मीडियम-टर्म के टारगेट से नीचे रही। हाल के रॉयटर्स सर्वे के अनुसार, यह 2026 तक हर तिमाही में औसतन 4.2-4.6% के बीच रहने का अनुमान है। आरबीआई के बुधवार को प्रमुख रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत पर बनाए रखने और दिसंबर में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती करने की संभावना है। मंगलवार को जारी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई भी अगस्त में आठ महीनों के निचले स्तर 56.5 पर आ गया, और सेवा क्षेत्र में गतिविधियों की गिरावट के साथ-साथ ओवरआल कंपोजिट पीएमआई भी नवंबर के बाद से सबसे कमजोर रहा।

लॉफिंग ज़ोन

सुरजीत ने हनी का सालाना रिपोर्ट कार्ड देखा तो उस पर बुरी तरह बरस पड़ा, 'इतने कम नम्बर। शर्म नहीं आती? यह हाल तब हैं जब मैंने तुम्हें कहा था कि अगर तुम अच्छे नम्बर लाओगे तो मैं तम्हें साइकिल ले दूंगा। क्या करते रहे, पढ़ने की बजाय?'

'साइकिल चलाना सीखता रहा।' हनी दबे स्वर में बोला।

□ □ □

यात्री (तांगे वाले से), 'स्टेशन तक का कितना लोगे?'

तांगे वाला, 'पांच रूपये और सामान मुफ्त ले चलूंगा।'

यात्री, 'अच्छा तो सामान ही ले चलो। मैं पैदल आता हूं।'

□ □ □

एक महिला ने फलों की दुकान पर फोन किया, 'मैंने एक दर्जन सेब मंगाए थे। आपने ग्यारह क्यों भेंजे हैं?'

'बहन जी' जवाब मिला, एक सड़ा हुआ था। हमने फैंक दिया आपको भी तो फैंकना ही था।'

□ □ □

कल रात सर्कस का एक शेर पिंजरें से बाहर निकल गया। दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिर्फ रिंग मास्टर शांत था। 'वह कैसे?' संता ने पूछा।

'रिंग मास्टर शेर के पिंजरें का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया था।' बंता ने कहा।

आज का इतिहास

1582 पोप के राज्यों में ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया गया।

1676 ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत के सिक्के ढालने का अधिकार मिला।

1793 फ्रांस में ईसाई धर्म के पदों को समाप्त कर दिया गया।

1805 लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन हुआ।

1931 क्लाइड पैंगबार्न और ह्यूग हर्नडान ने जापान से वाशिंगटन तक की दूरी 41 घंटे में पूरी की।

1964 काहिरा में गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में कांगों के मोइसे शोम्बे को भाग लेने की अनुमति नहीं दी गयी।

1971 पुर्तगाल गणराज्य बना।

1978 अमरीका ने नामीबिया में अश्वेतों को सत्ता हस्तांतरण के लिए विदेश मंत्री साइरस वांस को भेजने का फैसला किया।

1981 फर्डीनांड प्रथम ने बल्गारिया को स्वतंत्र घोषित किया।

1983 पोलैंड के श्रमिक नेता लेक वालेशां को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गयी।

1987 दक्षिण अफ्रीका सरकार ने श्वेतों के साथ अश्वेतों को बंसने की अनुमति देने का फैसला किया।

1989 दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गयी।

1993 परमाणु परीक्षण पर लगी रोक चीन ने तोड़ दी।

1994 स्विटजलर्लैंड में सामूहिक आत्महत्या की दो घटनाओं में 48 लोगों के शव बरामद हुए।

2003 उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में गंडक नदी पर पुल बनवाने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे लालजी मिश्र को समझाने गए अधिकारियों को देख कर उग्र हुई भीड़ पर गोलीबारी में चार लोग मारे गए।

दैनिक पंचांग

5 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.49 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.04 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.20 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.25 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.11 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.44 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.15 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.55 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.53 बजे से
		कर्क	00.06 बजे से
		सिंह	02.22 बजे से
		कन्या	04.34 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 279 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र स्वाती 21.33 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ अहोरात्र।
करण तैतिल 18.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण $04^{\circ} 50'$
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872123
जूलियन दिन 2460588.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उस्सानी
तारीख 01
विशेष विश्व शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8149

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2, 2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8148 का हल

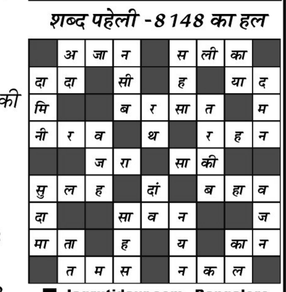

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7690

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	22	14	18	■	36	19	15	14	■
15	7		3	■	8		7		20
12		2		■		9		4	25
18	9		7	■	5		3		23
21		5		5		■	■	■	■
■	■	■	■		9		3		30
21		6		3	■	6		5	15
16	2		6		■		8		23
23		8		4	■	6		7	21
■	12	19	19	23	■	21	23	28	■

अंकजाल 7689 का हल

■	20	22	22	■	23	16	11	18	■
14	3	4	7	■	8	5	4	9	26
14	2	7	5	■	8	7	5	3	23
17	8	2	7	■	3	4	2	6	15
28	7	9	3	7	2	■	■	■	■
■	■	■	■	5	2	5	7	8	27
18	2	3	8	5	■	6	7	3	16
17	6	4	5	2	■	5	6	8	19
23	5	8	6	4	■	6	8	7	21
■	13	15	19	23	■	22	28	26	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6634

2	1			6	5	4
	22	7	38		41	
3		1	2		6	
	32		30	3	35	2
6		2	5			7
4	32	5	30	2	24	
	3					6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6633 का हल

2	1	3	6	4	7	5
1	26	7	41	6	38	6
7	1	4	6	5	2	3
4	34	5	33	1	25	2
6	5	2	3	7	4	1
5	32	6	29	3	34	4
3	4	1	5	2	6	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5994

33		2		15		3	=	60
	■		■		■		■	
25		5		2		5	=	5
	■		■		■		■	
5		20		2		12	=	38
	■		■		■		■	
10		5		10		5	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
33		22		5		15	=	12 / 70

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5993

20	÷	1	+	8	-	5	=	23
+	■	x	■	x	■	+	■	-
40	-	35	x	8	-	25	=	15
-	■	+	■	-	■	-	■	+
35	+	60	-	49	-	25	=	21
+	■	-	■	+	■	+	■	-
2	x	48	-	30	-	40	=	26
=	■	=	■	=	■	=	■	=
27	+	47	-	45	+	45	=	3 / 74

शब्दजाल- 7680

शब्दजाल में राजपाल यादव की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गरम मसाला, वास्तुशास्त्र, क्या कूल है हम, कल हो ना हो, रोड, जंगल, चांदनी बार, वक्त, कंपन्नी, लाल सलाम

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	चां	न	र	क
ग	र	म	म	सा	ला	जी	द	इ	व	ल
आ	कं	दे	ला	ह	जी	स्म	नी	का	क्त	दि
वा	ची	प	श	ल	ज	प	बा	पा	ल	र
स्तु	त	ई	न्नी	में	स	खें	र	भा	म	जं
शा	मे	म	क	ला	बे	ला	न	ई	क	ग
स्त्र	जं	न्स	मे	ल	क	ता	म	न	है	ल
च	म	न	ए	सं	हो	प	र	ली	म	ए
ले	बो	र्न	य	त	चि	ना	री	रो	न	क्स
क्या	कु	ल	है	ह	म	त्र	हो	ड	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल - 7679 का हल

बे	म	मा	है	लो	ब्र	द	र	ह	क	ल
हो	टी	सू	ह	गु	ल	जी	स	ल	क	के
हे	वी	औ	द	अ	ला	त	र	म	ल	भी
रा	र	दा	र	ल	क	म	ओ	र	सु	अ
म	स	न	ष	ब	म	मी	छ	बा	न	ल
प	मी	त्या	स	जि	ब	क	प	बू	स	वि
के	ह	बु	की	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	छ	कु	छ	हो	ता	है	प	ना
प	हे	ली	सू	ह	प	ने	ने	ल	जी	क
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	ह
म	ह	न	ह	म	तु	म	न	ज	ल	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ओरमांझी में महिला समूह की 6 सौ दीदियों को मिला सिलाई मशीन, राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद के प्रयास से महिलाएं स्वलंबी बनेगी

ओरमांझी(मोहसीनआलम):ओरमांझी के अंचल मैदान में शुक्रवार को स्वंय सहायता समूह की 6 सौ महिला दीदियों को सरकार के सीआईकि द्वारा सीएसआर फंड से सिलाई मशीन वितरण किया गया,सिलाई मशीन पाकर महिलाओं के चेहरे की खुशी से खिल उठे, सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम मेंअतिथि के रूप में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद,पूर्व सांसद रामटहल चौधरी शामिल हुए। मालूम हो कि राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के अथक प्रयास से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई मशीन वितरण किया गया,सिलाई मशीन मिलने से महिलाएं स्वलंबी बनेंगी, सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम के दौरान आपसी विवाद के चलते वितरण कार्यक्रम में बाधा आया,तेज गर्मी में महिलाएं 4 घंटे बैठ रही, अतिथियों को जेएसएलपीएस की दीदियों ने स्वागत किया,इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार,जेएसएलपीएस बीपीएम नदीम अंसारी सहित सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित हैं।

शक्ति स्वरुपा मां दुर्गा सबका कल्याण करें - डा. अजय कुमार

जमशेदपुर। पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डा.अजय कुमार ने शुक्रवार को गोलमुरी सर्कस मैदान स्थित गोलमुरी दुर्गा पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया. मौके पर डा. अजय ने कहा शक्ति स्वरुपा मां दुर्गा समस्त झारखंड वासियों का कल्याण करें. माता रानी सबके जीवन में सुख शांति और समृद्धि प्रदान करें. डा. अजय ने कहा कि नवरात्र में हम मां दुर्गा की नौ रुप का पूजन करते है. यह हमें मां दुर्गा के विभिन्न रुप से अवगत कराता है. दुर्गा पूजा हमें नारी एवं बेटियों को सम्मान देने के लिए प्रेरित करता है. इससे ही प्रेरित हो कर इंडिया गठबंधन ने प्रदेश की आधी आबादी को सम्मान के साथ जीने के लिए उन्हें आर्थिक रुप से मजबूत करने का संकल्प लिया. आज प्रदेश की लगभग 48 लाख महिलाओं को मईंया सम्मान योजना के तहत उनके खाते में प्रति माह एक हजार रुपया प्रदान किया जा रहा है. इतना ही नहीं आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका एवं सहिया के मानदेय में वृद्धि सरकार ने महिलाओं का सम्मान बढ़ाने का प्रयास किया है. महिलाएं सम्मान एवं सुरक्षित जीवन व्यतित कर रही है. लेकिन विपक्षियों को यह रास नहीं आ रहा है. झारखंड सरकार महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति कृतसंकल्प है. उद्घाटन कार्यक्रम में समाजसेवी शिवशंकर सिंह, शौरव विष्णु, तरुण डे, रईस रिजवी छबन समेत पूजा कमेटी के तमाम लोग व श्रद्धालु गण उपस्थित थे ।

चतरा में डीआरडीए शासी निकाय एवं कार्यपालक निकाय की बैठक संपन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा:विकास भवन के सभा कक्ष में डीआरडीए शासी निकाय एवं कार्यपालक निकाय की बैठक की गई। शासी निकाय की बैठक माननीय अध्यक्ष जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी की अध्यक्षता में की गई।
कार्यपालक निकाय की इस बैठक में कई प्रस्ताव किए गए पारित साथ ही डीआरडीए की कार्यपालक निकाय की बैठक का आयोजन उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल की अध्यक्षता में की गई।जिसमें निम्न प्रस्ताव पारित किये गये. सरकार के सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड रांची का संकल्प संख्या 2078 दिनांक 10.06.2024 से राज्य सरकार के निर्णय की तिथि अर्थात दिनांक 10.06.2024 की तिथि से डी०आर०डी०ए० को जिला परिषद में विघटन व विलयन की विभागीय स्वीकृति तथा शासी निकाय से प्रदत सहमति पर कार्यपालक निकाय की बैठक में सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की गयी।डी०आर०डी०ए० में कार्यरत सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को दिनांक 10.06.2024 की तिथि से जिला परिषद में नवगठित कोषांग में समाहित व समायोजन करने हेतु प्राप्त विभागीय स्वीकृति पर शासी निकाय से प्रदत सहमति पर इस निकाय से भी सहमति प्रदान की गयी।डी०आर०डी०ए० द्वारा निर्मित सभी आस्तियों (परिसम्पति) को जिला परिषद के नवगठित कोषांग में सम्माहित,हस्तांतरण,हस्तगत करने हेतु प्राप्त विभागीय स्वीकृति पर शासी निकाय से प्रदत सहमति पर इस निकाय से भी सहमति प्रदान की गयी।डी०आर०डी०ए० में पूर्व से संचालित बैंक खातों में अवशेष निधि को जिला परिषद में नवगठित कोषांग में सम्माहित,हस्तांतरण करने हेतु प्राप्त विभागीय स्वीकृति पर सहमति प्रदान की गयी।डी०आर०डी०ए० में पूर्व से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मियों को पैतृक विभाग,कार्यालय में वापस भेजने की विभागीय स्वीकृति पर भी सहमति प्रदान की गयी।

पूर्वी विधानसभा से समाजसेवी चंदन यादव लड़ेंगे चुनाव , कहा जनता मौका प्रदान करेगी तो उन्हें निराश होने नही दूंगा

जमशेदपुर । सिद्धगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत काली मंदिर के समीप कोवाली मैदान में एक सभा के दौरान समाजसेवी चंदन यादव ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास एवम पूर्वी के विधायक सरयू राय और पूर्व सांसद डॉक्टर अजय कुमार पर जमकर निशाना साधते हुए दिखे। चंदन यादव ने कहा कि 25 साल विधायक , एक बार राज्य के मुख्यमंत्री वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने जमशेदपुर की जनता को सिर्फ और सिर्फ ठगने का काम किया है। वहीं पूर्वी विधानसभा के विधायक सरयू राय पर निशाना साधा और कहा कि सरयू राय ने भी अपने कार्यकाल में लोगों को मूर्ख बनाने का काम किया है और वोट लेकर विधायक की कुर्सी पर बैठकर अपना फर्ज भूल गए। साथ ही चंदन यादव ने पूर्व सांसद डॉक्टर अजय कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि डॉक्टर अजय कुमार 10 साल गायब रहें और अब चुनाव आते ही पूर्वी विधानसभा में मंडराने का काम कर रहे हैं । इन्होंने बरसाती मेढ़क की तरह सिर्फ चुनाव के समय दिखते हैं और बाकि दिन गायब रहते हैं । ये जनता सबकुछ जानती है । डॉक्टर अजय कुमार के बातों में नहीं आने वाली है । ये आपको सबक जरूर सिखाएगी। चंदन यादव ने कहा कि अगर पूर्वी क्षेत्र के जनता हमें एक बार विधायक बनने का मौका प्रदान करती है तो मैं उन्हें निराश होने नही दूंगा। हर मुरझाए चेहरे पर खुशियां बिखेरने का काम करूंगा ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 05 अक्टूबर को एमजीएम मेडिकल अस्पताल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं ओपीडी सेवा का शुभारंभ करेंगे

जमशेदपुर । बालिगुमा में सभा स्थल एवं एमजीएम मेडिकल कॉलेज में अस्पताल परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल की तैयारियों के निमित जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, पीडी आईटीडीए, रूरल सह सिटी एसपी, एसडीएम धालभूम ने स्थल निरीक्षण किया । प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग में सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण, वाहन पार्किंग, यातायात व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में बिंदुवार आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।
बता दें कि पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत जमशेदपुर के डिमना में स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज परिसर में अस्पताल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं ओपीडी सेवा का शुभारंभ राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा 05 अक्टूबर को किया जाना है। साथ

ही बालिगुमा मैदान में सभा को सम्बोधित करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल, पीडी आईटीडीए दीपांकर चौधरी, रूरल सह सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, एसडीएम धालभूम श्रीमती शताब्दी मजूमदार द्वारा प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। सभी को उचित ड्रेस कोड में ससमय प्रतिनियुक्त स्थलों पर उपस्थिति एवं निष्ठा के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु निर्देशित किया गया। जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण में तैयारियों का जायजा लिया गया। मौके पर कार्यक्रम स्थल की साफ सफाई, वाहन पार्किंग, सुगम यातायात परिचालन, कार्यक्रम स्थल तक आवागमन की व्यवस्था, अलग अलग कार्यक्रम स्थल पर प्रेस प्रतिनिधियों की इंट्री, सुगम यातायात व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने स्तर से तैयारी पूर्ण कर लें। निरीक्षण के दौरान विधि व्यवस्था सुनिश्चित करने, सम्मानित जनप्रतिनिधियों व आगन्तुकों के बैठने, वाहन पार्किंग की व्यवस्था, पेयजलापूर्ति, चलन्त शौचालय, मेडिकल टीम, अग्निशमन दल तथा एंबुलेंस की उपलब्धता, आवश्यक जगहों पर बैरिकेडिंग, आवश्यक साईनेज के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कहा कि सुरक्षा एवम विधि व्यवस्था संधारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हो, हर स्तर पर पदाधिकारियों को समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। मौके पर निदेशक एनईपी, एनडीसी, मानगो नगर निगम के अपर नगर आयुक्त, जेएनएसी के उप नगर आयुक्त, एलआरडीसी, जिला जमसम्पर्क पदाधिकारी, सभी बीडीओ, सीओ, डीएसपी, थाना प्रभारी व अन्य प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : कोयला एवं खान राज्य मंत्री ,श्री सतीश चंद्र दुबे झारखंड के तीन दिवसीय दौरे के तहत आज रांची पहुंचे। रांची हवाई अड्डे पर पहुंचने पर सीसीएल सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह,सीएमडी सीएमपीडीआई श्री मनोज कुमार एवं अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जो इस क्षेत्र के लिए इस दौरे के महत्व को रेखांकित करता है।
अपने प्रवास के दौरान माननीय श्री दुबे झारखंड में कोयला एवं खनन क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। पहले दिन वे सीएमपीडीआईएल के अधिकारियों के साथ चल रही परियोजनाओं का आकलन करने और भविष्य की पहलों पर एक

महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे।
दूसरे दिन मंत्री घाटशिला में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का दौरा करेंगे, जहां उनसे क्षेत्र में खनन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए परिचालन रणनीतियों और विकास योजनाओं पर चर्चा करेंगे ।
यात्रा के तीसरे दिन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम होगा, जहां श्री दुबे बोकारो और करगली क्षेत्रों में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के कारो कोल हैंडलिंग प्लांट और कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट की आधारशिला रखेंगे। इस पहल से कोयला परिवहन में वृद्धि और क्षेत्र में परिचालन की समग्र दक्षता में योगदान मिलेगी । माननीय श्री दुबे ने कोयला और खनन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की, जो झारखंड और राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। माननीय मंत्री का दौरा राज्य में कोयला और खनन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, रोजगार सृजन और सतत विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हाथियों ने किया घर ध्वस्त,विधायक ने पीड़ित परिवारों क़ो 50-50 किलो चावल दिया

ओरमांझी(मोहसीन आलम):ओरमांझी के पूर्वी क्षेत्र कुटे पंचायत के मुट्टा भेलवा टोली में पिछले दिनों जंगली हाथियों के आतंक से 16 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था,घर क्षतिग्रस्त होने से 16 परिवार बेघर हो गए हैं, वहीं गांव में लगे फसलों क़ो बर्बाद कर दिया गया था, सभी पीड़ित परिवारों को स्थानीय विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से 50-50 किलो चावल सहयोग स्वरूप दिया गया. जिस दिन हाथियों ने बेलवा टोली के लोगों का घर ध्वस्त किया था उसे समय विधायक राजेश कच्छप गांव पहुंचे थे, और पीड़ितों को भरोसा दिया था कि सभी को सरकार द्वारा पक्का मकान दिया जाएगा, उसी कड़ी में शुक्रवार को परेशान लोगों के पेट भरने के चावल वितरण किया गया, चावल वितरण कार्यक्रम के मौके पर उप प्रमुख रिजवान अंसारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विधायक राजेश कच्छप आप सभी बेसहारा लोगों के दुःख घड़ी में वह सहयोग के लिए तैयार हैं, आप लोगों को सरकार के विशेष योजना के अंतर्गत पक्का आवास किया जाएगा, वहीं ग्रामीणों ने अपना दुखड़ा सुनाते हुए मांग किया है कि हाथियों का झुंड हमेशा इस गांव से

गुजरता है, जिस दिन हाथियों का झुंड हम लोगों के गांव में आया था उसे दिन अगर गांव में सरकारी स्कूल नहीं होता तो हम लोगों की जान चली जाती, क्योंकि वही पक्का भवन में हम लोगों ने शरण लिया था, इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार विधायक प्रतिनिधि सफीउल्लाह अंसारी, कांग्रेस पार्टी महिला मोर्चा की प्रखंड अध्यक्ष अनीता देवी, कुटे मुखिया नाजनीन प्रवीण,शोभा देवी, यूथ कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सूरज पठान,झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक के प्रखंड अध्यक्ष कलाम आजाद,पप्पू खान,हकीम अंसारी,सहित अनेको गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चतरा जिप उपाध्यक्ष को सनातन धर्म सभा ने किया सम्मानित

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) विश्व शांति और जनकल्याण की भावना सनातन धर्म में निहित है। हमारी पहचान अपने मातृभूमि भारत देश एवं अपने धर्म और संस्कृति से है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना अंतर्निहित है हमारे सनातन संस्कृति में। यही सनातन संस्कृति की मूल पहचान है। अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए हम सभी को सनातन धर्म के प्रति आस्थावान होना होगा। उक्त बातें चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी ने कही। वे इटखोरी के भद्रकाली मंदिर परिसर में सनातन धर्म सभा केंद्रीय समिति के द्वारा सम्मान समारोह के मौके पर बोल रहे थे। मौके पर सनातन धर्म सभा केंद्रीय समिति के द्वारा सनातन धर्म के प्रति समर्पण, समर्थन तथा सहयोग एवं धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भूमिका निभा रहे

जिप उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी को सम्मानित किया गया। सभा के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी ने श्री तिवारी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया तो उपाध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ने पगड़ी देकर एवं महासचिव राजीव रंजन ने तलवार देकर सम्मानित किया। मौके पर सनातन धर्म सभा के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी ने सनातन धर्म के प्रति निष्ठा रखने के लिए श्री तिवारी को हृदय की गहराइयों से आभार एवं साधुवाद एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ढेर सारी शुभकामनाएं दी। कहा कि के बिरजू तिवारी जैसे व्यक्तित्व के कारण ही सनातन धर्म आगे बढ़ रहा है। मौके पर जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने कहा कि वैदिक सनातनी संस्कृति के मूल्यों को सभी समाज में स्थापित किया जाना चाहिए। सनातन धर्म सभा की सराहना करते हुए कहा कि सनातन धर्म सभा ने अनेक प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व सामाजिक समारोह आयोजित कर सनातन धर्म को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही है। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी, उपाध्यक राम प्रकाश तिवारी, महासचिव राजीव रंजन, संरक्षक मुनींद्र नाथ दुबे मौजूद थे।

गूंगा नाला उच्च स्तरीय पुल का विधायक राजेश कच्छप ने शिलान्यास किया

पुल निर्माण होने से सैकड़ो गांव आपस में जुड़ जायेंगे:राजेश कच्छप

मोहसीन आलम

अनगड़ाः अनगड़ा प्रखंड क्षेत्र के बोंगाई बेड़ा गूंगा नाला उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का शुक्रवार क़ो स्थानीय विधायक राजेश राजेश कच्छप ने भूमि पूजन कर पुल का विधिवत शिलान्यास किया.वहीं दो पहर में रांची से इस पुल का ऑनलाइन शिलान्यास मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था.जहाँ भूमि पूजन आदिवासी रीति रिवाज से पारंपरिक तरीके किया गया,शिलन्यास कार्यक्रम में विधायक राजेश कच्छप का महिलाओं पुरुषों ने स्वागत भव्य तरीके से किया,भूमि पूजन के उपरांत समारोह का आयोजन किया गया,जहां विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि इस पुल के निर्माण हो जाने से सैकड़ो गांव जुड़ जाएंगे, पुल का ग्रामीणों द्वारा लगातार मांग की जा रही थी,जिसका संज्ञान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मैंने दिया, जिन्होंने पुल निर्माण की स्वीकृति देकरअनगड़ा,सिल्ली,ओरमांझी,नामक़ोम सहित दर्जनों प्रखंड के लोगों को बड़ी सौगात देने का काम किया है, वहीं उन्होंने कहा कि मैं जनता के लिए समर्पित हूं, मैं जनता के हर सुख दुख में खड़ा रहता हूं, जनता का जो विश्वास हम पर है मैं पूरा खरा उतरने का काम करता हूं. वहीं अन्य वक्ताओं ने भी पुल निर्माण के महत्व को बताते हुए कहा कि इससे लोगों को काफी फायदा होगा,मालूम हो कि खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अथक प्रयास एवं अनुशंसा से झारखण्ड सरकार के पथ निर्माण विभाग झारखण्ड राज्य राजमार्ग प्राधिकार द्वारा स्वीकृत अनगड़ा प्रखंड का यह उच्च स्तरीय-हाहे-राहे पथ में अवस्थित गुंगा नाला पर उच्चस्तरीय सेतु का निर्माण कार्य होना हैं जिसकी लम्बाई 1.077 कि.मी.व लागत 112.11 करोड़ का होगा,मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुंडा, अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव,उप प्रमुख जयपाल हजाम,रब्बानी अंसारी, मिन्हाज अंसारी,सरपंच शीला देवी,एतवा उरांव,साकिर अंसारी,छोटेलाल महतो,जितेंद्र महतो,सचिन नायक, युनूस अंसारी, फाल्गुनी शाही मुंडा, शिवदास गोस्वामी, शांति देवी,सहनाज,अब्बास अंसारी,सरिता तिर्की,रोहित नायक, सिद्दीकी अंसारी आदि शामिल थे।

गुमला में लूट की योजना बनाते अपराधी गिरफ्तार

गुमला : दुर्गापूजा को लेकर जिले में पुलिस की सक्रियता के साथ अपराधी भी सक्रियता दिखाने से बाज नहीं आ रहे है। अपराधियों के सक्रिय होते ही पुलिस अपनी सक्रियता के बल पर अपराधियों की मंशा को फौरन निष्क्रिय करने में जुटी हुई है। ताजा मामला जिले के पालकोट थाना क्षेत्र का है। जहां दुर्गा पूजा को लेकर गुमला सिमडेगा मार्ग पर आवाजाही करने वाले राहगीरों को लूटने के उद्देश्य से एकत्रित सात सड़क लुटेरों को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार कर ली है।

कई राज्यों में कर चुके हैं लूटपाट

गिरफ्तार सभी लुटेरे अंतरराज्यीय गिरोह के है। गिरफ्तार लुटेरे झारखंड , बिहार, दिल्ली व छत्तीसगढ़ में लूट की कई घटनाओं को अंजाम दे चुके है। इस गिरोह का सबसे ज्यादा आतंक छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिले का इलाका में था। हाल के दिनों में जशपुर पुलिस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज चुकी है। साथ ही अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी को लेकर प्रयासरत थी। मगर अब वे पालकोट पुलिस की इलाके में सक्रियता के कारण पकड़ लिए गए है।

इनकी हुई गिरफ्तारी

पकड़े गए लुटेरों में 36 वर्षीय बसंत राम ग्राम नारायणपुर, 26 वर्षीय धर्मेंद्र राम ग्राम माधे टोली,40 वर्षीय रोहित लकड़ा उर्फ इंद्रनाथ लकड़ा ग्राम नारायणपुर माघे टोली तीनों आर चौकी थाना व जिला जशपुर राज्य छत्तीसगढ़, 25 वर्षीय किशन बेसरा ग्राम दवाई पानी थाना टीटांगर जिला सिमडेगा झारखंड,35 वर्षीय जयप्रकाश ग्राम कंजिया थाना कुसमी जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़,39 वर्षीय सुधीर कुमार शाह ग्राम सरबदीपुर थाना मोचहा जिला मुजफ्फरपुर बिहार व 32 वर्षीय चूड़ामणि मांझी ग्राम रोकेगा थाना पालकोट जिला गुमला शामिल है।पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल,दो देसी कट्टा,7.65 एमएम का 9 जिंदा कारतूस,8 एमएम का दो जिंदा कारतूस बरामद किया है।

बंगरु पहाड़ में जमा हुए थे अपराधी

एसडीपीओ नजीर अख्तर व थाना प्रभारी मो जहांगीर ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया की एसपी शम्भू कुमार सिंह को यह गुप्त सूचना मिली कि सात से आठ लुटेरे पालकोट थाना छेत्र के बंगरु पहाड़ में सड़क लूट की घटना को अंजाम देने के लिए हथियार बंद लुटेरे मौजूद है।इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ नजीर अख्तर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

सांस्कृतिक मंत्रालय,भारत सरकार के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह पर सुजीत उपाध्याय को नई दिल्ली में सम्मानित किया गया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची / नई दिल्लीः महात्मा गांधी के 155वें जन्मोत्सव के अवसर पर, देर शाम झामुमो के संयुक्त सचिव सह मेंबर फ़िल्म डेवलपमेंट कौंसिल, गवर्नमेंट ऑफ़ झारखंड, सुजीत उपाध्याय को दिल्ली के गाँधी स्मृति दर्शन समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उनकी अद्वितीय सेवाओं और जनकल्याणकारी कार्यों के लिए प्रदान किया गया। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब पूरा देश और दुनिया संकट का सामना कर रहे थे, सुजीत उपाध्याय ने न केवल आम जनता की सेवा की बल्कि उनके जीवन को सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई, जिससे उनका जीवन सामान्य हो सके।
सड़क दुर्घटनाओं में घायल सैकड़ों लोगों को अस्पताल पहुँचाने का कार्य भी उन्होंने अत्यंत निष्ठा के साथ किया। उनके इन

मानवीय कार्यों से अनगिनत लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त हो सकी। उनके योगदान में केवल यह नहीं रहा, बल्कि रांची के रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकाइट्री एंड एलाइड साइंसेस) और केंद्रीय मानोचिकित्सालय अस्पताल में मानसिक रूप से अनेकों विक्षिप्त को अस्पताल में भर्ती कराया और शारीरिक रूप से कमजोर लोगों की भी सहायता की। उन्होंने भिक्षुकों का राशन कार्ड में नाम जुड़वाने जैसे अहम कार्य किए, जिससे उनकी दैनिक जरूरतें पूरी हो सकें।
सांस्कृतिक मंत्रालय,भारत सरकार के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह पर सुजीत उपाध्याय को मोमेंटो और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके अनगिनत सामाजिक कार्यों के लिए दिया गया, जो उन्होंने निस्वार्थ भाव से किए हैं। इस सम्मान समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने सुजीत उपाध्याय की सेवाओं की सराहना की और उन्हें आगे भी ऐसे ही सेवा कार्यों के लिए प्रेरित किया।
सम्मान प्राप्त करने के बाद सुजीत उपाध्याय ने कहा कि इस सम्मान का श्रेय वह व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहते, बल्कि यह उनके नेतृत्वकर्ता और राज्य के मुखिया, हेमंत सोरेन की दूरदर्शी नीतियों और प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार ने जनता के हित में कई प्रभावी कदम उठाए हैं, और उन्हीं कदमों का अनुसरण करते हुए उन्होंने यह कार्य किए हैं।
सुजीत उपाध्याय ने हेमंत सोरेन को इस यात्रा में उनके मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत बताया, जिन्होंने उन्हें समाज सेवा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के विकास और गरीबों की सहायता के लिए हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे समाज के निचले तबके को लाभ पहुंच रहा है। सुजीत उपाध्याय ने इस मौके पर सभी सहयोगियों और समर्थकों का धन्यवाद किया, जिनके बिना यह कार्य संभव नहीं हो पाता।
समारोह में उपस्थित सभी लोग सुजीत उपाध्याय की विनम्रता और सेवा भाव से प्रभावित हुए और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह समाज की सेवा करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।